लगे, फिर काम चल निकला। चालू काम में भी बाधाएँ
कम्पोजिटर और मशीनमेन में से किसी न किसी का अ
बाधाएँ उत्पन्न होती रही और काम चलता रहा।

कम्पोज में हमें सुत्तागमे की प्रति ही काम में ले
धित रूप में। संशोधन की हुई प्रति प्राप्त करने में भी
हुई, परन्तु तपस्वीराज मु. श्री लालचन्दजी म. सा. की
पार्श्वमुनिजी म. सा. से संशोधित प्रति प्राप्त हो गई।
अपनी प्रति शुद्ध की और काम चालू किया। गेलीप्रू
चंडालिया अन्यत्र प्रकाशित प्रतियों से मिलान कर के देख
होने के पश्चात् मैं देखता। मैं किसी प्रति से नहीं
करते हुए जहाँ शंका होती, वहाँ अन्य आवृत्ति की प्रति
और आवश्यक लगता वहाँ शाब्दिक परिवर्तन भी करता
के चार अंगसूत्रों का यह प्रथम विभाग सम्पन्न हुआ।

संघ के अन्य प्रकाशनों की तुलना में इस प्रकाश
ही है। इसके लिये खास नया टाइप मँगवाया गया और
अत्यधिक महँगाई भारतभर में बढ़ कर सीमातीत हो ग
भी प्राप्त होना कठिन होगया। किसी प्रकार बम्बई मे प्र
इतना खराब कि रीम के ऊपर नीचे के कितने ही काग
हो गये। खर्चा भी बहुत हुआ। इत्यादि कारणों से पुस्त
गया है।

आशा है कि जिनवाणी के रसिक महानुभावों
उपयोगी लगेगी।

इस समय दूसरे विभाग का भगवती सूत्र शतक
हमारा प्रयास है कि यह भी पाठकों की सेवा में शीघ्र प

सैलाना
श्रावण कृ. ३
१२-७-१९७१

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२	३	विरूवरूवेहि	विरूवरूवेहि सत्थेहि
२०	११	पव्वं	पुव्वं
२३	१९	सुइं	सुद्दं
३८	११	पट्टगंसि	पट्टणंसि
३८	१६	दिज्जाणं	दिज्जमाणं
३९	१२	तत्थे० सामुदाणियं	तत्थे० कुलेहि सामु०
[illegible]१	१४	सक्कुलिं वा, पूयं वा	सक्कुलिं वा, फाणियं वा, पूयं वा
२[illegible]	१३	वसमाणे	वसमाणे वा
[illegible]	६	उवरए	उवचरए
	२२	परिभुत्तव्वा	परिभुत्तपुव्वा
	२४	अच्छे	उंच्छे
	७	सिवा	सिया
	३	छायए	धायाए
	१६	तेमयावि	ते यावि
	८	महद्धणवंधाइं	महद्धणवंधणाइं
	२१	अवट्टु	अवहट्टु
	१८	करायं	कारयं
	२३	पव्वईए	से पव्वईए
	२३	पुच्छए	वुच्छए
	१३	णियहसत्तू	णिहयसत्तू

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२४	१०	वणेहि	अणेहि
१२५	अंतिम	विचेति	वेचेति
१२६	९	बन्डनावाले अम्हुर्वेङ- वतिद	बन्डडनावाले अम्हुर्वे वतिद
१२६	२०	मेता	मेता
१२९	८	लाते निहुरावेइ	लवेत निहुरावेइ
१६०	७	पढनदद	पढनदनद
२२३	२२	डुअनडुअनाद	डुअनडुअनाद
२२८	६	रचनानाना	रचनानना
२२८	१३	गोदूना	गोदूना
२८८	१३	लिनइतं	लिनइतं विनइतं
३०९	१९	चरितनिदन	चरितनिदद
३४२	३	क	कं
३४७	अंतिम	केरइमातं	०
३५८	२६	वनामनरते	वनमनरते



अस्वाध्याय

निम्न लिखित चौंतीस कारण टालकर स्वाध्याय करना चाहिये।

आकाश सम्बन्धी १० अस्वाध्याय	कालमर्यादा
१ बड़ा तारा टूटे तो	एक प्रहर
२ उदय अस्त के समय लाल दिशा	जबतक रहे
३ अकाल में मेघगर्जना हो तो	दो प्रहर
४ " बिजली चमके तो	एक प्रहर
५ " बिजली कड़के तो	दो प्रहर
६ शुक्ल पक्ष की १-२-३ की रातें	प्रहर रात्रि तक
७ आकाश में यक्ष का चिन्ह हो	जबतक दिखाई दे
८-९ काली और सफेद धूंअर	जबतक रहे
१० आकाश मण्डल धूलि से आच्छादित हो	"

औदारिक सम्बन्धी १० अस्वाध्याय

११-१३ हड्डी, रक्त और मांस, ये तिर्यंच के ६० हाथ

के भीतर हो। मनुष्य के हो तो १०० हाथ के भीतर हो। मनुष्य की हड्डी यदि जली या धुली न हो तो १२ वर्ष तक।

१४ अशुचि की दुर्गन्ध आवे या दिखाई दे तबतक

१५ श्मशान भूमि— सौ हाथ से कम दूर हो तो

१६ चन्द्रग्रहण—खंड ग्रहण में ८ प्रहर, पूर्ण होतो १२ प्रहर

१७ सूर्य ग्रहण " १२ " १६ "

१८ राजा का अवसान होने पर, जबतक नया राजा घोषित न हो

१९ युद्ध स्थान के निकट जबतक युद्ध चले

२० उपाश्रय में पंचेंद्रिय का शव पड़ा हो, जबतक पड़ा रहे

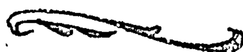
२१–२५ आषाढ़, भाद्रपद, आश्विन, कातिक और चैत्र की पूर्णिमा दिन रात

२६–३० इन पूर्णिमा के बाद की प्रतिपदा "

३१–३४ प्रातः, मध्यान्ह, संध्या और अर्द्ध रात्रि १-१ मुहूर्त

उपरोक्त अस्वाध्याय को टालकर स्वाध्याय करना चाहिए। खुले मुँह नहीं बोलना तथा दीपक के उजाले में नहीं वांचना चाहिए।

नोट— मेघ गर्जनादि में अकाल, आर्द्रा नक्षत्र से पूर्व और स्वाति के बाद का माना गया है।



अंग-पविट्ठ सुत्ताणि

आयारो

पढमं अज्झयणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं ।। १ ।। इह-मेगेसिं णो सण्णा भवइ, तंजहा पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि ! दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि ! अहो दिसाओ वा आगओ अहमंसि ! अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि ! एवमेगेसिं णो णायं भवइ. अत्थि मे आया उववाइए, णत्थि मे आया उववाइए, के अहं आसि ! के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि ।। २ ।। से जं पुण जाणेज्जा सहसंमइयाए, परवागरणेणं, अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा, तंजहा—पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, जाव अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि, एवमेगेसिं जं णायं भवइ, अत्थि मे आया उववाइए, जो इमाओ-दिसाओ अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ सोहं । से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई ।। ३ ।। अकरिंसु चऽहं कारवेंसु चऽहं करओ यावि समणुण्णे भविस्सामि; एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ।। ४ ।। अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ सहेइ, अणेगरूवाओ जोणिओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ।। ५ ।। तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया ।। ६ ।। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं ।। ७ ।। एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ।। ८ ।। जस्सेते लोगंसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे-त्ति बेमि ।।९।। **पढमं अज्झयणं पढमो उद्देसो ।।**

[illegible]

[illegible] ॥ १४॥ से बेमि—अप्पेगे अंधमब्भे, अप्पेगे अंधमच्छे, अप्पेगे पायमब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, अप्पेगे गुप्फमच्छे, अप्पेगे जंघमब्भे, अप्पेगे जंघमच्छे, अप्पेगे जाणुमब्भे, अप्पेगे जाणुमच्छे, अप्पेगे ऊरुमब्भे, अप्पेगे ऊरुमच्छे, अप्पेगे कडिमब्भे, अप्पेगे कडिमच्छे, अप्पेगे णाभिमब्भे, अप्पेगे णाभिमच्छे, अप्पेगे उयरमब्भे, अप्पेगे उयरमच्छे, अप्पेगे पासमब्भे, अप्पेगे पासमच्छे, अप्पेगे पिट्ठमब्भे, अप्पेगे पिट्ठमच्छे, अप्पेगे उरमब्भे, अप्पेगे उरमच्छे, अप्पेगे हिययमब्भे, अप्पेगे हिययमच्छे, अप्पेगे थणमब्भे, अप्पेगे थणमच्छे, अप्पेगे खंधमब्भे, अप्पेगे खंधमच्छे, अप्पेगे बाहुमब्भे, अप्पेगे बाहुमच्छे, अप्पेगे हत्थमब्भे, अप्पेगे हत्थमच्छे, अप्पेगे अंगुलिमब्भे, अप्पेगे अंगुलिमच्छे, अप्पेगे णहमब्भे, अप्पेगे णहमच्छे, अप्पेगे गीवमब्भे, अप्पेगे गीवमच्छे, अप्पेगे हणुमब्भे, अप्पेगे हणुमच्छे, अप्पेगे होट्ठमब्भे, अप्पेगे होट्ठमच्छे, अप्पेगे दंतमब्भे, अप्पेगे दंतमच्छे, अप्पेगे जिब्भमब्भे, अप्पेगे जिब्भमच्छे, अप्पेगे तालुमब्भे, अप्पेगे तालुमच्छे, अप्पेगे गलमब्भे, अप्पेगे गलमच्छे, अप्पेगे गंडमब्भे, अप्पेगे गंडमच्छे, अप्पेगे कण्णमब्भे, अप्पेगे कण्णमच्छे, अप्पेगे णासमब्भे, अप्पेगे णासमच्छे, अप्पेगे अच्छिमब्भे, अप्पेगे अच्छिमच्छे, अप्पेगे भमुहमब्भे, अप्पेगे भमुहमच्छे, अप्पेगे णिडालमब्भे, अप्पेगे णिडालमच्छे, अप्पेगे सीसमब्भे, अप्पेगे सीसमच्छे,

[illegible] ॥ १८ ॥ [illegible]

[illegible]

॥ १९ ॥ [illegible] पढमं अज्झयणस्स बीओ उद्देसो ;

से बेमि, [illegible]

[illegible]

सत्थं समारंभंतेऽवि अण्णे ण समणुजाणेज्जा, जस्सेते उदयसत्थसमारंभा परिण्
भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥२७॥ **पढमं अज्झयणं तइओद्देसो**

से बेमि-णेव सयं लोयं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा, जे
अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से
अब्भाइक्खइ ॥२८॥ जे दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे; जे अ
त्थस्स खेयण्णे, से दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे ॥२९॥ वीरेहिं एयं अभिभूय दि
संजएहिं सया जत्तेहिं सया अप्पमत्तेहिं ॥३०॥ जे पमत्ते गुणट्ठिए से हु दंडे
पवुच्चइ। तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासी पमाएणं ॥३
लज्जमाणा पुढो पास-अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थे
अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे, अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिं
॥३२॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंद
माणणपूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव अगणिस
समारंभइ, अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारंभावेइ अण्णेवा अगणिसत्थं समारंभमा
समणुजाणइ। तं से अहियाए तं से अबोहिए ॥३३॥ से तं संबुज्झमाणे आय
णीयं समुट्ठाय सोच्चा, खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ
एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढि
लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाण
अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥३४॥ से बेमि, संति पाणा, पुढविणिस्सिया
तणणिस्सिया, पत्तणिस्सिया, कट्ठणिस्सिया, गोमयणिस्सिया; कयवरणिस्सिया;
सन्ति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति। अगणिं च खलु पुट्ठा, एगे संघायमा-
वज्जंति, जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति ते
तत्थ उद्दायंति ॥३५॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति
एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥३६॥ तं परिण्णाय
मेहावी णेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा,
अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे न समणुजाणेज्जा। जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा
परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥३७॥ **चउत्थोद्देसो** ॥

तं णो करिस्सामि समुट्ठाए मंता मइमं, अभयं विइत्ता, तं जे णो करए, एसो-

परए, एगओ रए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ॥३८॥ जे गुणे से आवट्टे जे आव
से गुणे ॥३९॥ उड्ढं-अहं-तिरियं-पाईणं पासमाणे रूवाइं पासइ, सुणमाणे सद्द
सुणइ, उड्ढं-अहं-तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छति, सद्देसु यावि एस लो
वियाहिए। एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाए वंकसमायारे पमत्तेऽगार
मावसे ॥४०॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिण
विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अण्णे
अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥४१॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स
चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउं
से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे
वा वणस्सइसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ, तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥४२॥
से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इह
मेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए।
इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं
समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥४३॥ से वेमि—इमंपि जाइधम्मयं,
एयंपि जाइधम्मयं, इमंपि वुड्ढिधम्मयं एयंपि वुड्ढिधम्मयं; इमंपि चित्तमंतयं एयंपि
चित्तमंतयं; इमंपि छिण्णं मिलाति, एयंपि छिण्णं मिलाति; इमंपि आहारगं, एयंपि
आहारगं; इमंपि अणिच्चयं, एयंपि अणिच्चयं; इमंपि असासयं, एयंपि असासयं;
इमंपि चयावचइयं, एयंपि चयावचइयं; इमंपि विपरिणामधम्मयं, एयंपि
विपरिणामधम्मयं ॥४४॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया
भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति। तं परि-
ण्णाय मेहावी णेव सयं वणस्सइसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं वणस्सइसत्थं समारं-
भावेज्जा, णेवण्णे वणस्सइसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते वणस्सइसत्थ-
समारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति वेमि ॥४५॥

पढमं अज्झयणं पंचमोद्देसो ॥

से वेमि, संतिमे तसा पाणा, तंजहा—अंडया, पोयया, जराउया, रसया, संसेयया,
संमुच्छिमा, उब्भियया, उववाइया, एस संसारेत्ति पवुच्चइ, मंदस्साबियाणओ
॥४६॥ णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाणं, सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं,

सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, अस्सायं अपरिणिव्वाणं, महब्भयं दुक्खं ति बेमि ॥४७॥ तसंति पाणा पदिसो दिसासु य। तत्थ तत्थ पुढो पास, आउरा परितावेंति। संति पाणा पुढो सिया ॥४८॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥४९॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा तसकायसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ; तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥५०॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥५१॥ से बेमि—अप्पेगे अच्चाए वहंति, अप्पेगे अजिणाए वहंति अप्पेगे मंसाए वहंति, अप्पेगे सोणियाए वहंति, एवं हिययाए, पित्ताए, वसाए-पिच्छाए-पुच्छाए-वालाए-सिंगाए-विसाणाए-दंताए-दाढाए-णहाए-ण्हारुणीए-अट्ठीए-अट्ठिमिंजाए-अट्ठाए-अणट्ठाए- अप्पेगे हिंसिंसु मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसंति मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसिस्संति मेत्ति वा वहंति ॥५२॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥५३॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं तसकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं तसकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे तसकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेए तसकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥५४॥ **इइ छट्ठोद्देसो ।**

पहू एजस्स दुगंछणाए, आयंकदंसी अहियंति णच्चा। जे अज्झत्थं जाणइ, से बहिया जाणइ, जे बहिया जाणइ, से अज्झत्थं जाणइ। एयं तुलमण्णेसिं। इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ॥५५॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं, वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥५६॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से

सयमेव वाउसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेइ अण्णे वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणइ, तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥ ५७ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ— एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५८ ॥ से बेमि, संति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति य फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति । जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति, ते तत्थ उद्दायंति ॥ ५९ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेए वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६१ ॥ एत्थं पि जाण उवाईयमाणा जे आयारे ण रमंति, आरंभमाणा विणयं वयंति, छंदोवणीया, अज्झोववण्णा, आरंभसत्ता पकरेंति संगं ॥ ६२ ॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं णो अण्णेसिं ॥ ६३ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेए छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६४ ॥ **सत्तमोद्देसो ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ लोगविजओ णामं बीयं अज्झयणं ॥

जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे, इइ से गुणट्ठी महया परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते, तंजहा—माया मे, पिया मे, भाया मे, भइणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धूया मे, ण्हुसा मे, सहि-सयण-संगंथ-संथुया मे, विवित्तोवगरण-परियट्टण-भोयण-च्छायणं मे, इच्चत्थं गढिए लोए वसे पमत्ते ॥ ६५ ॥ अहो य राओ य परितप्पमाणे, कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ॥ ६६ ॥ अप्पं च खलु आउयं इहमेगेसिं माणवाणं; तंजहा—सोयपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, चक्खुपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, घाणपरिण्णाणेहिं

परिहायमाणेहिं, रसणापरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, फासपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयइ ॥६ जेहिं वा सद्धिं संवसइ, तेविणं एगया णियगा पुव्विं परिवयंति। सो वा ते णिय पच्छा परिवएज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा। तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा, सरणाए वा। से ण हस्साए, ण किड्डाए, ण रईए, ण विभूसाए ॥६८ इच्चेवं समुट्ठिए अहोविहाराए अंतरं च खलु इमं संपेहाए धीरे मुहुत्तमवि णो पमायए। वओ अच्चेइ जोव्वणं च ॥६९॥ जीविए इह जे पमत्ता। से हंता, छेत्ता, भेत्ता, लुंपित्ता, विलुंपित्ता, उद्दवित्ता, उत्तासइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे ॥७०॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं पोसेंति, सो वा ते णियगे पच्छा पोसिज्जा। णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा। तुमंपि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७१॥ उवाइयसेसेण वा संणिहिसंणिचओ किज्जइ, इहमेगेसिं असंजयाणं भोयणाए। तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥७२॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरिज्जा। णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७३॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं, अणभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए, खणं जाणाहि पंडिए ॥७४॥ जाव सोयपण्णाणा अपरिहीणा, णेत्तपण्णाणा अपरिहीणा, घाणपण्णाणा अपरिहीणा, जीहपण्णाणा अपरिहीणा, फरिसपण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेएहिं विरूवरूवेहिं पण्णाणेहिं अपरिहायमाणेहिं आयट्ठं सम्मं समणुवासिज्जासि त्ति बेमि ॥७५॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

अरइं आउट्टे से मेहावी; खणंसि मुक्के ॥७६॥ अणाणाए पुट्ठा वि एगे णियट्टंति मंदा मोहेण पाउडा ॥७७॥ "अपरिग्गहा भविस्सामो" समुट्ठाए लद्धे कामे अभिगाहइ, अणाणाए मुणिणो, पडिलेहंति, एत्थ मोहे पुणो-पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो पाराए ॥७८॥ विमुक्का हु ते जणा, जे जणा पारगामिणो लोभं अलोभेण दुगंछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ, विणावि लोभं णिक्खम्म एस अकम्मे जाणइ पासइ। पडिलेहाए णावकंखइ, एस अणगारित्ति पवुच्चइ ॥७९॥ अहो य राओ परितप्पमाणे कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ, सत्थे पुणो-पुणो ॥८०॥ से आयबले, से णाइबले, से सयणबले,

से मित्तबले, से पिच्चबले, से देवबले, से रायबले, से चोरबले, से अतिहिबले, से किविणबले, से समणबले, इच्चेएहिं विरूवरूवेहिं कज्जेहिं दंडसमायाणं संपेहाए भया कज्जइ। पावमुक्खुत्ति मण्णमाणे अदुवा आसंसाए ॥८१॥ तं परिण्णाय मेहावी, णेव सयं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभिज्जा, णेवण्णं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभाविज्जा, एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभंतंपि अण्णं ण समणुजाणिज्जा ॥८२॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेइए, जहेत्थ कुसले णोवलिंपिज्जासि त्ति बेमि ॥८३॥ **बीअं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

से असइं उच्चागोए, असइं णीयागोए। णो हीणे, णो अइरित्ते णोऽपीहए, इइ संखाए को गोयावाई? को माणावाई? कंसि वा एगे गिज्झे? ॥८४॥ तम्हा पंडिए णो हरिसे, णो कुप्पे, भूएहिं जाण पडिलेह सायं, समिए एयाणुपस्सी, तंजहा—अंधत्तं, बहिरत्तं, मूयत्तं, काणत्तं, कुंटत्तं, खुज्जत्तं, वडभत्तं, सामत्तं, सबलत्तं सहपमाएणं, अणेगरूवाओ जोणीओ, संधायइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥८५॥ से अबुज्झमाणे हओवहए जाइमरणमणुपरियट्टमाणे ॥८६॥ जीवियं पुढो पियं इहमेगेसिं माणवाणं खित्तवत्थुममायमाणाणं ॥८७॥ आरत्तं विरत्तं मणिकुंडलं, सह हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झ तत्थेव रत्ता ॥८८॥ "ण इत्थ तवो वा, दमो वा, णियमो वा, दिस्सइ," संपुण्णं बाले जीविउकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियासमुवेइ ॥८९॥ इणमेव णावकंखंति, जे जणा धुवचारिणो; जाइमरणं परिण्णाय, चरे संकमणे दढे ॥९०॥ णत्थि कालस्स णागमो ॥९१॥ सव्वे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खपडिकूला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकामा ॥९२॥ सव्वेसिं जीवियं पियं ॥९३॥ तं परिगिज्झ दुपयं चउप्पयं अभिजुंजिया णं, संसिंचियाणं, तिविहेण जा वि से तत्थ मत्ता भवइ—अप्पा वा बहुगा वा से तत्थ गढिए चिट्ठइ, भोयणाए ॥९४॥ तओ से एगया विविहं परिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवइ। तंपि से एगया दायाया वा विभयंति, अदत्तहारो वा से अवहरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥९५॥ इइ से परस्सअट्ठाए कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण संमूढे विप्परियासमुवेइ ॥९६॥ मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥९७॥ अणोहंतरा एए, णोय ओहं तरित्तए, अतीरंगमा एए, णोयतीरं गमित्तए। अपारंगमा एए णोय पारं गमित्तए

॥९८॥ आयाणिज्जं च आयाय, तंमि ठाणे ण चिट्ठइ । वितहं पप्प खेयन्ने तंमि ठाणंमि चिट्ठइ ॥९९॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥१००॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि ॥१०१॥ **बीअं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥**

तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥१०२॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियया पुव्विं परिवयंति । सो वा ते णियगे पच्छा परिवएज्जा । णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥१०३॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥१०४॥ भोगा मेव अणुसोयंति इहमेगेसिं माणवाणं, तिविहेण, जावि से तत्थ मत्ता भवइ—अप्पा वा, बहुगा वा, से तत्थ गढिए चिट्ठइ; भोयणाए ॥१०५॥ तओ से एगया विपरिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवइ, तंपि से एगया दायाया विभयंति, अदत्तहारो वा से हरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥१०६॥ इइ से बाले परस्स अट्ठाए कूराणि कम्माणि पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ ॥१०७॥ आसं च छंदं च विगिंच धीरे ॥१०८॥ तुमं चेव तं सल्लमाहट्टु ॥१०९॥ जेण सिया तेण णो सिया ॥११०॥ इणमेव णावबुज्झंति, जे जणा मोहपाउडा ॥१११॥ थीभि लोए पव्वहिए, ते भो वयंति–"एयाइं आययणाइं ॥११२॥ से दुक्खाए-मोहाए-माराए-णरगाए-णरगतिरिक्खाए ॥११३॥ सततं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥११४॥ उदाहु वीरे, अप्पमाओ महामोहे ॥११५॥ अलं कुसलस्स पमाएणं, संति मरणं संपेहाए, भेउरधम्मं संपेहाए ॥११६॥ णालं पास अलं तव एएहिं, एयं पास मुणी ? महब्भयं ॥११७॥ णाइवाइज्ज कंचणं ॥११८॥ एस वीरे पसंसिए जे ण णिविज्जइ आयाणाए ॥११९॥ "ण मे देइ" ण कुप्पिज्जा, थोवं लद्धुं ण खिंसए, पडिसेहिओ परिणमिज्जा ॥१२०॥ एयं मोणं समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥१२१॥ **बीअं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं लोगस्स कम्मसमारंभा कज्जंति, तंजहा—अप्पणो से पुत्ताणं, धूयाणं, सुण्हाणं णाईणं, धाईणं, राईणं, दासाणं, दासीणं, कम्मकराणं

कम्मकरीणं, आएसाए, पुढो पहेणाए, सामासाए, पायरासाए, संणिहि-संणिचओ कज्जइ, इह मेगेसिं माणवाणं भोयणाए ॥१२२॥ समुट्ठिए अणगारे आरिए आरियपण्णे, आरियदंसी, अयंसंधित्ति, अदक्खु, से णाइए, णाइआवए, णाइयंते समणुजाणइ ॥१२३॥ सव्वामगंधं परिण्णाय णिरामगंधो परिव्वए ॥१२४॥ अदिस्समाणे कयविक्कएसु; से ण किणे, ण किणावए, किणंतं ण समणुजाणइ ॥१२५॥ से भिक्खु कालण्णे-बलण्णे-मायण्णे-खेयण्णे-खणयण्णे-विणयण्णे-ससमयण्णे-परसमयण्णे-भावण्णे-परिग्गहं अममायमाणे, कालाणुट्ठाई, अपडिण्णे दुहओ छेत्ता, णियाइ ॥१२६॥ वत्थं-पडिग्गहं-कंबलं-पायपुंछणं-उग्गहं च कडासणं, एएसु चेव जाणेज्जा ॥१२७॥ लद्धे आहारे, अणगारो मायं जाणेज्जा से जहेयं भगवया पवेइयं ॥१२८॥ लाभुत्ति ण मज्जिज्जा, अलाभुत्ति ण सोइज्जा, बहुंपि लद्धुं ण णिहे, परिग्गहाओ अप्पाणं अवसक्किज्जा, अण्णहा णं पासए परिहरिज्जा ॥१२९॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेइए, जहित्थ कुसले णोवलिंपिज्जासित्ति बेमि ॥१३०॥ कामा दुरइक्कमा, जीवियं दुप्पडिवूहणं; कामकामी खलु अयं पुरिसे, से सोयइ, जूरइ, तिप्पइ, पिड्डइ; परितप्पइ ॥१३१॥ आययचक्खू लोगविपस्सी लोगस्स अहो भागं जाणइ, उड्ढं भागं जाणइ, तिरियंभागं जाणइ ॥१३२॥ गढिए लोए अणुपरियट्टमाणे, विइत्ता इह मच्चिएहिं, एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए ॥१३३॥ जहा अंतो तहा बाहिं जहा बाहिं तहा अंतो ॥१३४॥ अंतो-अंतो पूइदेहंतराणि पासइ पुढोवि सवंताइं पंडिए पडिलेहाए ॥१३५॥ से मइमं परिण्णाय माय हु लालं पच्चासी, मा तेसु तिरिच्छमप्पाणमावायए ॥१३६॥ कासंकासे खलु अयं पुरिसे, बहुमाई, कडेण मूढे, पुणो तं करेइ लोहं वेरं वड्ढेइ अप्पणो ॥१३७॥ जमिणं परिकहिज्जइ इमस्स चेव पडिवूहणयाए अमरायइ महासड्ढी अट्टमेयं तु पेहाए ॥१३८॥ अपरिण्णाए कंदइ से तं जाणह जमहं बेमि ॥१३९॥ ते इच्छं पंडिए पवयमाणे, से हंता, छित्ता, भित्ता, लुंपइत्ता, विलुंपइत्ता उद्दवइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे, जस्सवि य णं करेइ, अलं बालस्स संगेणं, जे वा से कारइ बाले, ण एवं अणगारस्स जायइत्ति बेमि ॥१४०॥

बीअं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥

से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए तम्हा पावकम्मं णेव कुज्जा, ण कार-

वेज्जा ॥१४१॥ सिया तत्थएगयरं विप्परामुसइ, छसु अण्णयरंसि, कप्पइ ॥१४२॥ सुहट्ठी लालप्पमाणे सएण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ। सएण विप्पमाएण पुढं वयं पकुव्वइ, जंसि मे पाणा पव्वहिया, पडिलेहाए णो णिकरणयाए एस परिण्णा पवुच्चइ कम्मोवसंती ॥१४३॥ जे ममाइयमइं जहाइ से चयइ ममाइयं से हु दिट्ठपहे मुणी जस्स, णत्थि ममाइयं ॥१४४॥ तं परिण्णाय मेहावी विइत्ता लोगं वंता लोगसण्णं से मइमं परिक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥१४५॥ णारइं सहते वीरे, वीरे णो सहते रइं जम्हा अविमणे वीरे, तम्हा वीरे ण रज्जइ ॥१४६॥ सद्दे फासे अहियासमाणे, णिव्विंद णंदिं इह जीवियस्स ॥१४७॥ मुणी मोणं समायाय, धुणे कम्मसरीरगं; पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥१४८॥ एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते, विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥१४९॥ दुव्वसुमुणी अणाणाए, तुच्छए गिलाइ वत्तए ॥१५०॥ एस वीरे पसंसिए, अच्चेइ लोयसंजोयं, ॥१५१॥ एस णाए पवुच्चइ, जं दुक्खं पवेइयं इह माणवाणं, तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति ॥१५२॥ इइ कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥१५३॥ जे अणण्णदंसी से अणण्णारामे, जे अणण्णारामे से अणण्णदंसी ॥१५४॥ जहा पुण्णस्स कत्थइ तहा तुच्छस्स कत्थइ जहा तुच्छस्स कत्थइ तहा पुण्णस्स कत्थइ ॥१५५॥ अविय हणे अणाइयमाणे। एत्थंपि जाण, सेयंति णत्थि ॥१५६॥ केयं पुरिसे कं च णए। एस वीरे पसंसिए, जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु ॥१५७॥ से सव्वओ सव्वपरिण्णाचारी ण लिप्पइ छणपएण, वीरे ॥१५८॥ से, मेहावी ... यणस्सखेयण्णे जे य बंधपमुक्खमण्णेसी ॥१५९॥ कुसले पुण णो बद्धे, णो मुक्के ॥ १६० ॥ से जं च आरभे जं च णारभे। अणारद्धं च ण आरभे ॥ १६१ ॥ छणं परिण्णाय लोगसण्णं च सव्वसो ॥ १६२ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १६३ ॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि ॥ १६४ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥ लोगविजय णाम बीअमज्झयणं समत्तं ॥**

—सीओसणिज्जं णाम तइयं अज्झयणं—

सुत्ता अमुणी सया मुणिणो सया जागरंति ॥१६५॥ लोयंसि जाण अहियाय

दुक्खं ॥ १६६ ॥ समयं लोगस्स जाणित्ता, इत्थ सत्थोवरए ॥ १६७ ॥ जस्सिमे सद्दा य-रूवा य-गंधा य-रसा य-फासा य-अभिसमण्णागया भवंति, से आयवं-णाणवं-वेयवं-धम्मवं-बंभवं-पण्णाणेहिं परियाणइ लोयं मुणीत्ति वच्चे धम्मविउत्ति अंजू आवट्ट-सोए संगमभिजाणइ सीउसिणच्चाई, से णिग्गंथे, अरइरइसहे फरुसयं णो वेएइ जागर-वेरोवरए-वीरे एवं दुक्खा पमुक्खसि ॥ १६८ ॥ जरामच्चुवसोवणीए णरे सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥१६९॥ पासिय आउरे पाणे अप्पमत्तो परिव्वए ॥१७०॥ मंता एयं; मइमं-पास ॥१७१॥ आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, माई पमाई पुण-एइ गब्भं; उवेहमाणो सद्दरूवेसु अंजू, माराभिसंकी मरणा पमुच्चइ ॥१७२॥ अप्पमत्तो कामेहिं, उवरओ पावकम्मेहिं, वीरे आयगुत्ते जे खेयण्णे ॥१७३॥जे पज्जवजायस-त्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे; जे असत्थस्स खेयण्णे, से पज्जवजाय सत्थस्स खेयण्णे ॥१७४॥ अकम्मस्स ववहारो ण विज्जइ, कम्मुणा उवाही जायइ ॥१७५॥ कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूलं च जं छणं ॥१७६॥ पडिलेहिय, सव्वं समायाय दोहिं अंतेहिं अदिस्समाणे ॥१७७॥ तं परिण्णाय मेहावी विइत्ता लोगं, वंता लोगसण्णं से मइमं परक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥१७८॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जाइं च वुड्ढिं च इहज्ज पासे, भूएहिं सायं पडिलेह जाणे । तम्हाऽतिविज्जो परमंति णच्चा, संमत्तदंसी ण करेइ पावं ॥१७९॥ उम्मुंच पासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी । कामेसु गिद्धा णिचयं करंति । संसिच्चमाणा पुणरिंति गब्भं ॥१८०॥ अवि से हासमासज्ज, हंता णंदीति मण्णइ । अलं बालस्स संगेणं वेरं वड्ढेइ अप्पणो॥१८१॥तम्हा–तिविज्जो परमंति णच्चा, आयंकदंसी ण करेइ पावं ॥१८२॥ अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे, पलिच्छिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥१८३॥ एस मरणा पमुच्चइ से हु दिट्ठभए मुणी, लोयंसी परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिए सहिए सयाजए कालकंखी परिव्वए ॥१८४॥ बहुं च खलु पावकम्मं पगडं, सच्चंमि धिइं कुव्वहा, एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावकम्मं झोसेइ ॥१८५॥ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे से केयणं अरिहए पूरइत्तए से अण्णवहाए, अण्ण-परियावाए, अण्णपरिग्गहाए, जणवयवहाए, जणवयपरियावाए, जणवयपरि-ग्गहाए ॥१८६॥आसेवित्ता एयमट्ठं इच्चेवेगे समुट्ठिया, तम्हा तं बिइयं णो सेवे णिस्सारं पासिय णाणी ॥१८७॥ उववायं चवणं णच्चा, अणण्णं चर माहणे ॥१८८॥ से ण छणे ण छणावए, छणंतं णाणुजाणए ॥१८९॥ णिव्विंद णंदिं अरए पयासु

अणोमदंसी णिसण्णे पावेहिं कम्मेहिं ॥१९०॥ कोहाइमाणं हणिया य वीरे लोभस्स पासे णिरयं महंतं। तम्हा य वीरे विरए वहाओ, छिंदिज्ज सोयं लहुभूयगामी ॥१९१॥ गंथं परिण्णाय इहज्ज वीरे, सोयं परिण्णाय चरिज्ज दंते। उम्मज्ज लद्धुं इह माणवेहिं, णो पाणिणं पाणे समारभिज्जासि—त्ति बेमि ॥ १९२॥

तइयं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥

संधिं लोगस्स जाणित्ता ॥ १९३ ॥ आयओ बहिया पास, तम्हा ण हंता ण विघायए ॥१९४॥ जमिणं अण्णमण्णवितिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं किं तत्थ मुणी कारणं सिया ? समयं तत्थुवेहाए अप्पाणं विप्पसायए ॥१९५॥ अणण्णपरमं णाणी णो पमाए कयाइवि। आयगुत्ते सया धीरे, जायामायाइ जावए ॥१९६॥ विरागं रूवेहिं गच्छिज्जा महया खुड्डएहिं वा ॥१९७॥ आगइं गइं परिण्णाय दोहिंवि अंतेहिं अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्जइ ण हम्मइ कंचणं सव्वलोए ॥१९८॥ अवरेण पुव्विं ण सरंति एगे, किमस्सतीतं ! किंवाऽऽगमिस्सं ? भासंति एगे इह माणवाओ. जमस्सतीतं तं आगमिस्सं ॥१९९॥ णाईयमट्ठं णय आगमिस्सं, अट्ठं णिअच्छंति तहागया उ; विहूयकप्पे एयाणुपस्सी; णिज्झोसइत्ता खवए महेसी ॥२००॥ का अरई ? के आणंदे ? एत्थंपि अग्गहे चरे। सव्वं हासं परिच्चज्ज, अलीणगुत्तो परिव्वए ॥२०१॥ पुरिसा ! तुममेव तुमं मित्तं, किं बहिया मित्तमिच्छसि ? ॥२०२॥ जं जाणिज्जा उच्चालइयं तं जाणिज्जा दूरालइयं, जं जाणिज्जा दूरालइयं तं जाणेज्जा उच्चालइयं ॥ २०३॥ पुरिसा ! अत्ताणमेवं अभिणिगिज्झ एवं दुक्खा पमुच्चसि ॥ २०४ ॥ पुरिसा ! सच्चमेव समभिजाणाहि, सच्चस्साणाए से उवट्ठिए मेहावी मारं तरइ सहिओ धम्ममायाय सेयं समणुपस्सइ ॥ २०५ ॥ दुहओ, जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जंसि एगे पमायंति ॥२०६॥ सहिओ दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झंझाए; पासिमं दविए लोए लोयालोयपवंचाओ मुच्चइ त्ति बेमि ॥ २०७ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

से वंता कोहं च, माणं च, मायं च, लोभं च, एयं पासगस्स दंसणं, उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स आयाणं सगडब्भि ॥ २०८ ॥ जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ ॥२०९॥ सव्वओ पमत्तस्स भयं, सव्वओ अप्पमत्तस्स णत्थि भयं ॥२१०॥ जे एगं णामे से बहुं णामे,

जे बहुं णामे से एगं णामे ॥२११॥ दुक्खं लोगस्स जाणित्ता, वंता लोगस्स संजोगं, जंति वीरा महाजाणं, परेण परं जंति णावकंखंति जीवियं ॥२१२॥ एगं विगिंचमाणे पुढो विगिंचइ पुढोविगिंचमाणे एगं विगिंचइ ॥ २१३ ॥ सड्ढी आणाए मेहावी ॥२१४॥ लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुओभयं ॥ २१५ ॥ अत्थि सत्थं परेण परं, णत्थि असत्थं परेण परं ॥ २१६ ॥ जे कोहदंसी से माणदंसी, जे माणदंसी से मायादंसी, जे मायादंसी से लोभदंसी, जे लोभदंसी से पिज्जदंसी, जे पिज्जदंसी से दोसदंसी, जे दोसदंसी से मोहदंसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी जे गब्भदंसी से जम्मदंसी, जे जम्मदंसी से मारदंसी, जे मारदंसी से णरयदंसी, जे णरयदंसी से तिरियदंसी, जे तिरियदंसी से दुक्खदंसी ॥२१७॥ से मेहावी अभिणिवट्टिज्जा, कोहं च-माणं च-मायं च-लोहं च-पिज्जं च-दोसं च-मोहं च-गब्भं च-जम्मं च-मरणं च-णरयं च-तिरियं च-दुक्खं च एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्सपलियंतकरस्स ॥२१८॥ आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि ॥२१९॥ किमत्थि ओवाही पासगस्स ? ण विज्जइ ? णत्थि त्ति बेमि ॥२२०॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ सीओसणीयं णाम तइयज्झयणं समत्तं ॥**

॥ सम्मत्तं णाम चउत्थं अज्झयणं ॥

से बेमि—जे य अईया, जे य पडुप्पण्णा, जे य आगमिस्सा अरहंता भगवंतो ते सव्वे, एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पण्णविंति, एवं परूविंति—सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेतव्वा ण परियावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा ॥२२१॥ एस धम्मे सुद्धे, णिइए-सासए-समिच्च लोयं खेयण्णेहिं पवेइए, तंजहा—उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा, उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा, उवरयदंडेसु वा, अणुवरयदंडेसु वा, सोवहिएसु वा, अणुवहिएसु वा, संजोगरएसु वा, असंजोगरएसु वा॥२२२॥तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ ॥२२३॥ तं आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे, जाणित्तु धम्मं जहा तहा ॥२२४॥ दिट्ठेहिं णिव्वेयं गच्छिज्जा ॥२२५॥ णो लोगस्सेसणं चरे ॥२२६॥ जस्स णत्थि इमा णाई अण्णा तस्स कओ सिया ? ॥२२७॥ दिट्ठं सुयं मयं विण्णायं, जं एयं परिकहिज्जइ ॥२२८॥ समेमाणा पलेमाणा पुणो पुणो जाइं पकप्पंति ॥२२९॥ अहो य राओ य जयमाणे धीरे सया आगयपण्णाणे, पमत्ते बहिया पास अप्पमत्ते सया परक्कमिज्जासि त्ति

बेमि ॥२३०॥ **चउत्थं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा ॥२३१॥ जे अणास
ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २३२ ॥ एए पए संबुज्झमाणे लो
च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइयं ॥२३३॥ आघाइ णाणी इह माणवा
संसारपडिवण्णाणं संबुज्झमाणाणं विण्णाणपत्ताणं, अट्टावि संता अदुवा पमत्ता, अ
सच्चमिणंत्ति–बेमि ॥ २३४ ॥ णाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वंक
णिकेया कालग्गहीआ णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइं पकप्पयंति ॥ २३५ ॥ इ
मेगेसिं तत्थ-तत्थ संथवो भवइ। अहोववाइए फासे पडिसंवेदयंति ॥ २३६ ॥ चि
कूरेहिं कम्मेहिं, चिट्ठं परिचिट्ठइ; अचिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठइ ॥२३
एगे वयंति अदुवावि णाणी, णाणी वयंति अदुवावि एगे ॥ २३८ ॥ आवंती केय
वंती लोयंसि समणा य माहणा य पुढो विवायं वयंति, "से दिट्ठं च णे, सुयं च
मयं च णे, विण्णायं च णे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सुपडिलेहियं च
सव्वे पाणा, सव्वे जीवा, सव्वे भूया, सव्वे सत्ता हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्
परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा । एत्थं पि जाणह, णत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयण
॥२३९॥ तत्थ जे ते आरिया, ते एवं वयासी—"से दुद्दिट्ठं च भे, दुस्सुयं च
दुम्मयं च भे, दुव्विण्णायं च भे, उड्ढं अहे तिरियंदिसासु सव्वओ दुप्पडिलेहियं
भे; जं णं तुब्भे एवमाइक्खह, एवं भासह, एवं पण्णवेह एवं परूवेह सव्वे पा
सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वेसत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेतव्वा-परियावेयव्
उद्दवेयव्वा एत्थवि जाणह णत्थित्थ दोसो।" अणारियवयणमेयं।२४०। वयं पुण एव
माइक्खामो एवं भासामो, एवं पण्णवेमो, एवं परूवेमो, "सव्वे पाणा, सव्वे जीव
सव्वे भूया, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेतव्वा, ण परियावेयव्वा
ण उद्दवेयव्वा, एत्थवि जाणइ, णत्थित्थ दोसो ।" आरियवयणमेयं ॥ २४१ ॥ पुव्
णिकायसमयं, पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो, हं भो पवादुया ! किं भे सायं दुक्खं उदाहु
असायं ? समिया पडिवण्णे यावि एवं बूया—सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं,
सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असायं, अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं त्ति
बेमि ॥२४२॥ **चउत्थं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

उवेहे णं बहिया य लोयं, से सव्वलोयंमि जे केइ विण्णू ॥२४३॥ अणुवीइ

जाव, णिक्खित्तदंडा जे इह मच्चा पावेहिं कम्मेहिं, णरे मुयच्चा धम्मविउत्ति अंजू ; आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, एवमाहु समत्तदंसिणो ॥२४४॥ ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति, इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥२४५॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, एगमप्पाणं संपेहाए धुणे सरीरं ॥२४६॥ कसेहि अप्पाणं, जरेहि अप्पाणं ॥२४७॥ जहा जुण्णाइं कट्ठाइं हव्ववाहो पमत्थइ, एवं अत्तसमाहिए अणिहे ॥२४८॥ विगिंच कोहं अविकंपमाणे, इमं णिरुद्धाउयं संपेहाए ॥२४९॥ दुक्खं च जाण अदुवाऽऽगमेस्सं, पुढो फासाइं च फासे, लोयं च पास, विप्फंदमाणं ॥२५०॥ जे णिव्वुडा, पावेहिं कम्मेहिं अणिदाणा ते वियाहिया ॥२५१॥ तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसंजलिज्जासि त्ति बेमि॥२५२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

आवीलए पवीलए णिप्पीलए, जहित्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं ॥२५३॥ तम्हा अविमणे वीरे, सारए समिए सहिए सया जए ॥२५४॥ दुरणुचरो मग्गो वीराणं अणियट्टगामीणं ॥२५५॥ विगिंच मंससोणियं, एस पुरिसे दविए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए, जे धुणाइ समुस्सयं वसित्ता बंभचेरंसि ॥२५६॥ णेत्तेहि पलिछिण्णेहिं आयाणसोयगढिए बाले, अव्वोच्छिण्णबंधणे अणभिक्कंतसंजोए । तमंसि अवियाणओ आणाए लंभो णत्थि-त्ति बेमि ॥२५७॥ जस्स णत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया ? ॥२५८॥ से हु पण्णाणमंते बुद्धे आरंभोवरए, सम्ममेयंति पासह, जेण बंधं वहं घोरं परितावं च दारुणं ॥२५९॥ पलिछिंदिय बाहिरगं च सोयं, णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं ॥२६०॥ कम्माणं सफलं दट्ठूण तओ णिज्जाइ वेयवी ॥२६१॥ जे खलु भो ! वीरा ते समिया सहिया सयाजया संघडदंसिणो आओवरया अहातहं लोगमुवेहमाणा पाईणं पडीणं दाहिणं उईणं इइ सच्चंसि परिचिट्ठिंसु ॥२६०॥ साहिस्सामो णाणं वीराणं समियाणं सहियाणं, सयाजयाणं संघडदंसिणं आओवरयाणं अहातहा लोगसमुवेहमाणाणं किमत्थि उवाही ? पासगस्स ण विज्जइ णत्थि त्ति बेमि ॥२६३॥ **चउत्थं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ सम्मत्तं णाम चउत्थमज्झयणं समत्तं ॥**

लोकसार णाम पंचमं अज्झयणं

आवंती केयावंती लोयंसि विपरामुसंति अट्ठाए अणट्ठाए वा । एएसु चेव विप्परामुसंति, गुरु से कामा, तओ से मारस्स अंतो जओ से मारस्स अंतो त

[illegible] ॥ २६ [illegible] ॥ [illegible] [illegible] ॥ २६ [illegible] ॥ [illegible] ॥ २६३ ॥ [illegible] ॥ २६ [illegible] ॥ [illegible] ॥ २६८ ॥ [illegible] ॥ २६९ ॥ [illegible] पडि[illegible] [illegible] ति बेमि ॥ २७० ॥ [illegible] एगे [illegible] गिद्धे परिणिज्जमाणे, एत्थ फासे पुणो पुणो, आवंती केयावंती लोगंसि आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरंभजीवी, एत्थवि बाले परिपच्चमाणे रमइ पावेहिं कम्मेहिं असरणे सरणंति मण्णमाणे ॥२७२॥ इहमेगेसिं एगचरिया भवइ, से बहुकोहे-बहुमाणे-बहुमाए-बहुलोहे-बहुरए-बहुणडे-बहुसढे-बहुसंकप्पे, आसवसक्की पलिउच्छण्णे उट्ठियवायं पवयमाणे "मा मे केइ अदक्खू" अण्णाणपमायदोसेणं, सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥२७३॥ अट्टा पया माणव ! कम्मकोविया जे अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्टंति त्ति बेमि ॥ २७४॥

पंचमं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥

आवंती केयावंती लोयंसी अणारंभजीविणो एएसु चेव अणारंभ जीविणो ॥२७५॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे "अयं संधीति" अदक्खु, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणेत्ति अण्णेसी ॥ २७६ ॥ एस मग्गे आरिएहिं पवेइए, उट्ठिए णो पमायए, जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ २७७ ॥ पुढो छंदा इह माणवा, पुढो दुक्खं पवेइयं से अविहिंसमाणे अणवयमाणे, पुट्ठो फासे विप्पणोल्लए। एस समिया परियाए वियाहिए ॥ २७८ ॥ जे असत्ता पावेहिं कम्मेहिं उदाहु ते आयंका फुसंति इइ उदाहु धीरे ते फासे पुट्ठो अहियासए ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेयं, पच्छापेयं भेउरधम्मं विद्धंसण-धम्मं अधुवं अणिइयं असासयं चयावचइयं विप्परिणामधम्मं, पासह एयं रूव-संधिं ॥ २८० ॥ समुप्पेहमाणस्स इक्कायतणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्स त्ति बेमि ॥ २८१ ॥ आवंती केयावंती लोगंसि परिग्गहावंती;–से अप्पं वा, बहुयं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, एएसु चेव परिग्गहा-वंती ॥२८२॥ एवमेवेगेसिं महब्भयं भवइ, लोगवित्तं च णं उवेहाए ॥२८३॥ एए

मेगे अभिज्जलओ ने मुसंठितउं... पुरिसा! परमचक्खू विप्परिक्कमा, एएसु चेव बंभचेरं ति बेमि॥२८४॥ से सुयं च मे, अज्झत्थयं च मे, बंधपमुक्खो अज्झत्थेव॥२८५॥ इत्थ विरए अणगारे दीहरायं तितिक्खए॥२८६॥ पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए॥२८७॥ एयं मोणं सम्मं अणुवासिज्जासि त्ति बेमि॥ २८८ ॥ **पंचमं अज्झयणं बीयोद्देसो समत्तो ॥**

आवंती केयावंती लोयंसि अपरिग्गहावंती एएसु चेव अपरिग्गहावंती सुच्चा वई मेहावी, पंडियाण णिसामिया॥२८९॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए जहित्थ मए संधी झोसिए एवमण्णत्थ संधी दुज्झोसए भवइ तम्हा बेमि णो णिहणेज्ज वीरियं॥२९०॥ जे पुव्वुट्ठाई णो पच्छानिवाई, जे पुव्वुट्ठाई पच्छानिवाई, जे णो पुव्वुट्ठाई णो पच्छानिवाई, सेऽवि तारिसए सिया, जे परिण्णाय लोगमणुस्सयंति, एयं नियाय मुणिणा पवेइयं॥२९१॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, पुव्वावररायं जयमाणे सया सीलं संपेहाए॥२९२॥ सुणिया भवे अकामे अझंझे॥२९३॥ इमेणं चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ? जुद्धारिहं खलु दुल्लहं॥२९४॥ जहित्थ कुसलेहिं परिण्णाविवेगे भासिए, चुए हु बाले गब्भाइसु रज्जइ॥ २९५॥ अस्सिं चेयं पवुच्चइ, रूवंसि वा छणंसि वा॥ २९६ ॥ से हु एगे संविद्धपहे मुणी अण्णहा लोगमुवेहमाणे॥२९७॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो से ण हिंसइ संजमइ णो पगब्भइ, उवेहमाणो पत्तेयं सायं॥ २९८ ॥ वण्णाएसी णारंभे कंचणं सव्वलोए, एगप्पमुहे विदिसप्पइण्णे णिव्विण्णचारी अरए पयासु॥२९९॥ से वसुमं सव्वसमन्नागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं तं णो अन्नेसी॥३००॥ जं सम्मं ति पासहा तं मोणं ति पासहा, जं मोणं ति पासहा तं सम्मं ति पासहा, ॥३०१॥ ण इमं सक्कं सिढिलेहिं अद्दिज्जमाणेहिं गुणासाएहिं वंकसमायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसंतेहिं॥३०२॥ मुणी मोणं समायाए, धुणे कम्मसरीरगं, पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो॥ एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिए त्ति बेमि॥३०३॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

गामाणुगामं दूइज्जमाणस्स दुज्जायं दुप्परक्कंतं भवइ अवियत्तस्स भिक्खुणो॥३०४॥ वयसावि एगे बुइया कुप्पंति माणवा, उण्णयमाणे य णरे महया मोहेण मुज्झइ संबाहा बहवे भुज्जो २ दुरइक्कमा अजाणओ, अपासओ, एयं ते मा होउ

[illegible]

[illegible] पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥२१०॥ से णो काहिए, णो पासणिए, णो संपसारए, णो मामए, णो कयकिरिए, वइगुत्ते; अज्झप्पसंवुडे, परिवज्जए सया पावं, एयं मोणं समणुवासिज्जासि–त्ति बेमि ॥३११॥ **पंचमं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से बेमि—तंजहा, अवि हरए पडिपुण्णे समंसि भोमे चिट्ठइ उवसंतरए सारक्खमाणे, से चिट्ठइ सोयमज्झगए, से पास, सव्वओ गुत्ते, पास लोए महेसिणो, जे य पण्णाणमंता पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह; कालस्स कंखाए परिव्वयंति त्ति बेमि ॥३१२॥ वितिगिच्छासमावण्णेणं अप्पाणेणं णो लभइ समाहिं ॥३१३॥ सिया वेगे अणुगच्छंति, असिया वेगे अणुगच्छंति, अणुगच्छमाणेहिं अणणुगच्छमाणे कहं ण णिव्विज्जे, तमेव सचं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥३१४॥ सड्ढिस्स णं समणुण्णस्स संपव्वयमाणस्स समियंति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ समियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ असमयंति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ असमियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ ॥३१५॥ समियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, समिया होइ उवेहाए ॥३१६॥ असमियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, असमिया होइ उवेहाए ॥३१७॥ उवेहमाणो अणुवेहमाणं बूया—"उवेहाहि समियाए इच्चेवं तत्थ संधी झोसिओ भवइ" ॥३१८॥ से

अप्पाणं णो उवदंसेज्जा
उद्वियस्स ठियस्स गइं समणुपासह, इत्थवि बालभावे
॥ ३१९ ॥ तुमंसि णाम सच्चेव, जं हंतव्वंति मण्णसि, तुमंसि णाम सच्चेव, जं अज्जा-
वेयव्वंति मण्णसि, तुमंसि णाम सच्चेव, जं परियावेयव्वंति मण्णसि, एवं जं परिघे-
त्तव्वंति मण्णसि, जं उद्दवेयव्वंति मण्णसि । अंजू चेहपडिबुद्धजीवी तम्हा ण हंता,
ण विघायए; अणुसंवेयणमप्पाणेणं जं हंतव्वं णाभिपत्थए ॥ ३२० ॥ जे आया से
विण्णाया, जे विण्णाया से आया, जेण वियाणइ से आया, तं पडुच्च पडिसंखाए,
एस आयावाई समियाए परियाए वियाहिए त्ति बेमि ॥३२१॥ **पंचम अज्झ-
यणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

अणाणाए एगे सोवट्ठाणा आणाए एगे णिरुवट्ठाणा एयं ते मा होउ, एयं कुस-
लस्स दंसणं ॥ ३२२ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे,
अभिभूय अदक्खू, अणभिभूए पभू णिरालंबणयाए; जे महं अबहिमणे ॥३२३॥
पवाएणं पवायं जाणिज्जा, सहसम्मइयाए, परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा
॥३२४॥ णिद्देसं णाइवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिय सव्वओ सव्वयाए सम्ममेव समभि-
जाणिया ॥३२५॥ इह आरामं परिण्णाय अल्लीणगुत्तो परिव्वए, णिट्ठियट्ठी
वीरे आगमेण सया परक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥३२६॥ उड्ढं सोया, अहे सोया, तिरियं
सोया वियाहिया; एए सोया वियक्खाया, जेहिं संगंति पासहा ॥३२७॥ आवट्टं तु
उवेहाए, एत्थ विरमिज्ज वेयवी ॥३२८॥ विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एसमहं अकम्मा
जाणइ, पासइ, पडिलेहाए णावकंखइ, इह आगइं गइं परिण्णाय अच्चेइ जाइमरणस्स
वट्टमग्गं विक्खायरए ॥३२९॥ सव्वे सरा णियट्टंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई
तत्थ ण गाहिया, ओए अप्पइट्ठाणस्स खेयण्णे ॥३३०॥ से ण दीहे ण हस्से ण वट्टे
ण तंसे ण चउरंसे ण परिमंडले, ण किण्हे, ण णीले, ण लोहिए, ण हालिद्दे ण सुक्किले
ण सुरहिगंधे ण दुरहिगंधे ण तित्ते ण कडुए, ण कसाए, ण अंबिले, ण महुरे, ण
लवणे, ण कक्खडे ण मउए ण गुरुए ण लहुए ण सीए ण उण्हे ण णिद्धे ण लुक्खे ण
काऊ ण रुहे ण संगे ण इत्थी ण पुरिसे ण अण्णहा परिण्णे सण्णे ॥३३१॥ उवमा
ण विज्जए, अरूवी सत्ता, अपयस्स पयं णत्थि ॥३३२॥ से ण सद्दे ण रूवे ण गंधे
ण रसे ण फासे इच्चेयावंति त्ति बेमि ॥३३३॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

पंचमज्झयणं समत्तं ॥

॥ लोगसार णाम पंचमज्झयणं समत्तं ॥

धूताख्यं णाम छट्ठं अज्झयणं

ओबुज्झमाणे इह माणवेसु आघाइ से णरे, जस्सिमाओ जाईओ सव्वओ सु
पडिलेहियाओ भवंति, आघाइ से णाणमणेलिसं ॥ २२४ ॥ से किट्टइ तेसिं स
मुट्ठियाणं णिक्खित्तदंडाणं समाहियाणं पण्णाणमंताणं इह मुत्तिमग्गं, एवं एगे महावी
विप्परक्कमंति, पासह एगे अवसीयमाणे अणत्तपण्णे ॥ २२५ ॥ से बेमि-से जहा
कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छन्नपलासे उम्मग्गं से णो लहइ ॥ २२६ ॥ भंज
इव सण्णिवेसं णो चयंति, एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया, रूवेहिं सत्ता, क
थणंति, णियाणओ ते ण लहंति मुक्खं ॥ २२७ ॥ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्त
जाया ॥ २२८ ॥ गंडी अहवा कोढी, रायंसी अवमारियं । काणियं झिमियं चे
कुणियं खुज्जियं तहा ॥ उदरिं पास मूयं च, सूणियं च गिलासिणिं, वेवइं पीढस
च, सिलिवयं महुमेहणिं सोलस एए रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो, अह णं फु
आयंका, फासा य असमंजसा ॥ मरणं तेसिं संपेहाए, उववायं चवणं च ण
परियागं च संपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ २२९ ॥ संति पाणा अंधा तमंसि वि
हिया; तामेव सइं असइं अइअच्च उच्चावयफासे पडिसंवेएइ, बुद्धेहिं एयं प
॥ २४० ॥ संति पाणा वासगा, रसगा उदए उदएचरा आगासगामिणो पाणा
किलेसंति ॥ २४१ ॥ पास लोए महब्भयं ॥ २४२ ॥ बहुदुक्खा हु जंतवो ॥ २४
सत्ता कामेसु माणवा, अबलेण वहं गच्छंति सरीरेण पभंगुरेण ॥ २४४ ॥ अट्टे
बहुदुक्खे, इइ बाले पकुव्वइ; एए रोगा बहु णच्चा, आउरा परियावए ॥ २४
णालं पास, अलं तवेएहिं । एयं पास मुणी ! महब्भयं, णाइवाएज्ज कंचणं ॥ २४
आयाण भो ! सुस्सूस भो ! धूयवायं पवेदइस्सामि इह खलु अत्तत्ताए तेहिं-ते
कुलेहिं अभिसेएण, अभिसंभूया, अभिसंजाया, अभिणिव्वट्टा, अभिसंवुड्ढा, अ
संबुद्धा अभिणिक्कंता अणुपुव्वेण महामुणी ॥ २४७ ॥ तं परक्कमंतं परिदेवमा
मा णे चयाहि इइ ते वयंति; "छंदोवणीया अज्झोववण्णा," अक्कंदकारी जण
रुयंति । अतारिसे मुणी णय ओहं तरए, जणगा जेण विप्पजढा ॥ २४८ ॥ सर
तत्थ णो समेइ कहं णु णाम से तत्थ रमइ ? एयं णाणं सया समणुवासिज्जासि
बेमि ॥ २४९ ॥ छट्ठं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥

आउरं लोगमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं, हिच्चा उवसमं, वसित्ता बंभचेरंसि

नतु वा अणुवसु वा जाणितु धम्मं जहा तहा, अहेगे तमचाइ कुसीला, वत्थं पडिग्गहं
कंबलं पायपुंछणं विउसिज्जा, अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे
ममायमाणस्स, इयाणिं वा मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेओ एवं अंतराएहिं कामेहिं
आकेवलिएहिं अवइण्णा चेए ॥३५०॥ अहेगे धम्ममायाय आयाणप्पभिइसु पणि-
हिए चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥३५१॥ सव्वं गिद्धिं परिण्णाय एस पणए महामुणी
॥३५२॥ अइअच्च सव्वओ संगं "णमहं अत्थित्ति इइ एगोहमंसि" जयमाणे
एत्थ विरए, अणगारे, सव्वओ मुंडे, रीयंते, जे अचेले परिवुसिए संचिक्खइ
ओमोयरियाए ॥३५३॥ से आकुट्ठे वा, हए वा, लुंचिए वा, पलियं पकत्थ, अदुवा
पकत्थ, अतहेहिं सद्दफासेहिं, इइ संखाए एगयरे अण्णयरे अभिण्णाय तितिक्खमाणे
परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा, चिच्चा सव्वं विसोत्तियं संफासे फासे
समियदंसणे ॥३५४॥ एए भो णगिणा वुत्ता, जे लोगंसि अणागमणधम्मिणो,
॥३५५॥ "आणाए मामगं धम्मं" एस उत्तरवाए इह माणवाणं वियाहिए ॥३५६॥
एत्थोवरए तं झोसमाणे, आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएणं विगिंचइ ॥३५७॥ इह
मेगेसिं एगचरिया होइ, तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी
परिव्वए, सुब्भिं अदुवा दुब्भिं अदुवा तत्थ भेरवा पाणापाणे किलेसंति, ते फासे
पुट्ठो धीरो अहियासेज्जासि त्ति बेमि ॥३५८॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मे विहूयकप्पे णिज्झोसइत्ता ॥३५९॥
जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ परिजुण्णे मे वत्थं जाइ-
स्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि
वोक्कसिस्सामि, परिहिस्सामि पाउणिस्सामि ॥३६०॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो
अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति
एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ, अचेले, लाघवं आगममाणे, तवे
अभिसमण्णागए भवइ ॥३६१॥ जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमे
सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा एवं तेसिं महावीराणं चिरराइं पुव्
वासाणि रीयमाणाणं दवियाणं पास, अहियासियं ॥३६२॥ आगयपण्णाणाणं कि
बाहा भवंति, पयणुए य मंससोणिए, विस्सेणिं कट्टु परिण्णाए, एस तिण्णे
विरए वियाहिए त्ति बेमि ॥३६३॥ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिरराओसियं अरई

[illegible] ॥ ६४ ॥ [illegible] ॥ ६५ ॥ एवं [illegible] ॥ ६६ ॥ ते [illegible] ॥ ६७ ॥ एवं [illegible] ॥ ६८ ॥ [illegible]

[illegible] उद्देसो समत्तो ॥

एवं ते [illegible] य [illegible] य अणुपुव्वेण [illegible] ॥ ६९ ॥ [illegible] ॥ ७० ॥ [illegible] ॥ ७१ ॥ [illegible] "[illegible]" [illegible] ॥ ७२ ॥ [illegible] ॥ ७३ ॥ [illegible] ॥ ७४ ॥ [illegible] ॥ ७५ ॥ [illegible] ॥ ७६ ॥ [illegible] "[illegible]" [illegible] "[illegible]" [illegible] ॥ ७७ ॥ [illegible] ॥ ७८ ॥ [illegible] ॥ ७९ ॥ [illegible] ॥ ८० ॥ [illegible] ॥ ८१ ॥ [illegible] ॥ ८२ ॥ [illegible] उद्देसो समत्तो ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] ! [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]

आउसंतो गाहावई ! [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

तुमं मम अट्ठाए समणं [illegible] [illegible] [illegible] पाणाई [illegible], [illegible]

पाणिं, अच्छिज्जं, अणिसट्ठं, अभिहडं [illegible]

से चिरओ आउसो ! गाहावई ! [illegible] [illegible]

ना जाव दुरत्था [illegible] [illegible] [illegible]

पेहाए समणं [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

अणगारि [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] पाणाई [illegible] [illegible]

ो॰हे पडियण्णे अहा परिजुण्णं वत्थं परिट्ठवेज्जा २ त्ता अदुवा एग साडे अदुवा लाघवियं आगममाणे, जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया, जस्स णं भिक्खुस्स वइ एगो अहमंसि ण मे अत्थि कोइ ण याहमवि कस्स वि, एवं से एगागिणमेव णं समभिजाणिज्जा लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ जाव जाणिया ॥४२९॥से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा ४ आहारेमाणे णो ओ हणुयाओ दाहिणं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ हणुयं णो संचारेज्जा आसाएमाणे से अणासायमाणे लाघवियं आगममाणे, अभिसमण्णागए भवइ । जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ ाए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, ालामि च खलु अहं इमंमि समए णो संचाएमि इमं सरीरगं अणुपुव्वेण हित्तए,से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा अणुपुव्वेण आहारं संवट्टित्ता, कसाए ए किच्चा,समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता वा, णयरं वा, खेडं वा,कब्बडं वा, मडंबं वा, पट्टणं वा, दोणमुहं वा, आगरं वा, मं वा, संणिवेसं वा, णिगमं वा,रायहाणिं वा, तणाइं जाएज्जा,तणाइं जाइत्ता से ाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए-अप्प- ए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिंग-पणग-दग मट्टियमक्कडासंताणए पडिलेहिय २ जिय २ तणाइं संथरेज्जा तणाइं संथरेत्ता एत्थवि समए इत्तरियं कुज्जा ॥४३१॥ तं च्चवाई ओए तिण्णे, छिण्णकहंकहे, आईयट्ठे अणाईए चिच्चाण भिउरं कायं ूय विरूवरूवे परिसहो वसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे,तत्थावि तस्स यरियाए जाव अणुगामियं त्ति बेमि ॥४३२॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

भिक्खू अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ चाएमि अहं तणफासं ्यासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं ्यासित्तए, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छायणं ् णो संचाएमि अहियासित्तए, एवं से कप्पइ कडिबंधणं धारित्तए ॥४३३॥ ा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा ति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ अचेले वियं आगममाणे जाव समभिजाणिया ॥४३४॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्टु दलइस्सामि, आहडं च साइ- सामि १ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४

[illegible]

[illegible] ॥४२६॥ [illegible] गिलाणो [illegible] साइज्जिस्सामि । [illegible] गिलाणस्स, अभिकंख साहम्मि- [illegible] वेयावडियं करणाए ॥४२७॥ आहट्टु परिण्णं अणुक्खिस्सामि, आहडं च साइज्जिस्सामि १ आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि, आहडं च णो साइज्जिस्सामि २ [illegible]हट्टु परिण्णं,णो आणक्खेस्सामि,आहडं च साइज्जिस्सामि ३ आहट्टु परिण्णं णो [illegible]णक्खेस्सामि, आहडं च णो साइज्जिस्सामि ४ एवं से अहाकिट्टियमेव, धम्मं सम- [illegible]जाणमाणे संते विरए सुसमाहियलेसे तत्थावि तस्स कालपरियाए, से तत्थ [illegible]अंतिकारए, इच्चेयं विमोहाययणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥४२८॥ अट्ठं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥

[illegible] भिक्खू एगेण वत्थेण परिवुसिए पायबिइएण, तस्स णं णो एवं भवइ, "बिइयं [illegible]थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जं वत्थं जाएज्जा, अहापरिग्गहियं वा वत्थं धारेज्जा

जाव गिम्हे पडिवण्णे अहा परिजुण्णं वत्थं परिट्ठवेज्जा २ त्ता अदुवा एग साडे अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे, जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ एगो अहमंसि ण मे अत्थि कोइ ण याहमवि कस्स वि, एवं से एगागिणमेव अप्पाणं समभिजाणिज्जा लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ जाव समभिजाणिया ॥४२९॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा ४ आहारेमाणे णो वामाओ हणुयाओ दाहिणं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ वामं हणुयं णो संचारेज्जा आसाएमाणे से अणासायमाणे लाघवियं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवइ । जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, से गिलामि च खलु अहं इमंमि समए णो संचाएमि इमं सरीरगं अणुपुव्वेण परिवहित्तए, से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा अणुपुव्वेण आहारं संवट्टित्ता, कसाए पयणुए किच्चा, समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता गामं वा, णयरं वा, खेडं वा, कव्वडं वा, मंडवं वा, पट्टणं वा, दोणमुहं वा, आगरं वा, आसमं वा, संणिवेसं वा, णिगमं वा, रायहाणिं वा, तणाइं जाएज्जा, तणाइं जाइत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए-अप्प-हरिए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिंग-पणग-दग मट्टियमक्कडासंताणए पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तणाइं संथरेज्जा तणाइं संथरेत्ता एत्थवि समए इत्तरियं कुज्जा ॥४३१॥ तं सच्चं सच्चवाई ओए तिण्णे, छिण्णकहंकहे, आईयट्ठे अणाईए चिच्चाण भिउरं कायं संविहूय विरूवरूवे परिसहो वसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे, तत्थावि तस्स कालपरियाए जाव अणुगामियं त्ति बेमि ॥४३२॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खू अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ चाएमि अहं तणफासं अहियासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं अहियासित्तए, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छायणं चऽहं णो संचाएमि अहियासित्तए, एवं से कप्पइ कडिबंधणं धारित्तए ॥४३३॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ अचेले लाघवियं आगममाणे जाव समभिजाणिया ॥४३४॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्टु दलइस्सामि, आहडं च साइ-ज्जिस्सामि १ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४

[illegible]

... ४३७।

अट्ठमं अज्झयणं सत्तमोद्देसो समत्तो ॥

अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज; वसुमंतो, मइमंतो सव्वं णच्चा अणेलिसं
।४३८।दुविहं पि विदित्ताणं, बुद्धा धम्मस्स पारगा; अणुपुव्वीए संखाए, आरंभाओ
तिउट्टइ ।४३९।कसाए पयणुए किच्चा,अप्पाहारो तितिक्खए;अह भिक्खू गिलाएज्जा,
आहारस्सेव अंतियं ॥४४०॥ जीवियं णाभिकंखेज्जा, मरणं णो वि पत्थए; दुहओ वि
ण सज्जेज्जा, जीविए मरणे तहा ॥ मज्झत्थो णिज्जरापेही, समाहिमणुपालए; अंतो
बहिं विउसिज्ज, अज्झत्थं सुद्धमेसए ॥४४१॥ जं किंचुवक्कमं जाणे, आउक्खेमस्स
अप्पणो; तस्सेव अंतरद्धाए, खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए ॥४४२॥ गामे वा अदुवा रण्णे,
थंडिलं पडिलेहिया; अप्पपाणं तु विण्णाय, तणाइं संथरे मुणी ॥४४३॥ अणाहारो
तुयट्टेज्जा, पुट्ठो तत्थऽहियासए; णाइवेलं उवचरे,माणुस्सेहिं वि पुट्ठवं॥४४४॥संसप्पगा
य जे पाणा, जे उ उड्ढमहेचरा; भुंजंति मंससोणियं, ण छणे ण पमज्जए ॥४४५॥पाणा
देहं विहिंसंति, ठाणाओ ण वि उब्भमे; आसवेहिं विवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए
।४४६॥ गंथेहिं विवित्तेहिं, आउकालस्स पारए; पग्गहियतरगं चेयं, दवियस्स विया-

फओ॥४४७॥ अयं से अवरे धम्मे, णायपुत्तेण साहिए; आयवज्जं पडीयारं, विजहिज्जा तिहा तिहा ॥४४८॥ हरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थंडिलं मुणिआ सए; विउसिज्ज अणाहारो पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥४४९॥ इंदिएहिं गिलायंतो, समियं आहरे मुणी; तहावि से अगरिहे, अचले जे समाहिए ॥४५०॥ अभिक्कमे पडिक्कमे, संकुचए पसारए; काय-साहारणट्ठाए, इत्थं वा वि अचेयणे ॥४५१॥ परिक्कमे परिकिलंते, अदुवा चिट्ठे अहा-यए; ठाणेण परिकिलंते, णिसिएज्जा य अंतसो ॥४५२॥ आसीणेऽणेलिसं मरणं, इंदि-याणि समीरए; कोलावासं समासज्ज, वितहं पाउरेसए ॥४५३॥ जओ वज्जं समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलंबए; तओ उक्कसे अप्पाणं, फासे तत्थ अहियासए ॥४५४॥ अयं चाय-यतरे सिया, जो एवं अणुपालए; सव्वगायणिरोहेऽवि, ठाणाओ ण विउब्भमे ॥४५५॥ अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वट्ठाणस्स पग्गहे; अचिरं पडिलेहित्ता, विहरे चिट्ठ माहणे ॥४५६॥ अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं; वोसिरे सव्वसो कायं, ण मे देहे परीसहा ॥४५७॥ जावज्जीवं परीसहा, उवसग्गा इय संखया; संवुडे देहभेयाए इय पण्णेऽहियासए ॥४५८॥ भेउरेसु ण रज्जेज्जा, कामेसु बहुयरेसु वि; इच्छा लोभं ण सेवेज्जा, धुववण्णं संपेहिया ॥४५९॥ सासएहिं णिमंतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्दहे; तं पडि-बुज्झ माहणे, सव्वं णूमं विहूणिया ॥४६०॥ सव्वट्ठेहिं अमुच्छिए, आउकालस्स पारए; तितिक्खं परमं णच्चा, विमोहण्णयरं हियं त्ति बेमि ॥४६१॥ अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥

॥ उवहाण-सुयं णाम नवमं अज्झयणं ॥

अहासुयं वइस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाए; संखाए तंसि हेमंते, अहुणा पव्व-इए रीइत्था ॥४६२॥ णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तंसि हेमंते; से पारए आव-कहाए, एवं खु अणुधम्मियं तस्स ॥४६३॥ चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म; अभिरुज्झकायं विहरिंसु, आरुसियाणं तत्थ हिंसिंसु ॥४६४॥ संवच्छरं साहियं मासं, जं ण रिक्कासि वत्थगं भगवं; अचेलए तओ चाई, तं वोसिरिज्ज वत्थमणगारे ॥४६५॥ अदु पोरिसिं तिरियंभित्तिं, चक्खुमासज्ज अंतसो झायइ; अह चक्खुभीया संहिया, ते हंता २ बहवे कंदिंसु ॥४६६॥ सयणेहिं वितिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थ से परिण्णाय; सागारियं ण सेवेइ य से सयं पवेसिया झाइ ॥४६७॥ जे के इमे अगारत्था, मीसीभावं पहाय से झाइ; पुट्ठो वि णाभिभासिंसु, गच्छइ णाइवत्तइ अंजू ॥४६८॥ णो सुकरमेयमेगेसिं, णाभिभासे अभिवायमाणे हयपुव्वे तत्थ दंडेहिं, लूसियपुव्वे अप्पपुण्णेहिं ॥४६९॥ फरुसाइं दुत्तितिक्खाइं, अइअच्च मुणी परक्कममाणे; आघाय-णट्टगीयाइं, दंडजुज्झाइं मुट्ठिजुज्झाइं ॥४७०॥ गढिए मिहो कहासु, समयंमि णायसुए

सिणेए अदक्खू; एयाइं सो उरालाइं, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ।४७१। अविसा-
हिए दुवे वासे, सीओदं अभोच्चा णिक्खंते; एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिण्णायदंसणे
संते ।४७२॥ पुढविं च आउकायं, तेउकायं च; वाउकायं च; पणगाइं बीयहरियाइं
तसकायं च सव्वसो णच्चा, एयाइं संति पडिलेहे, चित्तमंताइं से अभिण्णाय; परिवज्जिय
विहरित्था, इइ संखाय से महावीरे ॥४७३॥ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवा य
थावरत्ताए; अदुवा सव्वजोणिया, सत्ता कम्मुणा कप्पिया पुढो बाला ॥४७४॥ भगवं
च एवमन्नेसिं, सोवहिए हु लुप्पई बाले; कम्मं च सव्वसो णच्चा, तं पडियाइक्खे
पावगं भगवं ।४७५। दुविहं समिच्च मेहावी, किरियमक्खायमणेलिसं णाणी; आयाण-
सोयमइवायसोयं जोगं च सव्वसो णच्चा ॥४७६॥ अइवत्तियं अणाउट्टिं, सयमन्नेसिं
अकरणयाए; जस्सित्थिओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाओ से अदक्खू ।४७७। अहा-
कडं ण से सेवे, सव्वसो कम्मुणा य अदक्खू; जं किंचि पावगं भगवं; तं अकुव्वं वियडं
भुंजित्था ॥४७८॥ णो सेवइ य परवत्थं, परपाए वि से ण भुंजित्था; परिवज्जियाण
ओमाणं गच्छइ संखडिं असरणयाए ॥४७९॥ मायण्णे असणपाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु
अपडिण्णे; अच्छिंपि णो पमज्जिया णोवि य कंडूयए मुणी गायं ॥४८०। अप्पं तिरियं
पेहाए, अप्पं पिट्ठओ व पेहाए; अप्पं बुइए अपडिभाणी, पंथपेही चरे जयमाणे
॥४८१। सिसिरंसि अद्धपडिवन्ने, तं वोसिज्ज वत्थमणगारे; पसारित्तु बाहुं परक्कमे, णो
अवलंबिया ण कंधंसि ।४८२। एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया; बहुसो अप्प-
डिण्णेण, भगवया एवं रियंति त्ति बेमि ।४८३। पढमोद्देसो समत्तो ॥

चरियासणाइं सेज्जाओ, एगइयाओ जाओ बुइयाओ; आइक्ख ताइं सयणासणाइं,
जाइं सेवित्था से महावीरे ॥४८४। आवेसण-सभा-पवासु; पणियसालासु, एगया
वासो; अदुवा पलियट्ठाणेसु, पलालपुंजेसु एगया वासो ॥४८५॥ आगंतारे आरा-
मागारे तह य णगरे वि एगया वासो; सुसाणे सुण्णगारे वा, रुक्खमूले वि एगया
वासो ॥४८६॥ एएहिं मुणी सयणेहिं, समणे आसी पतेरसवासे; राइं दिवं पि
जयमाणे, अप्पमत्ते समाहिए झाइ ॥४८७॥ णिद्दंपि णो पगामाए, सेवइ भगवं
उट्ठाए; जग्गावई य अप्पाणं, ईसिं साई य अपडिण्णे ॥४८८। संबुज्झमाणे
पुणरवि, आसिंसु भगवं उट्ठाए; णिक्खम्म एगया राओ, बहिं चंकमिया मुहुत्तागं
॥४८९॥ सयणेहिं तस्सुवसग्गा, भीमा आसी अणेगरूवाय; संसप्पगाय जे पाणा,
अदुवा जे पक्खिणो उवचरंति ॥४९०॥ अदु कुचरा उवचरंति गामरक्खाय
सत्तिहत्थाय; अदुगामिया उवसग्गा इत्थी एगइया पुरिसो य ॥४९१॥ इहलोइ-
याइं परलोइयाइं भीमाइं अणेगरूवाइं; अवि सुब्भिदुब्भिगंधाइं सद्दाइं अणेगरूवाइं

हियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं अरइं रइं अभिभूय, रीयइ माहणे बहुवाई॥४९२॥स जणेहिं तत्थ पुच्छिंसु, एगचरा वि एगया राओ; अव्वाहिए कसाइत्था, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे ॥४९३॥ अयमंतरंसि को एत्थ, अहमंसि त्ति भिक्खू आहट्टु; अयमुत्तमे से धम्मे तुसिणीए कसाइए झाइ ॥४९४॥ जंसिप्पेगे पवेयंति, सिसिरे मारुए पवायंते; तंसिप्पेगे अणगारा, हिमवाए णिवायमेसंति ॥४९५॥ संघाडिओ पविसिस्सामो, एहा य समादहमाणा, पिहिया वा सक्खामो, अइदुक्खे हिमगसंफासा ॥४९६॥ तंसि भगवं अपडिण्णे, अहे वियडे अहियासए दविए, णिक्खम्म एगया राओ ठाइए भगवं समियाए ॥४९७॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडिण्णेण, भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ४९८ ॥ **णवमं अज्झयणं वीओद्देसो समत्तो ॥**

तणफासे, सीयफासे, तेउफासे य, दंसमसगे य; अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९९ ॥ अह दुच्चरलाढमचारी, वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च; पंतं सेज्जं सेविंसु, आसणगाणि चेव पंताणि॥५००॥लाढेहिं तस्सुवसग्गा, बहवे जाणवया लूसिंसु; अह लूहदेसिए भत्ते, कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवइंसु ॥ ५०१ ॥ अप्पे जणे णिवारेइ, लूसणए सुणए दसमाणे; छुछुकारेंति आहंसु 'समणं कुक्कुरा दसंतु' त्ति ॥५०२॥ एलिक्खए जणे भुज्जो, बहवे वज्जभूमि फरुसासी; लट्ठिं गहाय णालियं, समणा तत्थ य विहरिंसु॥५०३॥एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुव्वा अहेसि सुणएहिं; संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥५०४॥ णिहाय दंडं पाणेहिं, तं कायं वोसिज्जमणगारे ॥ अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥५०५॥ णाओ संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे। एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुव्वो वि एगया गामो ॥५०६॥ उवसंकमंतमपडिण्णं, गामंतियंपि अप्पत्तं; पडिणिक्खमित्तु लूसिंसु, एयाओ परं पलेहित्ति ॥ ५०७ ॥ हयपुव्वो तत्थ दंडेण, अदुवा मुट्ठिणा, अदु कुंताइफलेणं; अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥५०८॥ मंसाइ छिण्णपुव्वाइं, उट्ठंभिया एगया कायं; परीसहाइं लुंचिंसु, अदुवा पंसुणा उवकरिंसु ॥५०९॥ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु; वोसट्ठकाए पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिण्णे ॥५१०॥ सूरो संगामसीसे व, संवुडे तत्थ से महावीरे, पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचले भगवं रीइत्था ॥५११॥ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया; बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति, त्ति बेमि ॥५१२॥

णवमं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥

ओमोदरियं चाएइ, अपुट्ठेऽवि भगवं रोगेहिं; पुट्ठे वा से अपुट्ठे वा, णो से साइज्जइ तेइच्छं ॥५१३॥ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं च सिणाणं च; संबाहणं ण से कप्पे, दंतपक्खालणं च परिण्णाए ॥५१४॥ विरए य गामधम्मेहिं, रीयइ माहणे अबहुवाई; सिसिरंमि एगया भगवं, छायाए झाइ आसी य ॥५१५॥ आयावई य गिम्हाणं अच्छइ उक्कुडुए अभितावे । अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयणमंथुकुम्मासेणं ॥५१६॥ एयाणि तिन्नि पडिसेवे, अट्ठमासे य जावए भगवं; अवि इत्थ एगया भगवं, अद्धमासं अदुवा मासंपि ॥५१७॥ अवि साहिए दुवे मासे, छप्पि मासे अदुवा अपिवित्ता । रायोवरायं अपडिण्णे अन्नगिलायमेगया भुंजे ॥५१८॥ छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेणं दसमेणं; दुवालसमेण एगया भुंजे, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे ॥५१९॥ णच्चा णं से महावीरे, णोऽवि य पावगं सयमकासी॥ अन्नेहिं वा ण कारित्था, कीरंतंपि णाणुजाणित्था ॥५२०॥ गामं पविसे णगरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए; सुविसुद्धमेसिया भगवं, आययजोगयाए सेवित्था ॥५२१॥ अदु वायसा दिगिंछित्ता, जे अन्ने रसेसिणो सत्ता; घासेसणाए चिट्ठंति, सययं णिवइए य पेहाए ॥५२२॥ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अतिहिं वा; सोवागं मूसियारं वा, कुक्कुरं वा विट्ठियं पुरओ ॥५२३॥ वित्तिच्छेयं वज्जंतो, तेसिमप्पत्तियं परिहरंतो; मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥५२४॥ अविसूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं; अदु बुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे अलद्धए दविए ॥५२५॥ अवि झाइ से महावीरे, आसणत्थे अकुक्कुए झाणं; उड्ढमहेयं तिरियं च, पेहमाणे समाहिमपडिण्णे ॥५२६॥ अकसाई विगयगेही य, सद्दरूवेसु अमुच्छिए झाइ; छउमत्थोऽवि परक्कममाणो ण पमायं सइंपि कुव्वित्था ॥५२७॥ सयमेव अभिसमागम्म, आयतजोगमायसोहीए । अभिणिव्वुडे अमाइल्ले आवकहं भगवं समिआसी ॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥५२८॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

उवहाणसुयं णवमज्झयणं समत्तं ॥

॥बंभचेर णाम पढमो सुयक्खंधो समत्तो॥

::::::

बिइये सुयक्खंधे

पिंडेसणा णाम पढमं अज्झयणं

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जं पुण जाणेज्जा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पाणेहिं वा पणएहिं वा बीएहिं वा, हरिएहिं वा, संसत्तं, उम्मिस्सं, सीओदएण वा ओसित्तं, रयसा वा परिघासियं, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा, परहत्थंसि वा परपायंसि वा, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभेवि संते णो पडिगाहेज्जा ॥५२९॥ से य आहच्च पडिग्गाहिए सिया से तं आयाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए, अप्पहरिए, अप्पोसे अप्पोदए, अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टिय-मक्कडासंताणए, विगिंचिय विगिंचिय उम्मीसं विसोहिय विसोहिय तओ संजयामेव भुंजिज्ज वा, पीइज्ज वा, जं च णो संचाएज्जा भोत्तए वा पायए वा, से तमायाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अहे झामथंडिलंसि वा, अट्ठिरासिंसि वा, किट्टरासिंसि वा, तुसरासिंसि वा, गोमयरासिंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव परिट्ठविज्जा ॥५३०॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा कसिणाओ सासियाओ अविदलकडाओ अतिरिच्छच्छिण्णाओ, अवोच्छिण्णाओ तरुणियं वा छिवाडिं अणभिक्कंतभज्जियं पेहाए, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५३१॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा, अकसिणाओ असासियाओ, विदलकडाओ, तिरिच्छच्छिण्णाओ, वोच्छिण्णाओ, तरुणिअं वा छिवाडिं अभिक्कंतं भज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा ॥५३२॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिहुयं वा बहुरयं वा, भुंजियं वा, मंथुं वा, चाउलं वा, चाउलपलंबं वा, सइं संभज्जियं, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५३३॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा असइं भज्जियं दुक्खुत्तो वा तिक्खुत्तो वा भज्जियं फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥५३४॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे णो अण्णउत्थिएण वा

[illegible]

[illegible]

भत्ताए वा णो पाणाए वा पडिगाहिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५४४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥५४५॥ **पढमं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ अट्ठमिपोसहिएसु वा, अद्धमासिएसु वा, मासिएसु वा, दोमासिएसु वा, तिमासिएसु वा; चाउमासिएसु वा पंचमासिएसु वा, छमासिएसु वा उऊसु वा, उउसंधीसु वा, उउपरियट्टेसु वा, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाइओ वा, संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं णो पडिगाहिज्जा ॥५४६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥५४७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा; तंजहा—उग्गकुलाणि वा, भोगकुलाणि वा, राइण्णकुलाणि वा, खत्तियकुलाणि वा, इक्खागकुलाणि वा, हरिवंसकुलाणि वा, एसियकुलाणि वा, वेसियकुलाणि वा, गंडागकुलाणि वा, कोट्टागकुलाणि वा, गामरक्खकुलाणि वा, वोक्कसालियकुलाणि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु वा, असणं वा ४ फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४८ ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ समवाएसु वा, पिंडणियरेसु वा, इंदमहेसु वा, खंदमहेसु वा, रुद्दमहेसु वा, मुगुंदमहेसु वा, भूयमहेसु वा, जक्खमहेसु वा, णागमहेसु वा, थूभमहेसु वा, चेइय महेसु वा, रुक्खमहेसु वा, गिरिमहेसु वा, दरिमहेसु वा, अगडमहेसु वा, तडागमहेसु वा, दहमहेसु वा, णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा, आगरमहेसु वा, अण्णयरेसु वा, तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्टमाणेसु, बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४९॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, दिण्णं जं तेसिं

[illegible]

॥ ५५४ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५५५ ॥ बीओद्देसो समत्तो ॥

से एगइओ अण्णयरं संखडिं आसित्ता पिबित्ता छड्डेज्ज वा वमेज्ज वा, भुत्ते वा से णो सम्मं परिणमिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोयातंके समुप्पज्जिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५६॥ इह खलु भिक्खू गाहावईहिं वा, गाहावइणीहिं वा, परिवा

यएहिं वा, परिवाइयाहिं वा, एगज्जं सद्धिं सोंडं पाउं भो ! वइमिस्सं हुरत्था वा, उवस्सयं पडिलेहेमाणे णो लभिज्जा, तमेव उवस्सयं संमिस्सिभावमावज्जिज्जा अण्णमण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीवे वा तं भिक्खुं उवसंकमित्तु बूया 'आउसंतो समणा ! अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, राओ वा, वियाले वा, गामधम्मणियंतियं कट्टु, रहस्सियं मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो' तं चेवेगइओ साइज्जिज्जा, अकरणिज्जं चेयं संखाए। एए आययणाणि संति संचिज्जमाणा पच्चवाया भवंति, तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा, संखडिं संखडिसंपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५५७॥ से भिक्खू वा २ अण्णयरिं संखडिं वा सोच्चा णिसम्म संपरिहावइ उस्सुयभूयेणं अप्पाणेणं 'धुवा संखडी' णो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थेयरेयरेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा॥५५८॥से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५९॥ आइण्णा अवमा णं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा अट्ठीणा वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे भवइ, सीओदएण वा उसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमा णं संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५६०॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ एसणिज्जे सिया अणेसणिज्जे सिया वितिगिच्छसमावण्णेणं अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५६१॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पविसिउ कामे सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज

[illegible]

ति बेमि ॥५६६॥ पढमं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो।

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा मंसाइयं वा मच्छ-
वा मंसखलं वा मच्छखलं वा आहेणं वा पहेणं वा, हिंगोलं वा, संमेलं वा ही-
रमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा बहुपाणा, बहुबीया, बहुहरिया, बहुओसा, बहुउदया,
बहुउत्तिंगपणगदगमट्टियमक्कडासंताणगा, बहवे तत्थ समणमाहणअतिहिकिवणव-
उवागया उवागमिस्संति तत्थाइण्णावित्ती णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए, णो प
वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरे
वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥५
से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जा
मंसाइयं वा जाव संमेलं वा हीरमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा
संताणगा णो जत्थ बहवे समणमाहण जाव उवागमिस्संति, अप्पाइण्णा
पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए पण्णस्स वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचि
सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए
संधारेज्ज गमणाए ॥५६८॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविसि
से जं पुण जाणेज्जा, खीरिणियाओ गावीओ खीरिज्जमाणीओ पेहाए असणं

[illegible]

पढमं अज्झ-यणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥२८॥ पढमं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥

[illegible]

उण्णमिय २ ओणमिय २ णिज्झाइज्जा णो गाहावइं अंगुलियाए उद्दिसिय २ जाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए चालिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए तज्जिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उक्खुलंपिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं वंदिय २ जाएज्जा, णो वयणं फरुसं वइज्जा ॥५८६॥ अह तत्थ कंचि भुंजमाणं पेहाए, तंजहा— गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं भोयणजायं" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा, भायणं वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति, वा भइणित्ति वा, मा एयं तुमं हत्थं वा, मत्तं वा, दव्विं वा, भायणं वा, सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेहि वा, पहोवेहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा ४ सीओदगवियडेण वा २ उच्छोलेत्ता पहोइत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारेण पुरे कम्मकएणं हत्थेण वा ४ असणं वा ४ अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा णो पुरेकम्मएणं उदउल्लेणं तहप्पगारेणं वा उदउल्लेणं (ससिणिद्धेण) वा हत्थेण वा ४ असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणेज्जा णो उदउल्लेणं ससिणिद्धेणं सेसं तं चेव, एवं ससरक्खे उदउल्ले ससिणिद्धे मट्टिया, ऊसे हरियाले, हिंगुलए, मणोसिला, अंजणे, लोणे, गेरुय, वण्णिय, सेढिय, सोरट्ठिय पिट्ठ कुक्कस उक्कुट्ठ संसट्ठेणं ॥५८७॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, णो असंसट्ठे, संसट्ठे तहप्पगारेण संसट्ठेण हत्थेण वा ४ असणं वा ४ फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥५८८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा पिहुयं वा बहुरयं वा जाव चाउलपलंबं वा, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव मक्कडासंताणाए कुट्टिंसु वा, कुट्टिंति वा, कुट्टिस्संति वा, उप्फणिंसु वा ३ तहप्पगारं पिहुयं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८९ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव संताणाए भिंदिंसु वा, भिंदंति वा, भिंदिस्संति वा, रुचिंसु वा ३ बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९०॥ से भिक्खू वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ अगणिणिक्खित्तं तहप्पगारं

असणं वा ४ अफासुयं लाभे संते नो पडिगाहिज्जा, केवली बूया, "आयाण-मेयं" अस्संजए भिक्खुपडियाए सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेत्ता वा, पहोएत्ता वा, ... वा, ... वा, ... सिया, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणे, एसुवएसे, जं तहप्पगारं असणं वा, ४ अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते नो पडिगाहिज्जा ॥५.३३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५.३४॥

पढमं अज्झयणं छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ खंधंसि वा थंभंसि वा, मंचंसि वा, मालंसि वा, पासायंसि वा, हम्मियतलंसि वा, अन्नयरंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि उवनिक्खित्ते सिया, तहप्पगारं मालोहडं असणं वा ४ अफासुयं लाभे संते नो पडिगाहिज्जा, केवली बूया "आयाणमेयं" अस्संजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा निस्सेणिं वा, उदूहलं वा, आहट्टु उस्सविय दुरुहेज्जा, से तत्थ दुरुहमाणे, पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा, पायं वा, बाहुं वा, ऊरुं वा, उदरं वा, सीसं वा अन्नयरं वा कायंसि इंदियजालं लूसेज्ज वा, पाणाणि वा, भूयाणि वा, जीवाणि वा, सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा, वित्तासेज्ज वा, लेसेज्ज वा, संघसेज्ज वा, संघट्टेज्ज वा, परियावेज्जा वा, किलामेज्ज वा, ठाणाओ ठाणं संकामेज्ज वा, तं तहप्पगारं मालोहडं असणं वा, ४ लाभे संते नो पडिगाहिज्जा ॥५.३५॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ कुट्ठियाओ वा कोलेज्जाओ वा, अस्संजए भिक्खुपडियाए, उक्कुज्जिय अवउज्जिय ओहरिय, आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा, ४ मालोहडंति नच्चा लाभे संते नो पडिगाहिज्जा ॥५.३६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ मट्टिओलित्तं तहप्पगारं असणं वा ४ जाव लाभे संते नो पडिगाहिज्जा। केवली बूया 'आयाणमेयं' अस्संजए भिक्खुपडियाए मट्टिओलित्तं असणं वा ४ उब्भिंदमाणे पुढविकायं समारंभिज्जा, तहा आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायं समारंभिज्जा पुणरवि ओलिंपमाणे पच्छाकम्मं करिज्जा। अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं मट्टिओलित्तं असणं वा, ४ लाभे संते नो पडिगाहिज्जा ॥५.३७॥

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा
विकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥
से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ आउक्का
तह चेव एवं अगणिकायपइट्ठियं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, 'केवली
"आयाणमेयं" असंजए भिक्खुपडियाए अगणिं उस्सक्किय २ निस्सि
ओहरिय २ आहट्टु दलएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो
हिज्जा ॥५९७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणि
असणं वा ४ अच्चुसिणं असंजए भिक्खुपडियाए, सुप्पेण वा, विहुवणे
तालियंटेण वा, पत्तेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुण
वा, चेलेण वा, चेलकण्णेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, फुमिज्ज वा, वीएज्ज
से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणि त्ति वा, मा एयं तुमं अ
वा, ४ अच्चुसिणं सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा, वीयाहि वा, अभिकंखसि मे दा
एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो सुप्पेण वा जाव वीइत्ता आहट्टु दलए
तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९८॥ से भि
वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ वणस्सइकाय
तहप्पगारं असणं वा ४ वणस्सइकायपइट्ठियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे सं
णो पडिगाहिज्जा, एवं तसकाए वि ॥५९९॥ से भिक्खू वा २ जाव पवि
समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा उस्सेइमं वा, संसेइमं वा, चाउलो
वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं, अहुणाधोयं, अणंबिलं, अवोक्कंतं, अपरि
अविद्धत्थं, अफासुयं, अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६००॥ अह पु
एवं जाणिज्जा चिराधोयं, अंबिलं, वुक्कंतं, परिणयं विद्धत्थं, फासुयं जाव पडि
हिज्जा ॥६०१॥ से भिक्खू वा, २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणग
णेज्जा, तंजहा-तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा, सोवीरं वा,
सुद्धवियडं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं पुव्वामेव आलोएज्जा "आउ
त्ति वा, भगिणि त्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पाणगजायं?" से सेवं वयंतं परो
वएज्जा "आउसंतो समणा! तुमं चेवेयं पाणगजायं पडिग्गहेण वा उस्सिंचियाणं
ओयत्तियाणं गिण्हाहि" तहप्पगारं पाणगजायं सयं वा गिण्हिज्जा, परो वा से दिज्जा,

सुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥६०२॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से पुण पाणगं जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए ओद्धट्टु णिक्खित्ते या असंजए भिक्खुपडियाए, उदउल्लेण वा, ससिणिद्धेण वा, सकसाएण १, मत्तेण वा सीओदएण वा, संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६०४॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा—अंबपाणगं वा, अंबाडगपाणगं वा, कविट्ठपाणगं वा, माउलिंगपाणगं वा मुद्दियापाणगं वा, दाडिमपाणगं वा, खज्जूरपाणगं वा, णालिएरपाणगं वा, करीरपाणगं वा, कोलपाणगं वा, आमलगपाणगं वा, चिंचापाणगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं सअट्ठियं सकणुयं सबीयगं असंजए भिक्खुपडियाए छब्वेण वा दूसेण वा, वालगेण वा, आवीलियाण वा, पवीलियाण परिसाइयाण आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे, से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा, अण्णगंधाणि वा, पाणगंधाणि वा, सुरभिगंधाणि वा, अग्घाय २ से तत्थ आसायपडियाए मुच्छिए, गिद्धे, गढिए, अज्झोववण्णे 'अहो गंधो २' णो गंधमाघाइज्जा ॥६०६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, से जं पुण जाणेज्जा, सालुयं वा, विरालियं वा, सासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६०७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिप्पलिं वा, पिप्पलिचुण्णं वा, मिरियं वा, मिरियचुण्णं वा, सिंगबेरं वा, सिंगबेरचुण्णं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६०८॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पलंबजायं तंजहा अंबपलंबं वा, अंबाडगपलंबं वा, ताल पलंबं वा, झिज्झिरिपलंबं वा, सुरभिपलंबं वा, सल्लइपलंबं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पलंबजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०९॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पवालजायं जाणिज्जा, तंजहा—असोत्थपवालं वा णग्गोह-

पवाले वा, पिलुंखुपवाले वा, णीपूरपवाले वा, सल्लइपवाले वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पवालजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, से जं पुण सरडुयजायं जाणिज्जा, तंजहा-अंबसरडुयं वा, कविट्ठसरडुयं वा, दाडिमसरडुयं वा, बिल्लसरडुयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं सरडुयजायं आमगं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६११॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, से जं पुण मंथुजायं जाणिज्जा, तंजहा-उंबरमंथुं वा, णग्गोहमंथुं वा, पिलंखुमंथुं वा, आसोत्थमंथुं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं मंथुजायं आमगं दुरुक्कं साणुबीयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१२॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, आमडागं वा, पूइपिण्णागं वा, महुं वा मज्जं वा सप्पिं वा, खोलं वा पुराणं एत्थ पाणा अणुप्पसूया, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१३॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं वा, सिंघाडगं वा, पूइआलुगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा; उप्पलं वा, उप्पल णालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१५॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गबीयाणि वा, मूलबीयाणि वा, खंधबीयाणि वा, पोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि वा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूमियं वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१७॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणणालं वा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा॥६१८॥से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अच्छिअं

वा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, विल्लुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१९॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा तिलपप्पडगं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२०॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६२१॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा ४ भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा–असणं वा ४ सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छावि अप्पणो अट्ठाए असणं वा ४ चेइस्सामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२२॥ से भिक्खू वा २ समाणे वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे से जं पुण जाणिज्जा, गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संतेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा–गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तहप्पगाराइं कुलाइं णो पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं'। पुरा पेहाए तस्स परो अट्ठाए असणं वा ४ उवकरेज्ज वा, उवक्खडेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा ४ जं णो तहप्पगाराइं कुलाइं पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा। से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, से तत्थ कालेणं अणुपविसिज्जा २ तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं एसित्ता आहारं आहारिज्जा ॥६२३॥ सिया से परो कालेण अणुपविट्ठस्स आहाकम्मियं असणं वा ४ उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा, तं चेगइओ तुसणीओ उवेहेज्जा, 'आहडमेव पच्चाइक्खिस्सामि' माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा 'आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मियं असणं

[illegible]

तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६३॥ नवमोद्देसो समत्तो ॥

से एगइओ साहारणं वा पिण्डपायं पडिगाहित्ता, [illegible] जस्स-जस्स इच्छइ तस्स-तस्स खद्धं-खद्धं दलयइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करे[illegible] से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा २ पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसंतो समणा ! [illegible] मम पुरे-संथुया वा पच्छासंथुया वा, तंजहा—आयरिए वा, उवज्झाए वा, पवि[illegible] वा, थेरे वा, गणी वा, गणहरे वा, गणावच्छेइए वा, अवियाइं एएसिं खद्धं-ख[illegible]

दाहामि" से सेवं वयंत परो वएज्जा, कामं खलु आउसो ! अहापज्जत्तं णिसिराहि जावइयं २ परो वयइ तावइयं २ णिसिरेज्जा, सव्वमेयं परो वयइ सव्वमेयं णिसिरेज्जा ॥६३१॥ से एगइओ मणुण्णं भोयणजायं पडिगाहित्ता पंतेण भोयणेण पलिच्छाएइ "मामेयं दाइयं संतं दट्ठूणं सयमायए, आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा, णो खलु मे कस्सइ किंचिवि दायव्वं सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, २ पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गहं कट्टु "इमं खलु इमं खलु त्ति" आलोएज्जा, णो किंचिवि णिगूहेज्जा ॥६३२॥ से एगइओ अण्णयरं भोयण-जायं पडिगाहित्ता, भद्दयं भद्दयं भोच्चा, विवण्णं विरसमाहरइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा ॥६३३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छियं वा, उच्छुगंडियं वा, उच्छुचोयगं वा, उच्छुमेरगं वा, उच्छुसालगं वा, उच्छुडालगं वा, सिंबलिं वा, सिंबलिथालगं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे सिया भोयण-जाए, बहुउज्झियधम्मिए, तहप्पगारं अंतरुच्छुयं जाव सिंबली थालगं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६३४ ॥ से भिक्खु वा २ से जं पुण जाणिज्जा, बहु अट्ठियं वा मंसं वा मच्छं वा बहुकंटगं अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पेसिया भोयणजाए, बहुउज्झियधम्मिए-तहप्पगारं बहु अट्ठियं वा मंसं वा, मच्छं वा बहुकंटगं लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६३५॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, सिया णं परो बहु अट्ठिएणं वा मंसेण वा मच्छेण वा उवणिमंतेज्जा "आउसंतो समणा अभिकंखसि ! बहुअट्ठियं मंस पडिगाहित्तए ?" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणित्ति वा, णो खलु मे कप्पइ से बहुअट्ठियं मंसं पडिगाहित्तए, अभिकंखसि मे दाउं, जावइयं तावइयं पुग्गलं दलयाहि, मा य अट्ठियाइं" से सेवं वयंतस्स परो अभिहट्टु अंतो पडि-ग्गहगंसि बहुअट्ठियं मंसं परिभाएत्ता णिहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, से आहच्च पडिगाहिए सिया तं णोहि त्ति वएज्जा, णो अणहित्ति वएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा २ अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडए जाव अप्पसंताणए, मंसगं मच्छगं भुच्चा अट्ठियाइं कंटए गहाय से तमायाए एगंतम-वक्कमिज्जा २ अहे झामथंडिलंसि वा, जाव पमज्जिय २ तओ संजयामेव

[illegible]

॥ [illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥६५४॥ [illegible]

से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा असंजए भिक्खुपडियाए बहवे [illegible]
किवण-वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव [illegible]
तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए नो ठाणं वा [illegible]
हियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए [illegible]
लेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेए[illegible]
॥६५५॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडि[illegible]
फडिए वा, उछंविए वा, छण्णे वा, लित्ते वा, घट्ठे वा, मट्ठे वा, संमट्ठे वा,

ठिए वा, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाणं वा, सेज्जं वा, निसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव जाव चेएज्जा ॥६५६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, अस्संजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लियाओ कुज्जा, जहा पिंडेसणाए जाव संथारगं संथारिज्जा, बहिया वा निन्नक्खु तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा, सेज्जं वा निसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव जाव चेएज्जा ॥६५७॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, अस्संजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि वा, कंदाणि वा, मूलाणि वा, पत्ताणि वा, पुप्फाणि वा, फलाणि वा, बीयाणि वा, हरियाणि वा, ठाणाओ ठाणं साहरइ, बहिया वा निन्नक्खु तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएज्जा। अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरगडे जाव चेएज्जा ॥६५८॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, अस्संजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा निस्सेणिं वा उदूखलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ बहिया वा निन्नक्खु, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव चेएज्जा ॥६५९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तंजहा खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अन्नयरंसि वा तहप्पगारंसि, अंतलिक्खजायंसि, णन्नत्थ आगाढागाढेहिं कारणेहिं, ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएज्जा ॥६६०॥ से आहच्च चेइए सिया णो तत्थ सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, हत्थाणि वा, पायाणि वा, अच्छीणि वा, दंताणि वा, मुहं वा, उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा, णो तत्थ ऊसढं पकरेज्जा, तंजहा—उच्चारं वा पासवणं वा, खेलं वा, सिंघाणं वा, वंतं वा, पित्तं वा, पूयं वा, सोणियं वा, अण्णयरं वा सरीरावयवं केवली बूया "आयाणमेयं' से तत्थ ऊसढं पकरेमाणे पयलेज्ज वा, पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे पवडेमाणे वा हत्थं वा, जाव सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसेज्ज वा पाणाणि वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तह-

प्पगारे उवस्सए अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइकुलेण सद्धिं संवसमाणस्स अलसए वा विसूइया वा छड्डी वा उव्वाहिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा असंजए कलुणवडियाए तं भिक्खुस्स गायं तेल्लेण वा, घएण वा, णवणीएण वा, वसाए वा उव्वट्टणेण वा अब्भंगेज्ज मक्खिज्ज वा, सिणाणेण वा, कक्केण वा, लोद्देण वा, वण्णेण वा, चुण्णेण वा, पउमेण वा, आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, उवट्टेज्ज वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, सिणाविज्ज वा, सिंचिज्ज वा, दारुणा वा, दारुपरिणामं कट्टु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालिज्ज वा, उज्जालित्ता २ कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा॥६६२॥आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए उवस्सए वसमाणस्स इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा पहंति वा रुंभंति वा उद्दविंति वा अह भिक्खूणं उच्चावयं मणं णियंछेज्जा एए खलु अण्णमण्णं उक्कोसंतु वा मा वा उक्कोसंतु जाव मा वा उद्दविंतु। अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६३॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइ अप्पणो सअट्ठाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालेज्ज वा विज्झावेज्ज वा अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछेज्जा, एए खलु अगणिकायं उज्जालेंतु वा जाव मा वा विज्झावेंतु अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा॥ ६६४ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा, गुणे वा मणी वा, मोत्तिए वा, हिरण्णे वा, सुवण्णे वा, कडगाणि वा, तुडियाणि वा, तिसरगाणि वा, पालंबाणि वा, हारे वा, अद्धहारे वा, एगावली वा, मुत्तावली वा, कणगावली वा, रयणावली वा, तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए,

अह भिक्खू उच्चावयं मणं, नियच्छिज्जा, "एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया" इय वा णं बूया, इय वा णं मणं साएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा ४ जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥६५॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइणीओ वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, गाहावइधाईओ वा, गाहावइदासीओ वा, गाहावइकम्मकरीओ वा, तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणाओ धम्माओ नो खलु एएसिं कप्पइ मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टित्तए, जा य खलु एएहिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टाविज्जा पुत्तं खलु सा लभेज्जा, ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयदरिसणिज्जं," एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तासिं च णं अन्नयरी सड्ढी तं तवस्सिं भिक्खुं मेहुणधम्मपडियारणाए आउट्टावेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥६६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६७॥ **सेज्जाअज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

गाहावई णामेगे सुइसमायारा भवंति से भिक्खू य असिणाणए मोयसमायारे से तग्गंधे दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, जं पुव्वकम्मं, तं पच्छाकम्मं, जं पच्छाकम्मं तं पुरेकम्मं, तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा णो करेज्जा वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥६८॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा ४ उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा तं च भिक्खू अभिकंखेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा ॥६९॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइणा सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिन्नपुव्वाइं भवंति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा, किणेज्ज वा पामिच्चेज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिकंखेज्जा आयावेत्तए वा, पयावेत्तए वा, वियट्टित्तए वा,

[illegible]
भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव चेएज्जा ॥ ६७१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं
उवस्सयं जाणिज्जा तणपुंजेसु पलालपुंजेसु वा, सअंडे जाव ससंताणए तहप्पगा
उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६७२ ॥ से भिक्खू वा
से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तणपुंजेसु वा, पलालपुंजेसु वा अप्पंडे
चेएज्जा ॥ ६७३ ॥ से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु
परियावसहेसु वा अभिक्खणं अभिक्खणं साहम्मिएहिं ओवयमाणेहिं णो उवए
॥ ६७४ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुबद्धियं वा
वासियं वा कप्पं उवाइणित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो! कालाइ
किरिया वि भवइ ॥६७५॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयं
उडुबद्धियं वा वासावासियं वा, कप्पं उवाइणावित्ता तं दुगुणा दु(ति)गुणेण
अपरिहरित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो ! इत्तरा उवट्ठाणकिरिया य
भवइ ॥ ६७६ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेग
सड्ढा भवंति तंजहा गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च णं आयारगो
णो सुणिसंते भवइ तं सद्दहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं, तं रोयमाणेहिं बहवे सम
माहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइ
भवंति, तंजहा—आएसणाणि वा आययणाणि वा देवकुलाणि वा सहाओ वा पव
वा पणियगिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सु
कम्मंताणि वा दब्भकम्मंताणि वा वद्धकम्मंताणि वा, वक्कयकम्मंताणि वा वणकम्मंत
वा इंगालकम्मंताणि वा कट्ठकम्मंताणि वा सुसाणकम्मंताणि वा संतिकम्मंताणि
सुण्णागारकम्मंताणि वा गिरिकम्मंताणि वा कंदराकम्मंताणि वा सेलोवट्ठाणकम्मंत

[illegible]

[illegible]

[illegible] सेज्जाज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥

[illegible]

भिसिया वा णालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्मछेदणए वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं वा लूसेज्ज वा, पाणाणि जाव सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए पुरा हत्थेणं पच्छा पाएणं तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ६८७ ॥ से आगंतरेसु वा अणुवीइ उवस्सयं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते उवस्सयं अणुण्णवेज्जा, कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स उवस्सए जाव साहम्मियाए तओ उवस्सयं गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ६८८ ॥ से भिक्खू वा २ जस्सुवस्सए संवसिज्जा तस्स पुव्वामेव णामगोयं जाणिज्जा तओ पच्छा तस्स गिहे णिमंतेमाणस्स अणिमंतेमाणस्स वा असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ६८९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसणाए, णो पण्णस्स वायण जाव धम्माणुओग चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथए पडिबद्धं णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा, वसाए वा अब्भंगेंति वा मक्खेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९३॥ से भिक्खू वा, २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, अण्णमण्णस्स गायं सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्धेण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा, आघंसंति वा पघंसंति वा उव्वलंति वा उव्वट्टिंति वा णो पण्णस्स णिक्खमण जाव

[illegible]

[illegible] वा करेज्जा ॥७१६॥ से भिक्खू वा २ समा वेगया सेज्जा भवेज्जा, विसमा वेगया सेज्जा भवेज्जा, पवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, ससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा अप्पससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सउवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिरुवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, तहप्पगाराहिं सेज्जाहिं संविज्जमाणाहिं पग्गहियतरागं विहारं विहरेज्जा, णो किंचिवि गिलाएज्जा ॥ ७१७ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥७१८॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥ सेज्जाणामबिइयमज्झयणं समत्तं ॥**

॥ इरिया णाम तइयं अज्झयणं ॥

"अब्भुवगए खलु वासावासे अभिपवुट्ठे बहवे पाणा अभिसंभूया, बहवे बीया अहुणुब्भिण्णा, अंतरा से मग्गा, बहुपाणा बहुबीया, जाव संताणगा, अणभिक्कंता पंथा णो विण्णाया मग्गा" सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥७१९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा णो महई विहारभूमि णो महई वियारभूमि, णो सुलभे पीढफलगसेज्जासंथारए णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे बहवे जत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागया उवागमिस्संति य अच्चाइण्णा वित्ती णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा णो वासावासं उवल्लिएज्जा

॥७२०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा महई विहारभूमी महई वियारभूमी सुलभे जत्थ पीढफलगसेज्जासंथारए सुलभे फासुए उंच्छे अहेसणिज्जे णो जत्थ बहवे-समण जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिं वा तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥७२१॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा॥७२२॥अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच-दस-रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा उक्खिप्पपायं रीएज्जा तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सइ परक्कमे संजयामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२५ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिगाणि दस्सुगायतणाणि मिलक्खूणि अणायरियाणि दुस्सण्णप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकालपरिभोईणि सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जा गमणाए केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिदेज्ज वा भिंदेज्ज वा अवहरिज्ज वा, परिट्ठविज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंतियाणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२६॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्ति-

याए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२७॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, एगाहेण वा, दुयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पंचाहेण वा, पाउणिज्ज वा, णो पाउणिज्ज वा, तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सइ लाढे जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वासे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, बीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाएसु वा अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२८ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावासंतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२९ ॥ से भिक्खू वा २ पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, २ त्ता भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारंभत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥७३०॥ से भिक्खू वा २ णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झओ दुरुहेज्जा, णो बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥७३१॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३२॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा! णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहार एयं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसि-

स्सामो" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥१२३॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा 'आउसंतो समणा! एयं ता तुमं णावं अलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवल्लएण वा वाहेहि' णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥१२४॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा! एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणएण वा उस्सिंचाहि!" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥१२५॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, 'आउसंतो समणा! एयं ता तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण वा पाएण वा बाहुणा वा ऊरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सिंचणएण वा चेलेण वा मट्टियाए वा कुसपत्तएण वा कुविंदेण वा पिहेहि!' णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥१२६॥ से भिक्खू वा २ णावाए उत्तिंगेण उदयं आसवमाणं पेहाए, उवरुवरिं णावं कज्जलावेमाणं पेहाए णो परं उवसंकमित्तु एवं बूया, "आउसंतो गाहावइ! एयं ते णावाए उदयं उत्तिंगेण आसवइ, उवरुवरिं वा णावा कज्जलावेइ" एयप्पगारं मणं वा वायं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए अबहिल्लेसे एगंतगएणं अप्पाणं विओसेज्ज समाहीए, तओ संजयामेव णावासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥१२७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥१२८॥ **इरियाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, "आउसंतो समणा! एयं ता तुमं छत्तगं वा जाव चम्मछेयणगं वा गिण्हाहि, एयाणि तुमं विरूवरूवाणि सत्थजायाणि धारेहि, एयं ता तुमं दारगं वा पज्जेहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥१२९॥ से णं परो णावागए णावागयं वएज्जा एस णं समणे णावाए भंडभारिए भवइ, से णं बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह, एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेढिज्ज वा णिव्वेढिज्ज वा उप्फेसं वा करेज्जा ॥१३०॥ अह पुण एवं जाणेज्जा अभिक्कंत-कूरकम्मा खलु बाला बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा से पुव्वामेव वएज्जा 'आउसंतो गाहावइ! मा मेत्तो [illegible] गहाय [illegible] सि पक्खिवह

[illegible] ॥७४१॥ से भिक्खू वा २ [illegible] ॥७४२॥ से भि
२ उदगंसि पवमाणे णो उम्मुग्गनिमुग्गियं करिज्जा, मामेयं उदगं कन्ने
सु वा अच्छीसु वा नक्कंसि वा मुहंसि वा परियावज्जिज्जा, तओ संजयामेव उदगंसि प
॥७४३॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे दोब्बलियं पाउणिज्जा खिप्
उवहिं विगिंचिज्ज वा विसोहिज्ज वा, णो चेव णं साइज्जिज्जा अह पुण एवं जा
पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणि
वा काएण उदगतीरे चिट्ठिज्जा ॥७४४॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा ससि
वा कायं णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा संलिहिज्ज वा णिल्लिहिज्ज वा उ
लिज्ज वा उव्वट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा पयाविज्ज वा, अह पु० विगओद
काए छिण्णसिणेहे काए तह० कायं आम० जाव पयाविज्ज वा० तओ संज
गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७४५॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो
सद्धिं परिजविय परिजविय गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, तओ संजयामेव गामाणु
दूइज्जिज्जा ॥७४६॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जंघा
रिमे उदए सिया से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जि
जाव एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव जंघासंत
उदए अहारियं रीएज्जा ॥७४७॥ से भिक्खू वा २ जंघासंतारिमे उदए अ
रियं रीयमाणे णो हत्थेण वा हत्थं पाएण वा पायं काएण वा कायं आसाएज्जा
अणासायए अणासायमाणे तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीए
॥७४८॥ से भिक्खू वा २ जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो सा
वडियाए णो परिदाहवडियाए महइमहालयंसि उदगंसि कायं विउसिज्जा, त
संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पार
सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण
काएण उदगतीरे चिट्ठेज्जा ॥७४९॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा कायं सस

सेहं वा कायं णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, अह पुण एवं जाणिज्जा विगओदए मे काए छिन्नसिणेहे तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥४९.७॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो मट्टियागएहिं पाएहिं हरियाणि छिंदिय २ विकुज्जिय २ विफालिय २ उम्मग्गेणं हरियवहाए गच्छेज्जा "जहेयं पाएहिं मट्टियं खिप्पामेव हरियाणि अवहरंतु" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से पुव्वामेव अप्पहरियं मग्गं पडिलेहेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥५०.१॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा, गड्डाओ वा, दरीओ वा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा, केवली बूया 'आयाणमेयं' से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा ॥५०.२॥ से तत्थ पयलमाणे वा, पवडमाणे वा, रुक्खाणि वा, गुच्छाणि वा, गुम्माणि वा, लयाओ वा, वल्लीओ वा, तणाणि वा, गहणाणि वा, हरियाणि वा, अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, जे तत्थ पाडिपहिया उवागच्छंति, ते पाणी जाएज्जा, तओ संजयामेव अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥५०.३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जवसाणि वा, सगडाणि वा, रहाणि वा, सचक्काणि वा, परचक्काणि वा, से णं वा विरूवरूवं संनिरुद्धं पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥५०.४॥ से णं परो सेणागओ वएज्जा, आउसंतो! एस णं समणे सेणाए अभिणिवारियं करेइ, से णं बाहाए गहाय आगसह, से णं परो बाहाहिं गहाय आगसेज्जा, तं णो सुमणे सिया जाव समाहीए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥५०.५॥ से भिक्खू वा २ अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा आउसंतो! समणा! केवइए एस गामे वा जाव रायहाणी वा? केवइया एत्थ आसा हत्थी गामपिंडोलगा मणुस्सा परिवसंति? से बहुभत्ते बहुउदए बहुजणे बहुजवसे? से अप्पभत्ते अप्पुदए अप्पजणे अप्पजवसे? एयप्पगाराणि पसिणाणि पुट्ठो णो आइक्खेज्जा, एयप्पगाराणि पसिणाणि णो पुच्छेज्जा ॥५०.६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५०.७॥ **इरियाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, जाव दरीओ वा, कूडागाराणि वा, पासादाणि वा, णूमगिहाणि वा, रुक्खगिहाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, रुक्खं वा चेइयकडं, थूभं वा चेइयकडं आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ अंगुलियाए उद्दिसिय २ ओ० २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५८॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से कच्छाणि वा, दवियाणि वा, णूमाणि वा, वलयाणि वा, गहणाणि वा, गहणविदुग्गाणि वा, वणाणि वा, वणविदुग्गाणि वा, पव्वयाणिवा पव्वयविदुग्गाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, अगडाणि वा, तलागाणि वा, दहाणि वा, णईओ वा, वावीओ वा, पुक्खरणीओ वा, दीहियाओ वा, गुंजालियाओ वा, सराणि वा, सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, केवली बूया 'आयाण-मेयं' जे तत्थ मिगा वा, पसू वा, पक्खी वा, सिरीसिवा वा, सीहा वा, जलचरा वा, थलचरा वा, खहचरा वा सत्ता, ते उत्तसेज्ज वा, वित्तसेज्ज वा, वाडं वा सरणं वा कंखेज्जा, "चारित्ति मे अयं समणे" अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५९॥ से भिक्खू वा २ आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे, णो आयरियउवज्झायस्स हत्थेण वा हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव आयारियउवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६०॥ से भिक्खू वा २ आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया से एवं वएज्जा "आउसंतो! समणा! के तुब्भे? कओ वा एह? कहिं वा गच्छिहिह? जे तत्थ आयरिए वा उवज्झाए वा से भासेज्ज वा, वियागरेज्ज वा, आयरियोवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं करेज्जा, तओ संजयामेव अहाराइणिए दूइज्जेज्जा ॥७६१॥ से भिक्खू वा २ अहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो राइणियस्स हत्थेण हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव अहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा॥७६२॥से भिक्खू वा २ अहाराइणियं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा, आउसंतो! समणा!

णं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥७७६॥ से एगवयणं
इ एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीइ परोक्खवयणं
इत्थी वेस पुरिसे वेस, णपुंसगं वेस, एयं वा चेयं, अन्नं वा चेयं, अणुवीइ
ी, समियाए संजए भासं भासिज्जा, इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म
अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तंजहा—सच्चमेगं पढमं भास-
ज्जायं बीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं नेव सच्चं नेव मोसं नेव सच्चामोसं
असच्चामोसं" नाम तं चउत्थं भासज्जायं ॥७७७॥ से बेमि जे अईया जे य
पन्ना जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाणि चेव चत्तारि भासज्जा-
याइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पन्नविंसु वा, पन्नविंति वा,
पन्नविस्संति वा, सव्वाइं च णं एयाइं अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रस-
मंताणि फासमंताणि चओवचइयाइं विप्परिणामधम्माइं भवंतीति अक्खायाइं
॥ से भिक्खू वा २ से जं पु॰ जाणि॰ पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा
भासासमयवीइक्कंता च णं भासिया भासा अभासा ॥७७९॥ से भिक्खू वा २
पु॰ जाणि॰ जा य भासा सच्चा, जा य भासा मोसा, जा य भासा सच्चामोसा,
भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं निट्ठुरं
अण्हयकरिं छेयणकरिं भेयणकरिं परियावणकरिं उद्दवणकरिं भूओवघाइयं अभिकंख
णो भासिज्जा ॥७८०॥ से भिक्खू वा २ से जं पु॰ जाणि॰ जा य भासा सच्चा
जा य भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूओ-
भासं भासेज्जा, से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए
णो एवं वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा
घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई
त्ति वा एयाइं तुमं ते जणगा वा एयप्पगारं भासं सावज्जं सकि-
भासिज्जा ॥७८१॥ से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे
णे एवं वएज्जा, अमुगे त्ति वा आउसो त्ति वा आउ-
वा उवासगे त्ति वा धम्मिए त्ति वा धम्मपिये त्ति वा
अभूओवघाइयं अभिकंख भासिज्जा ॥७८२॥ से
णी आमंतिए य अपडिसुणेमाणी णो एवं वएज्जा,

विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा उवगरणपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा, णो तेसिं भीओ उम्मग्गेण गच्छेज्जा, जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥३३०॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा ते णं आमोसगा एवं वएज्जा, आउसंतो समणा! आहर एयं वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं देहि णिक्खिवाहि, तं णो देज्जा णो णिक्खिवेज्जा, णो वंदिय २ जाएज्जा, णो अंजलिं कट्टु जाएज्जा, णो कलुणपडियाए जाएज्जा, धम्मियाए जायणाए जाएज्जा, तुसिणीयभावेण वा उवेहेज्जा, ते णं आमोसगा 'सयं करणिज्जं' ति कट्टु, अक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा, वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा, जाव परिट्ठवेज्ज वा, तं णो गामसंसारियं कुज्जा, णो रायसंसारियं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु बूया, आउसंतो गाहावई! एए खलु मे आमोसगा उवगरणपडियाए सयं करणिज्जं ति कट्टु अक्कोसंति वा जाव परिट्ठवेंति वा, एयप्पगारं मणं वा वयणं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥३३१॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥३३२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ भासज्जायं णाम चउत्थं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ इमाइं वयायाराइं सोच्चा णिसम्म इमाइं अणायाराइं अणायरियपुव्वाइं जाणिज्जा, जे कोहा वा वायं विउंजंति माणा वा वायं विउंजंति मायाए वा वायं विउंजंति लोहा वा वायं विउंजंति, जाणओ वा फरुसं वयंति, अजाणओ वा फरुसं वयंति, सव्वमेयं सावज्जं वज्जेज्जा, विवेगमायाए ॥३३३॥ धुवं चेयं जाणिज्जा, अधुवं चेयं जाणिज्जा, असणं वा ४ लभिय णो लभिय, भुंजिय णो भुंजिय, अदुवा आगए णो आगए, अदुवा एइ णो एइ, अदुवा एहिइ णो एहिइ, एत्थवि आगए णो आगए, एत्थवि एइ णो एइ, एत्थवि एहिइ णो एहिइ ॥३३४॥ अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासेज्जा, तंजहा—एगवयणं, दुवयणं, बहुवयणं, इत्थिवयणं, पुरिसवयणं, णपुंसगवयणं, अज्झत्थवयणं, उवणीयवयणं, अवणीयवयणं, उवणीयावणीयवयणं, अवणीयोवणीयवयणं, तीयवयणं

पडुप्पन्नवयणं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥३७५॥ से एगवयणं वइस्सामीति एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीति परोक्खवयणं वएज्जा, इत्थी वेस पुरिसो वेस, णपुंसगं वेस, एयं वा चेयं, अन्नं वा चेयं, अणुवीइ निट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासिज्जा, इच्चेयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ॥३७६॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तंजहा-सच्चमेगं पढमं भासज्जायं, बीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं नेव सच्चं नेव मोसं नेव सच्चामोसं "असच्चामोसं" नाम तं चउत्थं भासज्जायं ॥३७७॥ से बेमि जे अईया जे य पडुप्पन्ना जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाइं चेव चत्तारि भासज्जायाइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पन्नविंसु वा, पन्नविंति वा, पन्नविस्संति वा, सव्वाइं च णं एयाइं अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रसमंताणि फासमंताणि चओवचइयाइं विप्परिणामधम्माइं भवंतीति अक्खायाइं ॥३७८॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा भासा, भासासमयवीइक्कंता च णं भासिया भासा अभासा ॥३७९॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० जा य भासा सच्चा, जा य भासा मोसा, जा य भासा सच्चामोसा, जा य भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं निट्ठुरं फरुसं अण्हयकरिं छेयणकरिं भेयणकरिं परियावणकरिं उद्दवणकरिं भूओवघाइयं अभिकंख भासं नो भासिज्जा ॥३८०॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० जा य भासा सच्चा सुहुमा जा य भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासं भासिज्जा, से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे नो एवं वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा कुपक्खे त्ति वा घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई त्ति वा मुसावाई त्ति वा एयाइं तुमं ते जणगा वा एयप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं जाव अभिकंख णो भासिज्जा ॥३८१॥ से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे एवं वएज्जा, अमुगे त्ति वा आउसो त्ति वा आउसंतारो त्ति वा सावगे त्ति वा उवासगे त्ति वा धम्मिए त्ति वा धम्मपिए त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासिज्जा ॥३८२॥ से भिक्खू वा २ इत्थिं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणी णो एवं वएज्जा,

होले इ वा गोले इ वा इत्थीगमेणं णेयव्वं ॥३८३॥ से भिक्खू वा २ इत्थिं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणी एवं वएज्जा, आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा भगवइ त्ति वा साविगे त्ति वा उवासिए त्ति वा धम्मिए त्ति वा धम्मपिए त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासेज्जा ॥३८४॥ से भिक्खू वा २ णो एवं वएज्जा, णभोदेवेत्ति वा गज्जदेवेत्ति वा विज्जुदेवे त्ति वा पवुट्ठदेवेत्ति वा णिवुट्ठदेवेत्ति वा पडउ वा वासं मा वा पडउ णिप्फज्जउ वा सस्सं मा वा णिप्फज्जउ विभाउ वा रयणी मा वा विभाउ उदेउ वा सूरिए मा वा उदेउ, सो वा राया जयउ मा वा जयउ, णो एयप्पगारं भासं भासिज्जा पण्णवं ॥३८५॥ से भिक्खू वा २ अंतलिक्खेत्ति वा गुज्झाणुचरिएत्ति वा संमुच्छिए वा णिवइए वा पओवएज्जा वा वुट्ठबलाहगेत्ति वा ॥ ३८६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जा त्ति बेमि ॥३८७॥ **भासाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—गंडी गंडीइ वा, कुट्ठी कुट्ठीइ वा, जाव महुमेहुणीत्ति वा, हत्थच्छिण्णं हत्थच्छिण्णेत्ति वा, एवं पाद-णक्क-कण्ण-उट्ठच्छिण्णेत्ति वा, जे यावण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं वुइया वुइया कुप्पंति माणवा, तेयावि तहप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख णो भासेज्जा ॥ ३८८ ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा—ओयंसी ओयंसीइ वा, तेयंसी तेयंसीइ वा, वच्चंसी वच्चंसीइ वा, जसंसी जसंसीइ वा, अभिरूवं अभिरूवेइ वा पडिरूवं पडिरूवेइ वा, पासाइयं पासाइएइ वा दरिसणिज्जं दरिसणीएइ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं वुइया वुइया णो कुप्पंति माणवा, तेयावि तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख भासिज्जा। तहप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासिज्जा ॥ ३८९ ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तंजहा—वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ३९० ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा, तंजहा—वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तहावि ताइं एवं

वएज्जा, तंजहा—आरंभकडे इ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा पासाइयं पासाइए त्ति वा दरिसणीयं दरिसणीए त्ति वा अभिरूवं अभिरूवे त्ति वा पडिरूवं पडिरूवे त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९१ ॥ से भिक्खू वा २ असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए तहाविहं तं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७९२ ॥ से भिक्खू वा २ असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—आरंभकडे त्ति वा सावज्जकडे त्ति वा पयत्तकडे त्ति वा भद्दयं भद्दए त्ति वा ऊसढं ऊसढे त्ति वा रसियं रसिए त्ति वा मणुण्णं मणुण्णे त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९३ ॥ से भिक्खू वा २ मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा मिगं वा पसुं वा पक्खिं वा सरिसिवं वा जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए णो एवं वएज्जा थूले इ वा पमेइले इ वा वट्टे इ वा वज्झे इ वा पाइमे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९४ ॥ से भिक्खू वा २ मणुस्सं जाव जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए एवं वएज्जा, परिवूढकाए त्ति वा, उवचियकाए त्ति वा थिरसंघयणे त्ति वा उवचियमंससोणिए त्ति वा बहुपडिपुण्णइंदिए त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासिज्जा ॥ ७९५ ॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा—गाओ दोज्झाओ त्ति वा दम्मे त्ति वा गोरह त्ति वा वाहिम त्ति वा रहजोग्ग त्ति वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव अभिकंख णो भासिज्जा ॥ ७९६ ॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एवं वएज्जा तंजहा—जुवंगवे त्ति वा धेणु त्ति वा रसवइ त्ति वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा संवहणि त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९७ ॥ से भिक्खू वा २ तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा—पासायजोग्गा इ वा तोरणजोग्गाइ वा गिहजोग्गा इ वा फलिहजोग्गाइ वा अग्गल-णावा-उदगदोणि-पीढ-चंगबेर-णंगल-कुलिय-जंतलट्ठी-णाभि-गंडी-आसण-सयण-जाण-उवस्सय-जोग्गा इ वा, एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९८ ॥ से भिक्खू वा २ तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाणि वणाणि य रुक्खा महल्ला पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—जाइमंता इ वा दीहवट्टा इ वा महालया

इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाइया इ वा जाव पडिरू इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९९ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा तंजहा—पक्का इ वा पायक्खज्जाइ वा वेलोइयाइ वा टालाइ वा वेहिया इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ८०० ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयावणफला अंब पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—असंथडा इ वा बहुणिवट्टिमफला इ वा बहुसंभूया इ वा भूयरूविति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ८०१ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एवं वएज्जा, तंजहा—पक्का इ वा णीलिया इ वा छवीइ वा लाइमा इ वा भज्जिमा इ वा बहुखज्जा इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥८०२॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि एवं वएज्जा, तंजहा—रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०३॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा, तहावि एयाइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दे इ वा दुसद्दे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा, तहावि ताइं एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दं सुसद्दे त्ति वा दुसद्दं दुसद्दे त्ति वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०४॥ एवं रूवाइं कण्हे त्ति वा ५ गंधाइं सुब्भिगंधे त्ति वा २ रसाइं तित्ताणि वा ५ फासाइं कक्खडाणि वा ८ ॥ ८०५ ॥ से भिक्खू वा २ वंता कोहं च माणं च मायं च लोहं च अणुवीइ णिट्ठाभासी णिसम्म भासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ॥ ८०६ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८०७ ॥ **बीओद्देसो समत्तो । चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ वत्थेसणा णाम पंचमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं एसित्तए, से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, तंजहा—जंगियं-भंगियं-साणयं-पोत्तयं-खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं ॥८०८॥ जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा

णो विइयं, जा णिग्गंथी सा चत्तारि संघाडीओ धारेज्जा, एगं दुहत्थवित्थारं, दो तिहत्थवित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं, एएहिं वत्थेहिं असंधिज्जमाणेहिं अह पच्छा एगमेगं संसीविज्जा ॥८०९॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए वत्थ-पडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥८१०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं जहा पिंडेसणाए ॥८११॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ, बहवे समणमाहणा, तहेव पुरिसंतरकडं जहा पिंडेसणाए ॥ ८१२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कीयं वा धोयं वा रत्तं वा घट्ठं वा मट्ठं वा संसट्ठं वा संपधूमियं वा तहप्पगारं वत्थं अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव पडिगाहेज्जा ॥ ८१३ ॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण वत्थाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं तंजहा—आइणगाणि वा, सहिणाणि वा, सहिणकल्लाणाणि वा, आयाणि वा, कायकाणि वा, खोमियाणि वा, दुगुल्लाणि वा, पट्टाणि वा, मलयाणि वा, पत्तुण्णाणि वा, अंसुयाणि वा, चिणंसुयाणि वा, देसरागाणि वा, अमिलाणि वा, गज्जलाणि वा, फालियाणि वा, कयहाणि वा, कंबलगाणि वा, पावरणाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइं महद्धणमोल्लाइं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥८१४॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणिज्जा, तंजहा—उद्दाणि वा पेसाणि वा, पेसलाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईणगाणि वा कणगाणि वा कणगकंताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचित्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८१५ ॥ इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा, चउहिं पडिमाहिं वत्थं एसित्तए ॥ ८१६ ॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा—जंगियं वा भंगियं वा साणयं वा पोत्तयं वा खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा णं देज्जा, फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा, पढमा पडिमा ॥ ८१७ ॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ पेहाए २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा—गाहावई

[illegible] ॥८७३॥ बीओद्देसो समत्तो। छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥

॥ ओग्गह-पडिमा णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुट्ठाए सव्वं भंते! अदिण्णादाणं पच्चक्खामि ॥८७४॥ से अणुपविसित्ता गामं वा जाव० णेव सयं अदिण्णं गिण्हेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हंतं समणुजाणेज्जा। जेहिं वि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पि जाइं छत्तगं वा मत्तगं वा दंडगं वा जाव चम्मछेयणगं वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय अपडिलेहिय २ अपमज्जिय २ णो गिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं जाइज्जा अणुण्णविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव उगिण्हिज्ज वा पगिण्हिज्ज वा ॥ ८७५ ॥ से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णवेज्जा कामं खलु आउसो! अहालंदं अहापरिण्णायं वसामो आउसो जाव आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मिया एइ ताव उग्गहं उगिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥८७६॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसित्तए असणं वा ४ तेण ते साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥८७७॥ से आगंतारेसु वा ४ जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ साहम्मिया अण्णसंभोइया समणुण्णा उवा-

ण्हेज्जा जे तेसिं समणोलियाए दंडे वा छत्तए वा जाव चम्मछेयणए वा, तेण से
णाहिंतो अणणुन्नविय गहियं उग्गिण्हेज्जा णो चेव णं पडिलेहियाए उगिण्हिज्ज
२ उवगिण्हेज्जा ॥८७८॥ से आगंतारेसु वा ४ जाव से किं पुण तत्तोग्गहंसि
एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा
कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा तं अप्पणो एगस्स अट्ठाए पाडिहारियं जाइत्ता
णो अन्नमन्नस्स देज्ज वा अणुपदेज्ज वा सयं करणिज्जं ति कट्टु से तमायाए तत्थ
गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इमं खलु
इमं खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा
॥८७९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा अणंतरहियाए पुढवीए
ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणए तहप्पगारं उग्गहं णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज
वा ॥८८०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा ४ तहप्पगारे
अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥८८१॥
से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा कुलियंसि वा जाव णो उगिण्हेज्ज
वा २ ॥८८२॥ से भिक्खू वा २ खंधंसि वा ४ अण्णयरे वा तहप्पगारे जाव णो
उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा ससा-
गारियं सागणियं सउदयं सइत्थिं सखुड्डं सपसुं सभत्तपाणं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसे
जाव धम्माणुओगचिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए ससागारिए जाव सखुड्ड-
पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण
उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिबद्धं वा णो पण्णस्स
जाव चिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २
॥८८५॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा
जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सीओदगविय-
डादि णिगिणाइ य जहा सिज्जाए आलावगा णवरं उग्गहवत्तव्वया ॥८८६॥ से
भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खे णो पण्णस्स जाव चिंताए,
तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हिज्ज वा २ ॥८८७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स
वा सामग्गियं ॥८८८॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाणेज्जा, जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए

ते उग्गहं अणुण्णविज्जा कामं खलु आउसो! अहालंदं अहा परिण्णायं वसामो जाव आउसो! आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मियाए ताव उग्गहं उग्गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८८९ ॥ से किं पुण तत्थ उग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा दंडए वा छत्तए वा जाव चम्मछेदणए वा तं णो अंतोहिंतो बाहिं णीणेज्जा, बहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा, णो सुत्तं वा णं पडिबोहेज्जा, णो तेसिं किंचिवि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ॥ ८९० ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा अंबवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए से उग्गहं अणुजाणावेज्जा, कामं खलु जाव विहरिस्सामो ॥८९१॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि अह भिक्खू इच्छेज्जा अंबं भोत्तए वा से जं पुण अंबं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥८९२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अंबं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अतिरिच्छछिण्णं अवोच्छिण्णं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥८९३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अंबं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥८९४॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा अंबभित्तगं वा अंबपेसियं वा अंबचोयगं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा भोत्तए वा पायए वा से जं पुण जाणिज्जा, अंबभित्तगं वा जाव अंबडालगं वा सअंडं जाव संताणगं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, अंबभित्तगं वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं अतिरिच्छच्छिण्णं वा अवोच्छिण्णं वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९६ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा अंबभित्तगं वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९७ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा उच्छुवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जाव एव उग्गहंसि० ॥ ८९८ ॥ अह भिक्खू इच्छेज्जा उच्छुं भोत्तए वा पायए वा से जं उच्छुं जाणिज्जा, सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा। अतिरिच्छच्छिण्णं तहेव, तिरिच्छच्छिण्णे वि तहेव ॥ ८९९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अभिकंखेज्जा अंतरुच्छुयं उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं वा उच्छुसालगं वा उच्छुडालगं वा भोत्तए वा पायए वा ॥९००॥ से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ९०१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण

जाणिज्जा अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा, अति-रिच्छच्छिण्णं तहेव ॥१०२॥ तिरिच्छच्छिण्णं तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥१०३॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा लहसुणवणं उवागच्छित्तए, तहेव तिण्णि वि आलावगा णवरं लहसुणं ॥१०४॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा लहसुणं वा, लहसुणकंदं वा, लहसुणचोयगं वा, लहसुणणालगं वा भोत्तए वा, पायए वा । सेज्जं पुण जाणेज्जा—लहसुणं वा जाव लहसुणबीयं वा सअंडं जाव णो पडिगाहेज्जा । एवं अतिरिच्छच्छिण्णे वि तिरिच्छच्छिण्णे जाव पडिगाहेज्जा ॥१०५॥ से भिक्खू वा २ आगंतारेसु वा ४ जाव उग्गहंसि जे तत्थ, गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चाइं आयतणाइं उवाइकम्म ॥१०६॥ अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं सत्तहिं पडिमाहिं उग्गहं ओगिण्हित्तए ॥१०७॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा— से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जाव० विहरिस्सामो । पढमा पडिमा ॥१०८॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं ओगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि । दो० प० ॥१०९॥ अहा० तच्चा पडिमा—जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं ओगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए णो उवल्लिस्सामि ।" त० प० ॥११०॥ अहा० चउत्था पडिमा—जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं णो ओगिण्हिस्सामि अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि ।" च० प० ॥१११॥ अहा० पंचमा पडिमा—जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ, "अहं च खलु अप्पणो अट्ठाए उग्गहं ओगिण्हिस्सामि, णो दोण्हं, णो तिण्हं, णो चउण्हं णो पंचण्हं ।" पं० प० ॥११२॥ अहा० छट्ठा पडिमा—से भिक्खू वा २ जस्सेव उग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहासमण्णागए, तंजहा—इक्कडे वा जाव पलाले वा तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा । छ० प० ॥११३॥ अहा० सत्तमा पडिमा—से भिक्खू वा २ अहासंथडमेव उग्गहं जाएज्जा, तंजहा—पुढविसिलं वा, कट्ठसिलं वा अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा णेसज्जिओ वा विहरेज्जा । सत्तमा प० ॥११४॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पडिमाणं अण्णयरं, जहा पिंडेसणाए ॥११५॥ सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं इह खलु थेरेहिं

[illegible]

पासवणं वोसिरिज्जा ॥ १४२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, माणुसरंधणाणि वा, महिसकरणाणि वा, वसहकरणाणि वा, अस्सकरणाणि वा कुक्कुडकरणाणि वा मक्कडकरणाणि वा लावयकरणाणि वा, वट्टयकरणाणि वा तित्तिरकरणाणि वा, कवोयकरणाणि वा, कविंजलकरणाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरिज्जा ॥ १४३ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, वेहाणसट्ठाणेसु वा, गिद्धपिट्ठट्ठाणेसु वा, तरुपडणट्ठाणेसु वा, मेरुपडणट्ठाणेसु वा, विसभक्खणट्ठाणेसु वा, अगणिपडणट्ठाणेसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरिज्जा ॥१४४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वण

संडाणि वा, देवकुलाणि वा, सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पु थंडिलं जाणिज्जा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९४६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्च राणि वा, चउमुहाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासव वोसिरेज्जा ॥ ९४७ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इंगालडाहेसु वा, खारडाहेसु वा, मडयडाहेसु वा, मडयथूभियासु वा, मडयचेइएसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४८ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा णइयायतणेसु वा, पंकाययणेसु वा ओघाययणेसु वा, सेयणवहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, णवियासु वा, मट्टियखाणियासु णवियासु गोप्पलेहियासु वा, गवाणीसु वा, खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, डागवच्चंसि वा, सागवच्चंसि वा, मूलगवच्चंसि वा हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, असणवणंसि वा, सणवणंसि वा, धायइवणंसि वा, केयइवणंसि वा, अंबवणंसि वा, असोगवणंसि वा, णागवणंसि वा, पुण्णागवणंसि वा, चुण्णगवणंसि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु वा पत्तोवेएसु वा, पुप्फोवेएसु वा, फलोवेएसु वा, बीओवेएसु वा, हरिओवेएसु वा णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५२ ॥ से भिक्खू वा २ सयपाययं वा परपाययं वा गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोइयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा उवस्सयंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमे अणावायंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा, ज्झामथंडिलंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं परिट्ठवेज्जा ॥ ९५३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९५४ ॥ **दसममज्झयणं समत्तं** ॥

॥ सद्द-सत्तिक्कयं णाम एगारसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ मुइंगसद्दाणि वा, णंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं वितताइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५५ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, पणयसद्दाणि वा तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं वितताइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५६ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तालसद्दाणि वा, कंसतालसद्दाणि वा, लत्तियसद्दाणि वा, गोहियसद्दाणि वा, किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५७ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—संखसद्दाणि वा, वेणुसद्दाणि वा, वंससद्दाणि वा, खरमुहीसद्दाणि वा पिरिपिरियसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५८ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, जाव सराणि वा, सागराणि वा सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५९ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—कच्छाणि वा, णूमाणि वा, गहणाणि वा, वणाणि वा, वणदुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६० ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—गामाणि वा, णगराणि वा, णिगमाणि वा, रायहाणिआसमपट्टणसंणिवेसाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६१ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६२ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि

वा, दुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—गामाणि वा, नगराणि वा, निगमाणि वा, रायहाणीणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा, सभाणि वा, पवाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, अन्न- [illegible] चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउम्मुहाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा—महिसकरणट्ठाणाणि वा, वसभकरणट्ठाणाणि वा, अस्सकरणट्ठाणाणि वा, हत्थिकरणट्ठाणाणि वा जाव कविंजलकरणट्ठाणाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा—महिसजुद्धाणि वा, वसभजुद्धाणि वा, अस्सजुद्धाणि वा, हत्थिजुद्धाणि वा, जाव कविंजलजुद्धाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा—जूहियट्ठाणाणि वा, हयजूहियट्ठाणाणि वा, गयजूहियट्ठाणाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ अन्नयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा—बहुसगडाणि वा, बहुरहाणि वा, बहुमिलक्खूणि वा, बहुपच्चंताणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ [illegible] ॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा—इत्थीणि वा, पुरिसाणि वा, थेराणि वा, डहराणि वा, मज्झिमाणि वा, आभरणविभूसियाणि वा, गायंताणि वा, वायंताणि वा, नच्चंताणि वा, हसंताणि वा, रमंताणि वा, मोहंताणि वा, विउलं असणपाणखाइमसाइमं परिभुंजंताणि वा, परिभायंताणि वा, विछड्डियमाणाणि वा, विगोवयमाणाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्प-

गाराइं विरूवरूवाइं महुरसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ १७२ ॥ से भिक्खू वा २ णो इहलोइएहिं सद्देहिं णो परलोइएहिं सद्देहिं, णो सुएहिं सद्देहिं, णो असुएहिं सद्देहिं, णो दिट्ठेहिं सद्देहिं णो अदिट्ठेहिं सद्देहिं, णो कंतेहिं सद्देहिं सज्जिज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा ॥ १७३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ १७४ ॥ **एयारहममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ रूव-सत्तिक्कयं णाम बारसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ तंजहा—गंथिमाणि वा, वेढिमाणि वा, पूरिमाणि वा, संघाइमाणि वा, कट्ठकम्माणि वा, पोत्थकम्माणि वा, चित्तकम्माणि वा, मणिकम्माणि वा, दंतकम्माणि वा, पत्तच्छेज्जकम्माणि वा, विविहाणि वा वेढिमाइं जाव अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ १७५॥ एवं णायव्वं जहा सद्दपडियाए सव्वा वाइत्तवज्जा रूवपडियाए वि ॥१७६॥ **दुवालसममज्झयणं समत्तं ॥**

परकिरिया-सत्तिक्कयं णाम तेरसमं अज्झयणं ॥

परकिरियं अज्झत्थियं संसेसियं णो तं सायए णो तं णियमे ॥ १७७ ॥ सिया से परो पाए आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं फुसेज्ज वा रएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भिगिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाओ खाणुं वा कंटयं वा णिहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे । सिया से परो

[illegible]

क्केण वा चुण्णेण वा, वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा, उव्वलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा भगंदलं वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पधोवेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे। सिया से परोकायंसि गंडंवा जाव भगंदलं वा अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिदेज्ज वा विच्छिदेज्ज वा, सिया से परो अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिदित्ता वा २ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८१॥ सिया से परो कायाओ सेयं वा जल्लं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८२॥ सिया से परो अच्छिमलं, कण्णमलं वा, दंतमलं वा णहमलं वा, णीहरिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८३॥ सिया से परो दीहाइं वालाइं दीहाइं रोमाइं दीहाइं भमुहाइं, दीहाइं कक्खरोमाइं दीहाइं वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८४॥ सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८५॥ सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता पायाइं आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा एवं हिट्ठिमो गमो पायाइ भाणियव्वो, सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता, हारं वा अद्धहारं वा उरत्थं वा, गेवेयं वा, मउडं वा, पालंबं वा सुवण्णसुत्तं वा, अविहिज्ज वा पिणहिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८६॥ सिया से परो आरामंसि वा, उज्जाणंसि वा, णीहरित्ता वा पविसित्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८७॥ एवं णेयव्वा अण्णमण्णकिरिया वि ॥ ९८८॥ सिया से परो सुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे सिया से परो असुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कड्ढित्तु वा कड्ढावित्तु वा तेइच्छं आउट्टाविज्जा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८९॥ कडुवेयणा पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेइंति ॥९९०॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जए सेयमिणं मण्णेज्जासि त्ति बेमि ॥९९१॥ **तेरहममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ अण्णुण्णकिरिया-सत्तिक्कयं णाम चउद्दसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं सायए णो तं णियमे ॥९९२॥ सिया से अण्णमण्णं पाए आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं

लए णो तं णिगच्छे ॥१९३॥ सेसं तं चेव ॥१९४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २
सामग्गियं जएज्जासि त्ति बेमि ॥१९५॥ **चउद्दसममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ भावणा णाम पणरहमं अज्झयणं ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था, जहा—हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए, हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं सव्वओ सव्वत्ताए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, हत्थुत्तराहिं कसिणे पडिपुण्णे अव्वाघाए णिरावरणे अणंते अणुत्तरे केवल-वरणाणदंसणे समुप्पण्णे, साइणा भगवं परिणिव्वुए ॥१९६॥ समणे भगवं महावीरे, इमाए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए वीइक्कंताए, सुसमाए समाए वीइक्कंताए, सुसमदुसमाए समाए वीइक्कंताए, दुसमसुसमाए समाए बहुवीइक्कंताए, पण्णहत्तरीए वासेहिं मासेहिं य अद्धणवमेहिं सेसेहिं, जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे, आसाढसुद्धे, तस्स णं आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं, महाविजयसिद्धत्थपुप्फुत्तरपवरपुंडरीयदिसासोवत्थियवद्धमाणाओ महाविमाणाओ वीसंसागरोवमाइं आउयं पालइत्ता, आउक्खएणं, ठिइक्खएणं भवक्खएणं चुए चइत्ता इह खलु जंबुद्दीवेणं दीवे, भारहे वासे, दाहिणड्ढभरहे दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसंमि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरस्स गुत्ताए सीहुब्भवभूएणं अप्पाणेणं कुच्छिंसि गब्भं वक्कंते, समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, चइस्सामित्ति जाणइ चुएमित्ति जाणइ, चयमाणे ण जाणेइ, सुहुमे णं से काले पण्णत्ते । तओ णं समणे भगवं महावीरे हियाणुकंपएणं देवेणं जीयमेयं त्ति कट्टु जे से वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं बासीहिं राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स परियाए वट्टमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसंसि णायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स तिसलाए खत्तियाणिए वासिट्ठसगुत्ताए असुभाणं पुग्गलाणं अवहारं करित्ता, सुभाणं पुग्गलाणं पक्खेवं करित्ता कुच्छिंसि गब्भं साहरइ, जेवि य से तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे तंपि य दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसंसि उसभ.....को.....देवा....जालंधरायणगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भं साहरइ ॥१९७॥ समणे

भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साह-
रिएमित्ति जाणइ साहरिज्जमाणे वि जाणइ समणाउसो ! ॥ ९९८ ॥ तेणं कालेणं
तेणं समएणं तिसलाए खत्तियाणीए अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडि-
पुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीइक्कंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे
चित्तसुद्धे तस्सणं चित्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं, हत्थुत्तराहिं जोगमुवागएणं समणं
भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया ॥९९९॥ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं
भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं राइं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाण-
वासिदेवेहि य देवीहि य उवयंतेहि य उप्पयंतेहि य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देव-
सण्णिवाए देवकहक्कहे उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥१०००॥ जं णं रयणिं तिसला
खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं बहवे देवा य देवीओ
य एगं महं अमयवासं च, गंधवासं च, चुण्णवासं य, पुप्फवासं च, हिरण्णवासं
च, रयणवासं च वासिंसु ॥ १००१ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं
महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं रयणिं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो
देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सूइकम्माइं तित्थयराभिसेयं च
करिंसु ॥ १००२ ॥ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणिए कुच्छिंसि
गब्भं आगए तओ णं पभिइ तं कुलं विपुलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं
माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ, तओ णं समणस्स भग-
वओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सुचि-
भूयंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणाइसयण-
संबंधिवग्गं उवणिमंतेंति उवणिमंतेत्ता बहवे समणमाहणकिवणवणिमगाहिं भिच्छुं-
डगपंडरगाईण विच्छड्डुंति विग्गोवेंति विस्साणेंति दातारेसु णं दाणं पज्जभाइंति विच्छ-
ड्डित्ता विग्गोवित्ता विस्साणित्ता दायारेसु णं दाणं पज्जभाइत्ता मित्तणाइसयणसंबंधि-
वग्गं भुंजावेंति भुंजावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति,
जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे आहूए तओ णं
पभिइ इमं कुलं, विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं
संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ तं होउ णं कुमारे "वद्धमाणे" ॥ १००३ ॥
तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधाइपरिवुडे तंजहा—खीरधाईए-मज्जणधाईए

...णधाईए-खेल्लावणधाईए-अंकधाईए अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणि-कोट्टिमतले गिरिकंदरसमल्लीणे विव चंपयपायवे अहाणुपुव्वीए संवड्ढइ ॥१००४॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे विण्णायपरिणए विणियत्तबालभावे अप्पुस्सुयाइं उरालाइं माणुस्सगाइं पंचलक्खणाइं कामभोगाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं परियारेमाणे एवं च णं विहरइ ॥१००५॥ समणे भगवं महावीरे कासवगोत्ते तस्स णं इमे तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, अम्मापिउसंतिए "वद्धमाणे," सहसम्मुइए "समणे" भीमभयभेरवं उरालं अचेलयं परिसहं सहइ त्ति कट्टु देवेहिं से णामं कयं "समणे भगवं महावीरे" ॥१००६॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पिया कासवगोत्तेणं तस्स णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा—सिद्धत्थे इ वा, सेज्जंसे इ वा, जसंसे इ वा ॥१००७॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिट्ठसगोत्ता तीसेणं तिण्णि णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति तंजहा—तिसला इ वा, विदेहदिण्णा इ वा, पियकारिणी इ वा ॥१००८॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तियए 'सुपासे' कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भाया णंदिवद्धणे कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठा भइणी सुदंसणा कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भज्जा जसोया कोडिण्णा गोत्तेणं समणस्स भगवओ महावीरस्स धूया कासवगोत्तेणं, तीसेणं दो णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा—अणोज्जा इ वा, पियदंसणा इ वा, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णत्तुई कोसियगोत्तेणं तीसेणं दो णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा—सेसवई इ वा, जसवई इ वा ॥१००९॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पासावच्चिज्जा, समणोवासगा यावि होत्था, ते णं बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पालइत्ता, छण्हं जीवणिकायाणं संरक्खणणिमित्तं आलोइत्ता णिंदित्ता गरहित्ता पडिक्कमित्ता अहारिहं उत्तरगुण-पायच्छित्तं पडिवज्जित्ता कुससंथारं दुरुहित्ता, भत्तं पच्चक्खाइंति, भत्तं पच्चक्खाइत्ता अपच्छिमाए मारणंतियाए संलेहणाए झुसियसरीरा कालमासे कालं किच्चा तं सरीरं विप्पजहित्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णा, तओ णं आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता महाविदेहवासे चरिमेणं उस्सासेणं सिज्झिस्संति, बुज्झिस्संति, मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति, सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०१० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे णाए णायपुत्ते णायकुलणिव्वत्ते विदेहे

पवेहिं, वीयंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंडाहिं ॥५॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्ठरोमकूवेहिं, पच्छा वहंति देवा, सुरअसुरगरुलनागिंदा ॥६॥ पुरओ सुरा वहंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि। अवरे वहंति गरुला, नागा पुण उत्तरे पासे ॥७॥ वणसंडं व कुसुमियं, पउमसरो वा जहा सरयकाले, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥८॥ सिद्धत्थवणं व जहा, कणियारवणं व चंपयवणं वा, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥९॥ वरपडहभेरिझल्लरिसंखसयसहस्सिएहिं तूरेहिं। गगणयले धरणियले तूरनिणाओ परमरम्मे ॥१०॥ ततविततं घणझुसिरं आउज्जं चउव्विहं बहुविहीयं, वाएंति तत्थ देवा, बहूहिं आनट्टगसएहिं ॥११॥ १०२०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्स णं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं, सुव्वएणं दिवसेणं, विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तरानक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए बिइयाए पोरिसीए, छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं, एगसाडगमायाए, चंदप्पभाए सिवियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराए परिसाए समन्निज्जमाणे २ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंनिवेसस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिंरयणिप्पमाणं अच्छोप्पेणं भूमिभागेणं सणियं २ चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ ठवेत्ता सणियं २ चंदप्पभाओ सिवियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ, पच्चोयरित्ता सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे निसीयइ, आभरणालंकारं ओमुयइ, तओ णं वेसमणे देवे जन्नुव्वायपडिए समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेणं पडेणं आभरणालंकारं पडिच्छइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, तओ णं सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जन्नुव्वायपडिए वयरामएणं थालेणं केसाइं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता "अणुजाणेसि भंते" त्ति कट्टु खीरोयसागरं साहरइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ करेत्ता, "सव्वं मे अकरणिज्जं पावकम्मं" ति कट्टु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जित्ता देवपरिसं मणुयपरिसं च आलिक्खचित्तभूयमिव ठवेइ ॥१०२१॥ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणिणाओ य सक्कवयणेणं, खिप्पामेव निलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥१॥ तओ

आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३८ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पाणाइं वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोइ त्ति पंचमा भावणा ॥ १०३९ ॥ एयावता (पढमे) महव्वए सम्मं काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ ॥ १०४० ॥ पढमे भंते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १०४१ ॥ अहावरं दोच्चं महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मुसावायं वइदोसं से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवण्णेणं मुसं भासावेज्जा, अण्णं पि मुसं भासंतं ण समणुजाणेज्जा, तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा तस्स भंते ! पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ॥ १०४२ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०४३ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, अणुवीइभासी से णिग्गंथे णो अणणुवीइभासी; केवली बूया अणणुवीइभासी से णिग्गंथे समावदिज्ज मोसं वयणाए, अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासि त्ति पढमा भावणा ॥ १०४४ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो कोहणे सिया, केवली बूया, कोहपत्ते कोही समावदेज्जा मोसं वयणाए, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, ण य कोहणे सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०४५ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिया, केवली बूया; लोभपत्ते लोभी समावएज्जा मोसं वयणाए, लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०४६ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, भयं परिजाणाइ से णिग्गंथे णो भयभीरुए सिया; केवली बूया, भयप्पत्ते भीरू समावएज्जा मोसं वयणाए, भयं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०४७ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, हासं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिया, केवली बूया, हासप्पत्ते हासी समावएज्जा मोसं वयणाए, हासं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १०४८ ॥ एयावता दोच्चे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए या वि भवइ। दोच्चे भंते ! महव्वए० ॥ १०४९ ॥ अहावरं तच्चं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं; से गामे वा, णगरे वा,

जाणइ, तंजहा—आगइं गइं ठिइं चयणं, उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसे
आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं, सव्व
भावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ॥ १०२९ ॥ जण्णं दिवसं समण
भगवओ महावीरस्स णिव्वाणे कसिणे जाव समुप्पण्णे, तण्णं दिवसं भवणवइवाण
मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं य देवीहि य उवयंतेहिं य जाव उप्पिंजलगभूए
यावि होत्था ॥ १०३० ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णवरणाणदंसणधरे
अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खइ तओ पच्छा मणु
स्साणं ॥ १०३१ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे गोयमाई
समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवणिकायाइं आइक्खइ, भासइ
परूवेइ, तंजहा—पुढविकाए जाव तसकाए ॥ १०३२ ॥ पढमं भंते ! महव्वयं
पच्चक्खामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा बायरं वा तसं वा थावरं वा णेव सयं
पाणाइवायं करेज्जा ३ जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा, तस्स
भंते ! पडिक्कमामि णिंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १०३३ ॥ तस्सिमाओ
पंच भावणाओ भवंति ॥ १०३४ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, इरियासमिए से
णिग्गंथे, णो अणइरियासमिए त्ति, केवली बूया अणइरियासमिए से णिग्गंथे
पाणाइं ४ अभिहणेज्ज वा, वत्तेज्ज वा, परियावेज्ज वा, लेसेज्ज वा, उद्दवेज्ज वा,
इरियासमिए से णिग्गंथे, णो इरियाअसमिए त्ति पढमा भावणा ॥ १०३५ ॥
अहावरा दोच्चा भावणा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे, जे य मणे पावए सावज्जे
सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अहिकरणिए पाउसिए, परियाविए पाणा
इवाइए, भूओवघाइए तहप्पगारं मणं णो पधारेज्जा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे, जे
य मणे अपावए त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०३६ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, वइं
परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया
तहप्पगारं वइं णो उच्चारिज्जा, जे वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई अपाविया
त्ति तच्चा भावणा ॥ १०३७ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, आयाणभंडमत्तणिक्खेवणा
समिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए णिग्गंथे केवली बूया
आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए से णिग्गंथे पाणाइंभूयाइंजीवाइं सत्ताइं अभि
हणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे

[illegible]

अरण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा,
णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेहिं अदिण्णं गेण्हावेज्जा अण्णंपि अदिण्णं
गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाव वोसिरामि ॥ १०५० ॥ तस्सिमाओ
पंच भावणाओ भवंति तत्थिमा पढमा भावणा, अणुवीइ मिउग्गहं जाई से णिग्गंथे
णो अणणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे केवली बूया अणणुवीइमिउग्गहं जाई
णिग्गंथे अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीइमि
उग्गहं जाई त्ति पढमा भावणा ॥ १०५१ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, अणुण्णविय
पाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणणु
वियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, अदिण्णं भुंजेज्जा, तम्हा अणुण्णवियपाणभोयणभो
से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०५२ ॥ अह
वरा तच्चा भावणा, णिग्गंथे णं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसील
सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं उग्गहंसि अणुग्गहियंसि एतावताव अणुग्गहणसी
अदिण्णं उगिण्हेज्जा णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसील
सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०५३ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, णिग्गंथेणं उ
हंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गं
उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णि
उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भा
॥ १०५४ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, अणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मि
णो अणणुवीइमिउग्गहजाई, केवली बूया, अणणुवीइमिउग्गहजाई से णि
साहम्मिएसु अदिण्णं उगिण्हेज्जा, अणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मि
णो अणणुवीइमिउग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १०५५ ॥ एतावताव
महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, तच्चं भंते ! मह
॥ १०५६ ॥ अहावरं चउत्थं महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं, से दिव्वं
माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा तं चेव अदिण्णाद
वत्तव्वया भाणियव्वा, जाव वोसिरामि ॥ १०५७ ॥ तस्सिमाओ पंच भाव
भवंति ॥ १०५८ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, णो णिग्गंथे अभिक्खणं २ इत्
कहं कहइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहे

भेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं कहं कहइत्तए सिय त्ति पढमा भावणा ॥ १०५९ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं मणोरमाइं इंदियाइं आलोइत्तए णिज्झाइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं मणोरमाइं इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं मणोरमाइं इंदियाइं आलोइत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०६० ॥ अहावरा तच्चा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सुमरित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सुमरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०६१ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे ण पणीयरसभोयणभोई, केवली बूया, अइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोई य संतिभेया जाव भंसेज्जा, णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोइ त्ति चउत्था भावणा ॥ १०६२ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १०६३ ॥ एत्ताव ताव चउत्थे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, चउत्थं भंते! महव्वयं ॥ १०६४ ॥ अहावरं पंचमं भंते! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि, से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं परिग्गहं गिण्हेज्जा, णेवन्नेहिं परिग्गहं गिण्हाविज्जा, अन्नंपि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणेज्जा, जाव वोसिरामि ॥ १०६५ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति । तत्थिमा पढमा भावणा, सोयओ णं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिघायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे जाव विणिघायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०६६ ॥ ण सक्का ण सोउं सद्दा, सोयविसयमागया, रागदोसा उ जे

[illegible]

ते ! महव्वयं ॥ १०८१ ॥ इच्चेएहिं पंचमहव्वएहिं पणवीसाहि य भावणाहिं
पन्ने अणगारे अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएण फासित्ता, पालित्ता,
तीरित्ता, किट्टित्ता, आणाए आराहित्ता यावि भवइ ॥ १०८२ ॥ पणरहमं

अज्झयणं समत्तं ॥

॥ विमुत्ती णाम सोलसमं अज्झयणं ॥

अणिच्चमावासमुवेंति जंतुणो, पलोयए सुच्चमिदं अणुत्तरं; विऊसिरे विण्णु अगार-
बंधणं, अभीरु आरंभपरिग्गहं चए ॥ १०८३ ॥ तहागयं भिक्खुमणंतसंजयं, अणे-
लिसं विण्णु चरंतमेसणं; तुदंति वायाहिं अभिद्दवं णरा, सरेहिं संगामगयं व कुंजरं
॥ १०८४ ॥ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्दफासा फरुसा उईरिया; तितिक्खए
णाणि अदुट्ठचेयसा, गिरिव्व वाएण ण संपवेवए ॥ १०८५ ॥ उवेहमाणे कुसलेहिं
संवसे, अकंतदुक्खी तसथावरा दुही; अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहा हि से
सुसमणे समाहिए ॥ १०८६ ॥ विऊ णए धम्मपयं अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स
मुणिस्स झायओ; समाहियस्सऽग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ
॥ १०८७ ॥ दिसोदिसिंऽणंतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपया पवेइया; महागुरू
णिस्सयरा उईरिया, तमेव तेऊत्तिदिसं पगासया ॥ १०८८ ॥ सिएहिं भिक्खू
असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूयणं; अणिस्सिओ लोगमिणं तहा परं,
ण मिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥ १०८९ ॥ तहा विमुक्कस्स परिण्णचारिणो धिईमओ
दुक्खखमस्स भिक्खुणो; विसुज्झई जंसि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा
॥ १०९० ॥ से हु प्परिण्णा समयंमि वट्टइ, णिराससे उवरय मेहुणा चरे; भुयंगमे
जुण्णतयं जहा जहे, विमुच्चइ से दुहसेज्ज माहणे ॥ १०९१ ॥ जमाहु ओहं सलिलं
अपारगं, महासमुद्दं व भुयाहिं दुत्तरं; अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी
अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०९२ ॥ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु
विमोक्ख आहिओ; अहा तहा बंधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अंतकडे त्ति
वुच्चइ ॥ १०९३ ॥ इमंमि लोए परए य दोसुवि, ण विज्जइ बंधणं जस्स किंचिवि;
से हु णिरालंबणमप्पइट्ठिए, कलंकली भावपहं विमुच्चइ त्ति बेमि ॥ १०९४ ॥

सोलसमं विमुत्तिज्झयणं समत्तं ॥ सदाचार णाम बीओ
सुयक्खंधो संपुण्णो ॥

❊ इइ आयारो ❊

[illegible]

ाई ॥१९॥ ते णावि संधिं णच्चा णं ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो
णं ते ओहंतराऽऽहिया ॥२०॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्म विऊ जणा।
उ वाइणो एवं ण ते संसारपारगा ॥२१॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते
विऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते गब्भस्स पारगा ॥२२॥ ते णावि
णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते जम्मस्स पारगा
॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण
दुक्खस्स पारगा ॥२४॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते
वाइणो एवं ण ते मारस्स पारगा ॥२५॥ णाणाविहाइं दुक्खाइं अणुहोंति पुणो
। संसारचक्कवालम्मि मच्चुवाहिजराकुले ॥ २६ ॥ उच्चावयाणि गच्छंता
भमेस्संति णंतसो। णायपुत्ते महावीरे एवमाह जिणुत्तमे ॥ २७ ॥ त्ति बेमि।

॥ बीओ उद्देसो ॥

आघायं पुण एगेसिं उववण्णा पुढो जिया। वेदयंति सुहं दुक्खं अदु वा
पंति ठाणओ ॥१॥ ण तं सयं कडं दुक्खं कओ अण्णकडं च णं। सुहं वा जइ
दुक्खं सेहियं वा असेहियं ॥२॥ सयं कडं ण अण्णेहिं वेदयंति पुढो जिया।
गइयं तं तहा तेसिं इहमेगेसिमाहियं ॥३॥ एवमेयाणि जम्पंता बाला पण्डियमा-
णो। णियया णियमं संतं अयाणंता अबुद्धिया ॥४॥ एवमेगे उ पासत्था ते भुज्जो
प्पगब्भिया। एवं उवट्ठिया संता ण ते दुक्खविमोक्खया ॥ ५ ॥ जविणो मिगा
ड़ा संता परियाणेण वज्जिया। असंकियाइं संकंति संकियाइं असंकिणो ॥६॥ परि-
णियाणि संकंता पासियाणि असंकिणो। अण्णाणभयसंविग्गा संपलिंति तहिं तहिं॥७॥
ह तं पवेज्ज बज्झं अहे वज्झस्स वा वए। मुच्चेज्ज पयपासाओ तं तु मंदे ण
ईइ ॥ ८ ॥ अहियप्पाऽहियपण्णाणे विसमंतेणुवागए। स बद्धे पयपासेणं तत्थ
यं णियच्छइ ॥९॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। असंकियाइं
कंति संकियाइं असंकिणो ॥१०॥ धम्मपण्णवणा जा सा तं तु संकंति मूढगा।
रम्भाइं ण संकंति अवियत्ता अकोविया ॥११॥ सव्वप्पगं विउक्कस्सं सव्वं णूमं
हूणियं। अप्पत्तियं अकम्मंसे एयमट्ठं मिगे चुए ॥१२॥ जे एयं णाभिजाणंति
मिच्छदिट्ठी अणारिया। मिगा वा पासबद्धा ते घायमेस्संति णंतसो ॥१३॥ माहणा
समणा एगे सव्वे णाणं सयं वए। सव्वलोगे वि जे पाणा, ण ते जाणंति किंचण॥१४॥

मिलक्खू अमिलक्खुस्स जहा वुत्ताणुभासए । ण हेउं से वियाणाइ भासियं तऽणुभा० ॥ १५ ॥ एवमण्णाणिया णाणं वयंता वि सयं सयं । णिच्छयत्थं ण जाणंति मिलक्खु० अबोहिया ॥ १६ ॥ अण्णाणियाणं वीमंसा अण्णाणे ण णियच्छइ । अप्पणो य० णालं कुतो अण्णाणुसासिउं ॥ १७ ॥ वणे मूढे जहा जंतू मूढे णेयाणुगामिए । वि एए अकोविया तिव्वं सोयं णियच्छई ॥ १८ ॥ अंधो अंधं पहं णेंतो दूरमद्धा० गच्छइ । आवज्जे उप्पहं जंतू अदुवा पंथाणुगामिए ॥ १९ ॥ एवमेगे णियाग० धम्ममाराहगा वयं । अदुवा अहम्ममावज्जे ण ते सव्वज्जुयं वए ॥ २० ॥ एवं वियक्काहिं णो अण्णं पज्जुवासिया । अप्पणो य वियक्काहिं अयमंजू हि दुम्मई ॥ २१ ॥ एवं तक्काइ साहेंता धम्माधम्मे अकोविया । दुक्खं ते णाइउट्टंति सउणी पं० जहा ॥ २२ ॥ सयं सयं पसंसंता गरहंता परं वयं । जे उ तत्थ विउस्संति सं० ते विउस्सिया ॥ २३ ॥ अहावरं पुरक्खायं किरियावाइदरिसणं । कम्मचिंता० ट्ठाणं संसारस्स पवड्ढणं ॥ २४ ॥ जाणं काएणऽणाउट्टी अबुहो जं च हिंसइ । संवेयइ परं अवियत्तं खु सावज्जं ॥ २५ ॥ संतिमे तउ आयाणा जेहिं कीरइ पाव० अभिकम्मा य पेसा य मणसा अणुजाणिया ॥ २६ ॥ एए उ तउ आयाणा जे० कीरइ पावगं । एवं भावविसोहीए णिव्वाणमभिगच्छई ॥ २७ ॥ पुत्तं पिया स० रब्भ आहारेज्ज असंजए । भुंजमाणो य मेहावी कम्मुणा णोवलिप्पइ ॥ २८ ॥ मणसा जे पउस्संति चित्तं तेसिं ण विज्जइ । अणवज्जमतहं तेसिं ण ते संवुडचा० ॥ २९ ॥ इच्चेयाहि य दिट्ठीहिं सायागारवणिस्सिया । सरणं ति मण्णमाणा सें० पावगं जणा ॥ ३० ॥ जहा अस्साविणिं णावं जाइअंधो दुरुहिया । इच्छई पार० गंतुं अंतरा य विसीयई ॥ ३१ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारि० संसारपारकंखी ते, संसारं अणुपरियट्टंति ॥ ३२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइओ उद्देसो ॥

जं किंचि उ पूइकडं सड्ढीमागंतुमीहियं । सहस्संतरियं भुंजे दुपक्खं चेव से० ॥ १ ॥ तमेव अवियाणंता विसमंसिअकोविया । मच्छा वेसालिया चेव उदगस्स० भियागमे ॥ २ ॥ उदगस्स पहावेणं सुक्कंसिग्घं तमेंति उ । ढंकेहि य कंकेहि० आमिसत्थेहिं ते दुही ॥ ३ ॥ एवं तु समणा एगे वट्टमाणसुहेसिणो । मच्छा वे० लिया चेव घायमेस्संति णंतसो ॥ ४ ॥ इणमण्णं तु अण्णाणं इहमेगेसिमाहि०

देवउत्ते अयं लोए बम्भउत्ते इ आवरे ॥ ५ ॥ ईसरेण कडे लोए पहाणाइ तहावरे । जीवाजीवसमाउत्ते सुहदुक्खसमण्णिए ॥ ६ ॥ सयंभुणा कडे लोए इइ वुत्तं महेसिणा । मारेण संथुया माया तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ माहणा समणा एगे आह अण्डकडे जए । असो तत्तमकासी य अयाणंता मुसं वए ॥ ८ ॥ सएहिं परियाएहिं लोगं बूया कडे त्ति य । तत्तं ते ण वियाणंति ण विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ अमणुण्णसमुप्पायं दुक्खमेव वियाणिया । समुप्पायमयाणंता कहं णायंति संवरं ? ॥ १० ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहियं । पुणो किड्डापदोसेणं सो तत्थ अवरज्झई ॥ ११ ॥ इह संवुडे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए । वियडम्बु जहा भुज्जो णीरयं सरयं तहा ॥ १२ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भचेरेण ते वसे । पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सयं सयं ॥ १३ ॥ सए सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव ण अण्णहा । अहो इहेव वसवत्ती सव्वकामसमण्पिए ॥ १४ ॥ सिद्धा य ते अरोगा य इहमेगेसिमाहियं । सिद्धिमेव पुरो काउं सासए गढिया णरा ॥ १५ ॥ असंवुडा अणाईयं भमिहिंति पुणो पुणो । कप्पकालमुवज्जंति ठाणा आसुरकिब्बिसिया ॥१६॥ त्ति बेमि ॥

॥ पढमं अज्झयणं चउत्थो उद्देसो ॥

एए जिया भो ! ण सरणं बाला पण्डियमाणिणो । हिच्चा णं पुव्वसंजोयं सिया किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय वियं तेसु ण मुच्छए । अणुक्कस्से अप्पलीणे मज्झेण मुणि जावए ॥ २ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा इहमेगेसिमाहियं अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खू ताणं परिव्वए ॥ ३ ॥ कडेसु घासमेसेज्जा विऊ दत्तेसणं चरे । अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाणं परिवज्जए ॥ ४ ॥ लोगवायं णिसामेज्जा इहमेगेसिमाहियं । विवरीयपण्णसंभूयं अण्णउत्तं तयाणुयं ॥५॥ अणंते णिइए लोए सासए ण विणस्सई । अंतवं णिइए लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥६॥ अपरिमाणं वियाणाइ इहमेगेसिमाहियं । सव्वत्थ सपरिमाणं इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठंति अदु थावरा । परियाए अत्थि से अंजू जेण ते तसथावरा ॥८॥ उरालं जगओ जोगं विवज्जासं पलेंति य । सव्वे अक्कंतदुक्खा य अओ सव्वे अहिंसिया ॥ ९ ॥ एयं खु णाणिणो सारं जं ण हिंसइ किंचणं । अहिंसासमयं चेव एयावंतं वियाणिया ॥ १० ॥ वुसिए य विगयगेही आयाणं

[illegible] ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ।

वेयालिए णाम बीयं अज्झयणं पढमो उद्देसो

संबुज्झह किं न बुज्झह संबोही खलु पेच्च दुल्लहा । णो हूवणमंति राइओ णो सुलभं पुणरावि जीवियं ॥ १ ॥ डहरा वुड्ढा य पासह गब्भत्था वि चयंति माण- सेणे जह वट्टयं हरे एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ २ ॥ मायाहिं पियाहिं लुप्पई सुलहा सुगई य पेच्चओ । एयाइं भयाइं पेहिया आरंभा विरमेज्ज सुव्वए ॥ ३ ॥ जमिणं जगई पुढो जगा कम्मेहिं लुप्पंति पाणिणो । सयमेव कडेहिं गाहई णो त- मुच्चेज्जऽपुट्ठयं ॥ ४ ॥ देवा गंधव्वरक्खसा असुरा भूमिचरा सरीसिवा । रा- णरसेट्ठिमाहणा ठाणा ते वि चयंति दुक्खिया ॥ ५ ॥ कामेहि य संथवेहि गि- कम्मसहा कालेण जंतवो । ताले जह बंधणच्चुए एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ ६ ॥ जे यावि बहुस्सुए सिया धम्मिय माहण भिक्खुए सिया । अभिणूमकडेहिं मुच्छि- तिव्वं ते कम्मेहिं किच्चई ॥ ७ ॥ अह पास विवेगमुट्ठिए अवितिण्णे इह भा- धुवं । णाहिसि आरं कओ परं वेहासे कम्मेहिं किच्चई ॥ ८ ॥ जइ वि य णगि- किसे चरे जइ वि य भुंजिय मासमंतसो । जे इह मायाइ मिज्जई आगंता गब्भा- णंतसो ॥ ९ ॥ पुरिसोरम पावकम्मुणा पलियंतं मणुयाण जीवियं । सण्णा इह का- मुच्छिया मोहं जंति णरा असंवुडा ॥ १० ॥ जययं विहराहि जोगवं अणुपाणा पं- दुरुत्तरा । अणुसासणमेव पक्कमे वीरेहिं सम्मं पवेइयं ॥ ११ ॥ विरया वीरा स- ट्ठिया कोहकायरियाइपीसणा । पाणे ण हणंति सव्वसो पावाओ विरयाऽभिनिव्वु- ॥ १२ ॥ ण वि ता अहमेव लुप्पए लुप्पंती लोगंसि पाणिणो । एवं सहिएहिं पा- अणिहे से पुट्ठेऽहियासए ॥ १३ ॥ धुणिया कुलियं व लेववं किसए देहमणास- इहिं । अविहिंसामेव पव्वए अणुधम्मो मुणिणा पवेइओ ॥ १४ ॥ सउणी जह पं- गुण्डिया विहुणिय धंसयई सियं रयं । एवं दविओवहाणवं कम्मं खवइ तवस्सि- माहणे ॥ १५ ॥ उट्ठियमणगारमेसणं समणं ठाणठियं तवस्सिणं । डहरा वुड्ढा- पत्थए अवि सुस्से ण य तं लभेज्ज णो ॥ १६ ॥ जइ कालुणियाणि कासिया ज-

पुत्तकारणा । दविनं भिक्खुं समुट्ठियं णो लब्भंति ण संठवित्तए ॥ १७ ॥
य कामेहि लाविया जइ णेज्जाहि ण बंधिउं घरं । जइ जीविय णावकंखए
ति ण संठवित्तए ॥ १८ ॥ सेहंति य णं ममाइणो माय पिया य सुया य
। पोसाहि ण पासओ तुमं लोग परं पि जहासि पोसणो ॥ १९ ॥ अण्णे
नुच्छिया मोहं जंति णरा असंवुडा । विसमं विसमेहि गाहिया ते पावेहि
ब्भिया ॥ २० ॥ तम्हा दवि इक्ख पंडिए पावाओ विरएऽभिणिव्वुडे ।
ए महावीहि सिद्धिपहं णेयाउयं धुवं ॥ २१ ॥ वेयालियमग्गमागओ मण-
एण णिवुडो । विच्चा वित्तं च णायओ आरम्भं च सुसंवुडे चरे ॥ २२ ॥
।

॥ बीअं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

लं य जहाइ से रयं इइ संखाय मुणी ण मज्जई । गोयण्णतरेण माहणे अह-
अण्णेसि इंखिणी ॥ १ ॥ जो परिभवई परं जणं संसारे परिवत्तई महं ।
खिणिया उ पाविया इइ संखाय मुणी ण मज्जई ॥ २ ॥ जे यावि अणायगे
वि य पेसगपेसए सिया । जे मोणपयं उवट्ठिए णो लज्जे समयं सया चरे
सम अण्णयरम्मि संजमे संसुद्धे समणे परिव्वए । जे आवकहा समाहिए
कालमकासि पंडिए ॥ ४ ॥ दूरं अणुपस्सिया मुणी तीयं धम्ममणागयं तहा ।
सेहि माहणे अवि हण्णू समयम्मि रीयइ ॥ ५ ॥ पण्णसमत्ते सया जए
म्ममुदाहरे मुणी । सुहुमे उ सया अलूसए णो कुज्झे णो माणि माहणे
बहुजणणमणम्मि संवुडो सव्वट्ठेहि णरे अणिस्सिए । हरए व सया अणा-
मं पादुरकासि कासवं ॥ ७ ॥ बहवे पाणा पुढो सिया पत्तेयं समयं समी-
जे मोणपयं उवट्ठिए विरइं तत्थ अकासि पंडिए ॥ ८ ॥ धम्मस्स य पारए
रम्भस्स य अंतए ठिए । सोयंति य णं ममाइणो णो लब्भंति णियं
॥ ९ ॥ इहलोगदुहावहं विऊ परलोगे य दुहं दुहावहं । विद्धंसणधम्ममेव
सं को गारमावसे ॥ १० ॥ महयं पलिगोव जाणिया जा वि य वंदण-
हं । सुहुमे सल्ले दुरुद्धरे विउमंता पयहिज्ज संथवं ॥ ११ ॥ एगे चर ठाण-
सयणे एग समाहिए सिया । भिक्खू उवहाणवीरिए वइगुत्ते अज्झत्त-
॥ १२ ॥ णो पीहे ण यावपंगुणे दारं सुण्णघरस्स संजए । पुट्ठे ण उदाहरे

[illegible]

॥ २४ ॥ उत्तर

अहिया णायधम्म इइ मे अणुस्सुयं । जंसी विरया समुट्ठिया कासवस्स
धम्मचारिणो ॥ २५ ॥ जे एय चरंति आहियं णाएण महया महेसिणा ।
उट्ठिय ते समुट्ठिया अण्णोण्णं सारेंति धम्मओ ॥ २६ ॥ मा पेह पुरा
अभिकंखे उवहिं धुणित्तए । जे दूमण एहि णो णया ते जाणंति समाहिं
॥ २७ ॥ णो काहिए होज्ज संजए पासणिए ण य संपसारए । णच्चा धम्मं
कयकिरिए ण यावि मामए ॥ २८ ॥ छण्णं च पसंस णो करे ण य उक्कोस
माहणे । तेसिं सुविवेगमाहिए पणया जेहि सुजोसियं धुयं ॥ २९ ॥ अणिहे
सुसंवुडे धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । विहरेज्ज समाहिइंदिए अयहियं खु दुहेण
॥ ३० ॥ ण हि णूण पुरा अणुस्सुयं अदु वा तं तह णो समुट्ठियं । मुणिणा
आहियं णाएणं जगसव्वदंसिणा ॥ ३१ ॥ एवं मत्ता महंतरं धम्ममिणं सहिया
जणा । गुरुणो छंदाणुवत्तगा विरया तिण्ण महोघमाहियं ॥ ३२ ॥ त्ति बेमि ॥

पोस णे ताय पुट्ठो
ते खुड्डिया इमा।
पियरं पोस एवं लोगो
उत्तरा महुरुल्लावा
जणं गमे ॥५॥
पासामो जामु ताव
अकामगं परिक्कम्मं
समीकयं। हिरण्णं
फग्गुणीयसमुट्ठिया।
णे जायं मालुया
विबद्धो णाइसंगेहिं
ूरए ॥११॥ एए
णाइसंगेहि मुच्छिया
वियं णावकंखिज्जा सोच्चा
इया। बुद्धा जत्थावसप्पंति
माहणा अदुव खत्तिया।
त्थस्सरहजाणेहिं विहारगमणेहि
॥१६॥ वत्थगंधमलंकारं इत्थीओ
पूजयामु तं ॥१७॥ जो तुमे णियमो
तस्स सव्वो संविज्जए तहा ॥१८॥
चेव णं णिमंतंति णीवारेण व सूयरं
नए। तत्थ मंदा विसीयंति उज्जा-
उवहा [illegible] लज्जिया। तत्थ मंदा
[illegible] गिद्ध इत्थिसु।

॥२

यणं
मीरु [illegible] को जाणइ परा-

[illegible]

... पुट्ठे य दंसमसएहिं तणफासमचाइया । न मे दिट्ठे परे लोए जइ परं मरणं सिया ॥१२॥ संतत्ता केसलोएणं बंभचेरपराइया । तत्थ मंदा विसीयंति मच्छा विद्धा व केयणे ॥१३॥ आयदंडसमायारे मिच्छासंठियभावणा । हरिसप्पओसमावन्ना केई लूसंतिऽणारिया ॥१४॥ अप्पेगे पलियंतेसिं चारो चोरो त्ति सुव्वयं । बंधंति भिक्खुयं बाला कसायवयणेहि य ॥१५॥ तत्थ दंडेण संवीते मुट्ठिणा अदु फलेण वा । णातीणं सरती बाले इत्थी वा कुद्धगामिणी ॥१६॥ एए भो कसिणा फासा फरुसा दुरहियासया । हत्थी वा सरसंवित्ता कीवाऽवस गया गिहं ॥१७॥ त्ति बेमि।

॥ तइयं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

अहिमे सुहुमा संगा भिक्खूणं जे दुरुत्तरा । जत्थ एगे विसीयंति ण चयंति

हा णारायणे रिसी ॥ २ ॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी । पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३ ॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिया इह संमया । भोच्चा बीओदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥ ४ ॥ तत्थ मंदा विसीयंति वाहच्छिण्णा व गद्दभा । पिट्ठओ परिसप्पंति पिट्ठसप्पी व संभमे ॥ ५ ॥ इहमेगे उ भासंति सायं साएण विज्जई । जे तत्थ आरियं मग्ग परमं च समाहियं ॥ ६ ॥ मा एयं अवमण्णंता अप्पेणं लुंपहा बहुं । एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७ ॥ पाणाइवाए वट्टंता मुसावाए असंजया । अदिण्णादाणे वट्टंता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८ ॥ एवमेगे उ पासत्था पण्णवंति अणारिया । इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९ ॥ जहा गण्डं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं । एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ १० ॥ जहा मंधादए णाम थिमियं भुंजई दगं । एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ ११ ॥ जहा विहंगमा पिंगा थिमियं भुंजई दगं । एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥१२॥ एवमेगे उ पासत्था मिच्छदिट्ठी अणारिया । अज्झोववण्णा कामेहिं पूयणा इव तरुणए ॥ १३ ॥ अणागयमपस्संता पच्चुप्पण्णगवेसगा । ते पच्छा परितप्पंति खीणे आउम्मि जोव्वणे ॥ १४ ॥ जेहिं काले परिक्कंतं ण पच्छा परितप्पए । ते धीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ १५ ॥ जहा णई वेयरणी दुत्तरा इह संमया । एवं लोगंसि णारीओ दुत्तरा अमईमया ॥ १६ ॥ जेहिं णारीण संजोगा पूयणा पिट्ठओ कया । सव्वमेयं णिराकिच्चा ते ठिया सुसमाहिए ॥ १७ ॥ एए ओघं तरिस्संति समुद्दं ववहारिणो । जत्थ पाणा विसण्णासि किच्चंती सयकम्मुणा ॥ १८ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय सुव्वए समिए चरे । मुसावायं च वज्जिज्जा अदिण्णादाणं च वोसिरे ॥ १९ ॥ उड्ढमहे तिरियं वा जे केई तसथावरा । सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिव्वाणमाहियं ॥ २० ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए । २१ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे । उवसग्गे णियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ इत्थिपरिण्णा णाम चउत्थं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥

जे मायरं च पियरं च विप्पजहाय पुव्वसंजोगं । एगे सहिए चरिस्सामि आरयमेहुणो विवित्तेसु ॥ १ ॥ सुहुमेणं तं परिक्कम्म छण्णपएण इत्थिओ मंदा ।

णारायणे रिसी ॥ २ ॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी । पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३ ॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिता इह सम्मया । भोच्चा बीओदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥ ४ ॥ तत्थ मंदा विसीयंति वाहच्छिन्ना व गद्दभा । पिट्ठओ परिसप्पंति पिट्ठसप्पी य संभमे ॥ ५ ॥ इहमेगे उ भासंति सायं साएण विज्जई । जे तत्थ आरियं मग्गं परमं च समाहियं ॥ ६ ॥ मा एयं अवमन्नंता अप्पेणं लुंपहा बहुं । एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७ ॥ पाणाइवाए वट्टंता मुसावाए असंजया । अदिन्नादाणे वट्टंता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८ ॥ एवमेगे उ पासत्था पण्णवंति अणारिया । इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९ ॥ जहा गंडं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं । एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ १० ॥ जहा मंधादए णाम थिमियं भुंजई दगं । एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ ११ ॥ जहा विहंगमा पिंगा थिमियं भुंजई दगं । एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ १२ ॥ एवमेगे उ पासत्था मिच्छादिट्ठी अणारिया । अज्झोववण्णा कामेहिं पूयणा इव तरुणए ॥ १३ ॥ अणागयमपस्संता पच्चुप्पन्नगवेसगा । ते पच्छा परितप्पंति खीणे आउम्मि जोव्वणे ॥ १४ ॥ जेहिं काले परिक्कंतं ण पच्छा परितप्पए । ते धीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ १५ ॥ जहा णई वेयरणी दुत्तरा इह संमया । एवं लोगंसि णारीओ दुत्तरा अमईमया ॥ १६ ॥ जेहिं णारीण संजोगा पूयणा पिट्ठओ कया । सव्वमेयं णिराकिच्चा ते ठिया सुसमाहिए ॥ १७ ॥ एए ओघं तरिस्संति समुद्दं ववहारिणो । जत्थ पाणा विसण्णासि किच्चंती सयकम्मुणा ॥ १८ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय सुव्वए समिए चरे । मुसावायं च वज्जिज्जा अदिण्णादाणं च वोसिरे ॥ १९ ॥ उड्ढमहे तिरियं वा जे केई तसथावरा । सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिव्वाणमाहियं ॥ २० ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २१ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे । उवसग्गे णियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ इत्थिपरिण्णा णाम चउत्थं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥

जे मायरं च पियरं च विप्पजहाय पुव्वसंजोगं । एगे सहिए चरिस्सामि आरयमेहुणो विवित्तेसु ॥ १ ॥ सुहुमेणं तं परिक्कम्म छण्णपएण इत्थिओ मंदा ।

उवायं पि ताउ जाणंसु जहा लिस्संति भिक्खुणो एगे ॥ २ ॥ पासे भिसं णि
यंति अभिक्खणं पोसवत्थं परिहिंति । कायं अहे वि दंसंति बाहू उद्धट्टु क
मणुव्वजे ॥ ३ ॥ सयणासणेहिं जोगेहिं इत्थिओ एगया णिमंतंति । एयाणि
से जाणे पासाणि विरूवरूवाणि ॥ ४ ॥ णो तासु चक्खु संधेज्जा णो वि य स
समभिजाणे । णो सहियं पि विहरेज्जा एवमप्पा सुरक्खिओ होइ ॥ ५ ॥ आमं
उस्सविया भिक्खुं आयसा णिमंतंति । एयाणि चेव से जाणे सद्दाणि विरूवरू
॥ ६ ॥ मणबंधणेहिं णेगेहिं कलुणविणीयमुवगसित्ताणं । अदु मंजुलाइं भा
आणवयंति भिण्णकहाहिं ॥ ७ ॥ सीहं जहा व कुणिमेणं णिब्भयमेगचरं
पासेणं । एवित्थियाउ बंधंति संवुडं एगइयमणगारं ॥ ८ ॥ अह तत्थ
णमयंति रहकारो व णेमिं आणुपुव्वीए । बद्धे मिए व पासेणं फंदंते वि
मुच्चए ताहे ॥ ९ ॥ अह सेऽणुतप्पई पच्छा भोच्चा पायसं व विसमिस्सं ।
विवेगमायाय संवासो ण वि कप्पए दविए ॥ १० ॥ तम्हा उ वज्जए इत्थी विसलि
कण्टगं णच्चा । ओए कुलाणि वसवत्ती आघाए ण से वि णिग्गंथे ॥ ११ ॥ जे एयं
अणुगिद्धा अण्णयरा होंति कुसीलाणं । सुतवस्सिए वि से भिक्खू णो विहरे सह ण
त्थीसु ॥ १२ ॥ अवि धूयराहि सुण्हाहिं धाईहिं अदुव दासीहिं । महईहि वा कुमा
संथवं से ण कुज्जा अणगारे ॥ १३ ॥ अदु णाइणं च सुहीणं वा अप्पियं दट्ठु एगया हो
गिद्धा सत्ता कामेहिं रक्खणपोसणे मणुस्सोऽसि ॥ १४ ॥ समणं पि दट्ठुदासीणं तत्थ
ताव एगे कुप्पंति । अदु वा भोयणेहि णत्थेहिं इत्थीदोसं संकिणो होंति ॥ १
कुव्वंति संथवं ताहिं पब्भट्ठा समाहिजोगेहिं । तम्हा समणा ण समेंति आतहि
संणिसेज्जाओ ॥ १६ ॥ बहवे गिहाइं अवहट्टु मिस्सीभावं पत्थुया य एगे । धुवम
मेव पवयंति वायावीरियं कुसीलाणं ॥ १७ ॥ सुद्धं रवइ परिसाए अह र
म्मि दुक्कडं करेंति । जाणंति य णं तहाविऊ माइल्ले महासढेऽयं ति ॥ १
सयं दुक्कडं च ण वयइ आइट्ठो वि पकत्थइ बाले । वेयाणुवीइ मा कासी चो
यंतो गिलाइ से भुज्जो ॥ १९ ॥ ओसिया वि इत्थिपोसेसु पुरिसा इत्थिवेयखे
पण्णासमण्णिया वेगे णारीणं वसं उवकसंति ॥ २० ॥ अवि हत्थपायछेयाए
वा वद्धमंसउक्कंते । अवि तेयसाभितावणाणि तच्छिय खारसिंचणाइं य ॥ २१ ॥
कण्णणासच्छेयं कण्ठच्छेयणं तिइक्खंती । इइ एत्थ पावसंतत्ता ण बेंति पुणो

ति ॥ २२ ॥ सुतमेतमेवमेगेसिं इत्थीवेदेति हु सुयक्खायं । एवंपि ता वदित्ताणं अदुवा कम्मुणा अवकरेंति ॥ २३ ॥ अन्नं मणेण चिंतेंति वायाए अन्नं कम्मुणा अन्नं । तम्हा ण सद्दहे भिक्खू बहुमायाओ इत्थिओ णच्चा ॥ २४ ॥ जुवती समणं बूया विचित्तलंकारवत्थगाणि परिहित्ता । विरता चरिस्सहं रुक्खं धम्ममाइक्ख णे भयंतारो ॥ २५ ॥ अदु साविया पवाएणं अहमंसि साहम्मिणी य समणाणं । जउकुंभे जहा उवज्जोती संवासे विदू विसीएज्जा ॥ २६ ॥ जउकुंभे जोइउवगूढे आसुऽभितत्ते णासमुवयाइ । एवित्थियाहिं अणगारा संवासेण णासमुवयंति ॥ २७ ॥ कुव्वंति पावगं कम्मं पुट्ठा वेगेवमाहिंसु । नोऽहं करेमि पावं ति अंकेसाइणी ममेस त्ति ॥ २८ ॥ बालस्स मंदयं बीयं जं च कडं अवजाणई भुज्जो । दुगुणं करेइ से पावं पूयणकामो विसन्नेसी ॥ २९ ॥ संलोकणिज्जमणगारं आयगयं निमंतणेणाहंसु । वत्थं च ताइ पायं वा अन्नं पाणगं पडिग्गाहे ॥ ३० ॥ णीवारमेयं बुज्झेज्जा णो इच्छे अगारमागंतुं । बद्धे विसयपासेहिं मोहमावज्जइ पुणो मंदे ॥ ३१ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ चउत्थं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

ओए सया ण रज्जेज्जा भोगकामी पुणो विरज्जेज्जा । भोगे समणाण सुणेह जह भुंजंति भिक्खुणो एगे ॥ १ ॥ अह तं तु भेदमावन्नं मुच्छियं भिक्खुं काममतिवट्टं । पलिभिंदियाण तो पच्छा पादुद्धट्टु मुद्धि पहणंति ॥ २ ॥ जइ केसिया णं मए भिक्खू णो विहरे सह णमित्थीए । केसाणिवि हं लुंचिस्सं नन्नत्थ मए चरिज्जासि ॥ ३ ॥ अह णं से होई उवलद्धो तो पेसंति तहाभूएहिं । अलाउच्छेदं पेहेहि वग्गुफलाइं आहराहि त्ति ॥ ४ ॥ दारूणि सागपागाए पज्जोओ वा भविस्सती राओ । पाताणि य मे रयावेहि एहि य ता मे पिट्ठि उम्मद्दे ॥ ५ ॥ वत्थाणि य मे पडिलेहेहि अन्नं पाणं च आहराहि त्ति । गंधं च रओहरणं च कासवगं च मे समणुजाणाहि ॥ ६ ॥ अदु अंजणिं अलंकारं कुक्कययं मे पयच्छाहि । लोद्धं च लोद्धकुसुमं च वेणुपलासियं च गुलियं च ॥ ७ ॥ कुट्ठं तगरं च अगरुं संपिट्ठं सम्मं उसिरेणं । तेल्लं मुहभिलिंजाए वेणुफलाइं सन्निधानाए ॥ ८ ॥ नंदीचुण्णगाइं पाहराहि छत्तोवाहणं च जाणाहि । सत्थं च सूवच्छेज्जाए आणीलं च वत्थयं रयावेहि ॥ ९ ॥ सुफणिं च सागपागाए आमलगाइं दगाहरणं च । तिलगकरणिमंजणसलागं घिंसु मे विहूणयं

[illegible]

[illegible]

॥ पंचमं [illegible] बीओ उद्देसो ॥

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ४ ॥
[illegible]
[illegible] पुरा कडेहिं ॥ ५ ॥ ते संपगाढंसि पवज्जमाणा सिलाहि हम्मंति
णिपातिणीहिं । संतावणी णाम चिरट्ठिईया संतप्पई जत्थ असाहुकम्मा ॥ ६ ॥
कंदूसु पक्खिप्प पयंति बालं ततो वि दड्ढा पुण उप्पयंति । ते उड्ढकाएहिं पख-
माणा अवरेहिं खज्जंति सणप्फएहिं ॥ ७ ॥ समूसियं णाम विधूमठाणं जं सोयतत्ता
कलुणं थणंति । अहोसिरं कट्टु विगत्तिऊणं अयं व सत्थेहिं समोसवेंति ॥ ८ ॥
समूसिया तत्थ विसूणियंगा पक्खीहिं खज्जंति अओमुहेहिं । संजीवणी णाम चिरट्ठिईया
जंसी पया हम्मइ पावचेया ॥ ९ ॥ तिक्खाहिं सूलाहिं णिवाययंति वसोगयं सावययं
व लद्धं । ते सूलविद्धा कलुणं थणंति एगंतदुक्खं दुहओ गिलाणा ॥ १० ॥ सया
जलं णाम णिहं महंतं जंसी जलंतो अगणी अकट्ठो । चिट्ठंति बद्धा बहुकूरकम्मा
अरहस्सरा केइ चिरट्ठिईया ॥ ११ ॥ चिया महंतीउ समारभित्ता छुब्भंति ते तं
कलुणं रसंतं । आवट्टई तत्थ असाहुकम्मा सप्पी जहा पडियं जोइमज्झे ॥ १२ ॥
सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । हत्थेहि पाएहि य बंधिऊणं
सत्तुव्वदण्डेहि समारभंति ॥ १३ ॥ भंजंति बालस्स वहेण पुट्ठी सीसं पि भिंदंति
अयोघणेहिं । ते भिण्णदेहा फलगं व तच्छा तत्ताहि आराहि णियोजयंति ॥ १४ ॥

भिंजिया बद अगाढुकम्मा उसुचोइया हत्थिवहं वहंति । एगं दुरुहित्तु दुवे
ओ वा आरुस्स विज्झंति ककाणओ से ॥ १५ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमंता
विज्जलं कंटइल्लं महंतं । विबद्धतप्पेहिं विवण्णचित्ते समीरिया कोट्टबलिं करेंति
१६ ॥ वेयालिए णाम महाभितावे एगायए पव्वयमंतलिक्खे । हम्मंति तत्था
हुकूरकम्मा परं सहस्साण मुहुत्तगाणं ॥ १७ ॥ संबाहिया दुक्कडिणो थणंति अहो
य राओ परितप्पमाणा । एगंतकूडे णरए महंते कूडेण तत्था विसमे हया उ
॥ १८ ॥ भंजंति णं पुव्वमरीसरोसं समुग्गरे ते मुसले गहेउं । ते भिण्णदेहा रुहिरं
मंता ओमुद्धगा धरणितले पडंति ॥ १९ ॥ अणासिया णाम महासियाला पाग-
ब्भिणो तत्थ सयायकोवा । खज्जंति तत्था बहुकूरकम्मा अदूरगा संकलियाहिं बद्धा
॥ २० ॥ सयाजला णाम णई भिदुग्गा पविज्जलं लोहविलीणतत्ता । जंसी भिदु-
ग्गंसि पवज्जमाणा एगायताणुक्कमणं करेंति ॥ २१ ॥ एयाइं फासाइं फुसंति बालं
णिरंतरं तत्थ चिरट्ठिईयं । ण हम्ममाणस्स उ होइ ताणं एगो सयं पच्चणुहोइ दुक्खं
॥ २२ ॥ जं जारिसं पुव्वमकासि कम्मं तमेव आगच्छइ संपराए । एगंतदुक्खं
भवमज्जणित्ता वेयंति दुक्खी तमणंतदुक्खं ॥ २३ ॥ एयाणि सोच्चा णरगाणि धीरे
ण हिंसए किंचण सव्वलोए । एगंतदिट्ठी अपरिग्गहे उ बुज्झिज्ज लोगस्स वसं ण
गच्छे ॥२४॥ एवं तिरिक्खेमणुयासु(म)रेसुं चउरंतणंतं तयणुव्विवागं । स सव्वमेयं
इइ वेयइत्ता कंखेज्ज कालं धुयमायरेज्ज ॥ २५ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ महावीरत्थुई णाम छट्ठं अज्झयणं ॥

पुच्छिस्सु णं समणा माहणा य अगारिणो या परतित्थिया य । से केइ णेगंत-
हियं धम्ममाहु अणेलिसं साहुसमिक्खयाए ॥ १ ॥ कहं च णाणं कह दंसणं से
सीलं कहं णायसुयस्स आसि । जाणासि णं भिक्खु जहातहेणं अहासुयं बूहि जहा
णिसंतं ॥ २ ॥ खेयण्णए से कुसलासुपण्णे अणंतणाणी य अणंतदंसी । जसंसिणो
चक्खुपहे ठियस्स जाणाहि धम्मं च धिइं च पेहि ॥ ३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं
दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । से णिच्चणिच्चेहिं समिक्ख पण्णे दीवे व
धम्मं समियं उदाहु ॥ ४ ॥ से सव्वदंसी अभिभूयणाणी णिरामगंधे धिइमं ठियप्पा ।
अणुत्तरे सव्वजगंसि विज्जं गंथा अईए अभए अणाऊ ॥५॥ से भूइपण्णे अणिए-
अचारी ओहंतरे धीरे अणंतचक्खू । अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा वइरोयणिंदे व

पाणी ॥ २४ ॥ पुढोवमे धुणइ विगयगेही ण संणिहिं कुव्वइ आसुपण्णे । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं अभयंकरे वीर अणंतचक्खू ॥ २५ ॥ कोहं च माणं च तहेव मायं लोभं चउत्थं अज्झत्तदोसा । एयाणि वंता अरहा महेसी ण कुव्वई पाव ण कारवेइ ॥ २६ ॥ किरियाकिरियं वेणइयाणुवायं अण्णाणियाणं पडियच्च ठाणं । से सव्ववायं इइ वेयइत्ता उवट्ठिए संजमदीहरायं ॥ २७ ॥ से वारिया इत्थि सराइभत्तं उवहाणवं दुक्खखयट्ठयाए । लोगं विदित्ता आरं परं च सव्वं पभू वारिय सव्ववारं ॥२८॥ सोच्चा य धम्मं अरहंतभासियं समाहियं अट्ठपदोवसुद्धं । तं सद्दहाणा य जणा अणाऊ इंदा व देवाहिव आगमिस्संति ॥२९॥ त्ति बेमि ॥

॥ कुसीलपरिभासियं णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

पुढवी य आऊ अगणी य वाऊ तण-रुक्ख बीया य तसा य पाणा । जे अंडया जे य जराउ पाणा संसेयया जे रसयाभिहाणा ॥ १ ॥ एयाइं कायाइं पवेइयाइं एएसु जाणे पडिलेह सायं । एएण काएण य आयदंडे एएसु या विप्परियासुवेंति ॥ २ ॥ जाईपहं अणुपरिवट्टमाणे तसथावरेहिं विणिघायमेइ । से जाइ जाई बहुकूरकम्मे जं कुव्वई मिज्जइ तेण बाले ॥ ३ ॥ अस्सिं च लोए अदु वा परत्था सयग्गसो वा तह अण्णहा वा । संसारमावण्ण परं परं ते बंधंति वेयंति य दुण्णियाणि ॥ ४ ॥ जे मायरं वा पियरं च हिच्चा समणव्वए अगणिं समारभिज्जा । अहाहु से लोए कुसीलधम्मे भूयाइं जे हिंसइ आयसाए ॥ ५ ॥ उज्जालओ पाण निवायएज्जा णिव्वावओ अगणिं णिवायएज्जा । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं ण पंडिए अगणिं समारभिज्जा ॥ ६ ॥ पुढवी वि जीवा आऊ वि जीवा पाणा य संपाइम संपयंति । संसेयया कट्ठसमस्सिया य एए दहे अगणिं समारभंते ॥ ७ ॥ हरियाणि भूयाणि विलम्बगाणि आहार देहा य पुढो सियाइ । जे छिंदई आयसुहं पडुच्च पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई ॥ ८ ॥ जाइं च वुड्ढिं च विणासयंते बीयाइ अस्संजय आयदंडे । अहाहु से लोए अणज्जधम्मे बीयाइ से हिंसइ आयसाए ॥ ९ ॥ गब्भाइ मिज्जंति बुयाबुयाणा णरा परे पंचसिहा कुमारा । जुवाणगा मज्झिम थेरगा य चयंति ते आउखए पलीणा ॥ १० ॥ संबुज्झहा जंतवो माणुसत्तं दट्ठुं भयं बालिसेणं अलम्भो । एगंतदुक्खे जरिए च लोए सकम्मुणा विप्परियासुवेइ ॥ ११ ॥ इहेग मूढा पवयंति मोक्खं आहारसंपज्जणवज्जणेणं । एगे य सीओदग-

सेवणेणं हुएण एगे पवयंति मोक्खं ॥ १२ ॥ पाओसिणाणाइसु णत्थि मोक्
खारस्स लोणस्स अणासणेणं । ते मज्जमंसं लसुणं च भोच्चा अण्णत्थ वासं प
कप्पयंति ॥ १३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरंति सायं च पायं उदगं फुसंता । उ
गस्स फासेण सिया य सिद्धी सिज्झिसु पाणा बहवे दगंसि ॥१४॥ मच्छा य कु
य सिरीसिवा य मग्गू य उट्टा दगरक्खसा य । अट्ठाणमेयं कुसला वयंति उद
जे सिद्धिमुदाहरंति ॥ १५ ॥ उदगं जई कम्ममलं हरेज्जा एवं सुहं इच्छामित्तमे
अंधं व णेयारमणुस्सरित्ता पाणाणि चेवं विणिहंति मंदा ॥ १६ ॥ पावाइं कम
पकुव्वओ हि सिओदगं ऊ जइ तं हरेज्जा । सिज्झिसु एगे दगसत्तघाई मुसं व
जलसिद्धिमाहु ॥१७॥ हुएण जे सिद्धिमुदाहरंति सायं च पायं अगणिं फुसंता ।
सिया सिद्धि हवेज्ज तम्हा अगणिं फुसंताण कुकम्मिणं पि ॥१८॥ अपरिक्ख दिट्ठं
सिद्धीएहिंति ते घायमबुज्झमाणा । भूएहिं जाणं पडिलेह सायं विज्जं गहायं तस
रेहिं ॥१९॥ थणंति लुप्पंति तसंति कम्मी पुढो जगा परिसंखाय भिक्खू । तम्हा
विरओ आयगुत्ते दट्ठुं तसे या पडिसंहरेज्जा ॥२०॥ जे धम्मलद्धं विणिहाय
वियडेण साहट्टु य जे सिणाइं । जे धोवई लूसयई व वत्थं अहाहु से णागणि
दूरे ॥ २१ ॥ कम्मं परिण्णाय दगंसि धीरे वियडेण जीवेज्ज य आदिमोक्खं
बीयकंदाइ अभुंजमाणे विरए सिणाणाइसु इत्थियासु ॥२२॥ जे मायरं च पिय
हिच्चा गारं तहा पुत्तपसुं धणं च । कुलाइं जे धावइ साउगाइं अहाहु से सामणि
दूरे ॥ २३ ॥ कुलाइं जे धावइ साउगाइं आघाइ धम्मं उयराणुगिद्धे । अहा
आयरियाण सयंसे जे लावएज्जा असणस्स हेऊ ॥२४॥ णिक्खम्म दीणे परभोय
मुहमंगलीए उयराणुगिद्धे । णीवारगिद्धे व महावराहे अदूरए एहिइ घा
॥२५॥ अण्णस्स पाणस्सिह लोइयस्स अणुप्पियं भासइ सेवमाणे । पास
चेव कुसीलयं च णिस्सारए होइ जहा पुलाए ॥ २६ ॥ अण्णायपिण्डेणऽहि
एज्जा णो पूयणं तवसा आवहेज्जा । सद्देहिं रूवेहिं असज्जमाणं सव्वेहिं क
विणीय गेहिं ॥ २७ ॥ सव्वाइं संगाइं अइच्च धीरे सव्वाइं दुक्खाइं तितिक्खमा
अखिले अगिद्धे अणिएयचारी अभयंकरे भिक्खू अणाविलप्पा ॥ २८ ॥ भ
जाआ मुणि भुंजएज्जा कंखेज्ज पावस्स विवेग भिक्खू । दुक्खेण पुट्ठे धुयमाइ
संगामसीसे व परं दमेज्जा ॥ २९ ॥ अवि हम्ममाणे फलगावयट्ठी समागमं

अंतगरस । णिधूय कम्मं ण पवंचुवेइ अक्खक्खए वा सगडं त्ति बेमि ॥ ३० ॥

वीरियं णाम अट्ठमं अज्झयणं

दुहा चेयं सुयक्खायं वीरियं ति पवुच्चई । किं णु वीरस्स वीरत्तं कहं चेयं पवुच्चई ॥ १ ॥ कम्ममेगे पवेदेंति अकम्मं वा वि सुव्वया । एएहिं दोहि ठाणेहिं जेहिं दीसंति मच्चिया ॥ २ ॥ पमायं कम्ममाहंसु अप्पमायं तहावरं । तब्भावादेसओ वा वि बालं पण्डियमेव वा ॥ ३ ॥ सत्थमेगे तु सिक्खंता अइवायाय पाणिणं । एगे मंते अहिज्जंति पाणभूयविहेडिणो ॥ ४ ॥ माविणो कट्टु माया य कामभोगे समारभे । हंता छेत्ता पगब्भित्ता आयसायाणुगामिणो ॥ ५ ॥ मणसा वयसा चेव कायसा चेव अंतसो । आरओ परओ वा वि दुहा वि य असंजया ॥ ६ ॥ वेराइं कुव्वइ वेरी तओ वेरेहिं रज्जई । पावोवगा य आरम्भा दुक्खफासा य अंतसो ॥ ७ ॥ संपरायं णियच्छंति अत्तदुक्कडकारिणो । रागदोसस्सिया बाला पावं कुव्वंति ते बहुं ॥ ८ ॥ एयं सकम्मविरियं बालाणं तु पवेइयं । इत्तो अकम्मविरियं पण्डियाणं सुणेह मे ॥९॥ दविए बंधणुम्मुक्के सव्वओ छिण्णबंधणे । पणोल्ल पावगं कम्मं सल्लं कंतइ अंतसो ॥ १० ॥ णेयाउयं सुयक्खायं उवायाय समीहए । भुज्जो भुज्जो दुहावासं असुहत्तं तहा तहा ॥ ११ ॥ ठाणी विविहठाणाणि चइस्संति ण संसओ । अणियए अयं वासे णायएहि सुहीहि य ॥ १२ ॥ एवमायाय मेहावी अप्पणो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपज्जे सव्वधम्ममकोवियं ॥१३॥ सहसंमइए णच्चा धम्मसारं सुणेत्तु वा । समुवट्ठिए उ अणगारे पच्चक्खायपावए ॥ १४ ॥ जं किंचुवक्कमं जाणे आउक्खेमस्स अप्पणो । तस्सेव अंतरा खिप्पं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिए ॥ १५ ॥ जहा कुम्मे सअंगाइं सए देहे समाहरे । एवं पावाइं मेहावी अज्झप्पेण समाहरे ॥१६॥ साहरे हत्थपाए य मणं पंचिंदियाणि य । पावगं च परीणामं भासादोसं च तारिसं ॥१७॥ अणु माणं च मायं च तं परिण्णाय पण्डिए । सायागारवणिहुए उवसंते णिहे चरे ॥ १८ ॥ पाणे य णाइवाएज्जा अदिण्णं पि य णायए । साइयं ण मुसं बूया एस धम्मे वुसीमओ ॥ १९ ॥ अइक्कमंति वायाए मणसा वि ण पत्थए । सव्वओ संवुडे दंते आयाणं सुसमाहरे ॥ २० ॥ कडं च कज्जमाणं च आगमिस्सं च पावगं । सव्वं तं णाणुजाणंति आयगुत्ता जिइंदिया ॥ २१ ॥ जे याऽबुद्धा महाभागा वीरा असमत्तदंसिणो । असुद्धं तेसिं परक्कंतं सफलं होइ सव्वसो ॥ २२ ॥ जे य बुद्धा महाभागा वीरा

ारं पासवणं हरिएसु ण करे मुणी । वियडेण वा वि साहट्टु णावमज्जे कयाइ ॥ १९ ॥ परमत्ते अण्णपाणं ण भुंजेज्ज कयाइ वि । परवत्थं अचेलो वि तं विज्जं रिजाणिया ॥ २० ॥ आसंदी पलियंके य णिसिज्जं च गिहंतरे । संपुच्छणं सरणं तं विज्जं परिजाणिया ॥ २१ ॥ जसं कित्तिं सिलोयं च जा य वंदणपूयणा । व्वलोयंसि जे कामा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २२ ॥ जेणेहं णिव्वहे भिक्खू अण्ण-णं तहाविहं । अणुप्पयाणमण्णेसिं तं विज्जं परिजाणिया ॥ २३ ॥ एवं उदाहु ग्गंथे महावीरे महामुणी । अणंतणाणदंसी से धम्मं देसितवं सुतं ॥ २४ ॥ भास-गो ण भासेज्जा णेव वम्फेज्ज मम्मयं । माइट्ठाणं विवज्जेज्जा अणुचिंतिय वियागरे २५ ॥ तत्थिमा तइया भासा जं वइत्ताणुतप्पई । जं छण्णं तं ण वत्तव्वं एसा ाणा णियण्ठिया ॥ २६ ॥ होलावायं सहीवायं गोयावायं च णो वए । तुमं तुमं । अमणुण्णं सव्वसो तं ण वत्तए ॥ २७ ॥ अकुसीले सया भिक्खू णेव संसग्गियं ए । सुहरूवा तत्थुवसग्गा पडिबुज्झेज्ज ते विऊ ॥ २८ ॥ णण्णत्थ अंतराएणं गेहे ण णिसीयए । गामकुमारियं किड्डं णाइवेलं हसे मुणी ॥ २९ ॥ अणुस्सुओ रालेसु जयमाणो परिव्वए । चरियाए अप्पमत्तो पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥ ३० ॥ म्ममाणो ण कुप्पेज्ज वुच्चमाणो ण संजले । सुमणे अहियासेज्जा ण य कोलाहलं करे ३१ ॥ लद्धे कामे ण पत्थेज्जा विवेगे एवमाहिए । आयरियाइं सिक्खेज्जा बुद्धाणं तिए सया ॥ ३२ ॥ सुस्सूसमाणो उवासेज्जा सुप्पण्णं सुतवस्सियं । वीरा जे अत्त-ण्णेसी धिइमंता जिइंदिया ॥ ३३ ॥ गिहे दीवमपासंता पुरिसादाणिया णरा । वीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ३४ ॥ अगिद्धे सद्दफासेसु आरम्भेसु णिस्सिए । सव्वं तं समयाईयं जमेयं लवियं बहु ॥ ३५ ॥ अइमाणं च मायं च परिण्णाय पंडिए । गारवाणि य सव्वाणि णिव्वाणं संधए मुणि ॥ ३६ ॥ त्ति मि ॥

॥ समाही णाम दसमं अज्झयणं ॥

आघं मईमं अणुवीइ धम्मं अंजू समाहिं तमिमं सुणेह । अपडिण्ण भिक्खू उ माहिपत्ते अणियाण भूएसु परिव्वएज्जा ॥ १ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु सा य जे थावर जे य पाणा । हत्थेहि पाएहि य संजमित्ता अदिण्णमण्णेसु य णो हेज्जा ॥२॥ सुयक्खायधम्मे वितिगिच्छतिण्णे लाढे चरे आयतुले पयासु । आयं ण

...म्पाय गिण्हएज्जा । सिलप्पकाइं दुहाइं मत्ता वेराणुबंधीणि महब्भयाणि ॥२१॥ मुसं ण बूया मुणि अत्तगामी णिव्वाणमेयं कसिणं समाहिं । सयं ण कुज्जा ण य कारवेज्जा करंतमन्नं पि य णाणुजाणे ॥ २२ ॥ सुद्धे सिया जाए ण दूसएज्जा अमुच्छिए ण य अज्झोववण्णे । धिइमं विमुक्के ण य पूयणट्ठी ण सिलोयगामी य परिव्वएज्जा ॥ २३ ॥ णिक्खम्म गेहाउ निरावकंखी कायं विउसेज्ज नियाणछिन्ने । णो जीवियं णो मरणाभिकंखी चरेज्ज भिक्खू वलया विमुक्के ॥ २४ ॥ त्ति बेमि ॥

मग्गे णाम एगारसमं अज्झयणं

कयरे मग्गे अक्खाए माहणेणं मईमया । जं मग्गं उज्जु पावित्ता ओहं तरइ दुत्तरं ॥१॥ तं मग्गं णुत्तरं सुद्धं सव्वदुक्खविमोक्खणं । जाणासि णं जहा भिक्खू तं णो बूहि महामुणी ॥ २ ॥ जइ णो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा । तेसिं तु कयरं मग्गं आइक्खेज्ज कहाहि णो ॥ ३ ॥ जइ वो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा । तेसिमं पडिसाहिज्जा मग्गसारं सुणेह मे ॥ ४ ॥ अणुपुव्वेण महाघोरं कासवेण पवेइयं । जमादाय इओ पुव्वं समुद्दं ववहारिणो ॥ ५ ॥ अतरिंसु तरंतेगे तरिस्संति अणागया । तं सोच्चा पडिवक्खामि जंतवो तं सुणेह मे ॥ ६ ॥ पुढवीजीवा पुढो सत्ता आउजीवा तहाऽगणी । वाउजीवा पुढो सत्ता तणरुक्खा सबीयगा ॥ ७ ॥ अहावरा तसा पाणा एवं छक्काय आहिया । एयावए जीवकाए णावरे कोइ विज्जई ॥ ८ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं मइमं पडिलेहिया । सव्वे अक्कंतदुक्खा य अओ सव्वे ण हिंसया ॥ ९ ॥ एयं खु णाणिणो सारं जं ण हिंसइ कंचण । अहिंसा समयं चेव एयावंतं वियाणिया ॥ १० ॥ उड्ढं अहे य तिरियं जे केइ तस-थावरा । सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिव्वाणमाहियं ॥ ११ ॥ पभू दोसे णिराकिच्चा ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव कायसा चेव अंतसो ॥ १२ ॥ संवुडे से महापण्णे धीरे दत्तेसणं चरे । एसणासमिए णिच्चं वज्जयंते अणेसणं ॥ १३ ॥ भूयाइं च समारब्भ तमुद्दिस्सा य जं कडं । तारिसं तु ण गिण्हेज्जा अण्णपाणं सुसंजए ॥ १४ ॥ पूइकम्मं ण सेवेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । जं किंचि अभिकंखेज्जा सव्वसो तं ण कप्पए ॥ १५ ॥ हणंतं णाणुजाणेज्जा आयगुत्ते जिइंदिए । ठाणाइं संति सड्ढीणं गामेसु णगरेसु वा ॥ १६ ॥ तहा गिरं समारब्भ अत्थि पुण्णं ति णो

परओ वा वि णच्चा अलमप्पणो होति अलं परेसिं । तं जोइभूयं च सयावसेज्जा जे पाउकुज्जा अणुवीइधम्मं ॥१९॥ अत्ताण जो जाणइ जो य लोगं गइं च जो जाण णागइं च । जो सासयं जाण असासयं च जाइं च मरणं च जणोववायं ॥२०॥ अहो वि सत्ताण विउट्टणं च जो आसवं जाणइ संवरं च । दुक्खं च जो जाणइ णिज्जरं च सो भासिउमरिहइ किरियवायं ॥ २१ ॥ सद्देसु रूवेसु असज्जमाणे गंधेसु रसेसु अदुस्समाणे । णो जीवियं णो मरणाभिकंखी आयाणगुत्ते वलया विमुक्के ॥२२॥ त्ति वेमि ॥

आहत्तहीयं णाम तेरसमं अज्झयणं

आहत्तहीयं तु पवेयइस्सं णाणप्पकारं पुरिसस्स जायं । सओ य धम्मं असओ असीलं संतिं असंतिं करिस्सामि पाउं ॥ १ ॥ अहो य राओ य समुट्ठिएहिं तहागएहिं पडिलब्भ धम्मं । समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेवं फरुसं वयंति ॥ २ ॥ विसोहियं ते अणुकाहयंते जे आयभावेण वियागरेज्जा । अट्ठाणिए होइ बहूगुणाणं जे णाणसंकाइ मुसं वएज्जा ॥ ३ ॥ जे यावि पुट्ठा पलिउंचयंति आयाणमट्ठं खलु वंचइत्ता । असाहुणो ते इह साहु माणी मायण्णि एस्संति अणंतघायं ॥ ४ ॥ जे कोहणे होइ जयट्ठभासी विओसियं जे उ उदीरएज्जा । अंधे व से दंडपहं गहाय अविओसिए धासइ पावकम्मी ॥ ५ ॥ जे विग्गहीए अण्णायभासी ण से समे होइ अझंझपत्ते । उवायकारी य हिरीमणे य एगंतदिट्ठी य अमाइरूवे ॥ ६ ॥ से पेसले सुहुमे पुरिसजाए जच्चण्णिए चेव सुउज्जुयारे । बहुं पि अणुसासिए जे तहचा समे हु से होइ अझंझपत्ते ॥ ७ ॥ जे यावि अप्पं वसुमं ति मत्ता संखाय वायं अपरिक्ख कुज्जा । तवेण वाहं सहिउ त्ति मत्ता अण्णं जणं पस्सइ विम्बभूयं ॥ ८ ॥ एगंतकूडेण उ से पलेइ ण विज्जई मोणपयंसि गोत्ते । जे माणणट्ठेण विउक्कसेज्जा वसुमण्णतरेण अबुज्झमाणे ॥ ९ ॥ जे माहणे खत्तियजायए वा तहुग्गपुत्ते तह लेच्छई वा । पव्वइए परदत्तभोई गोत्ते ण जे थब्भइ माणबद्धे ॥ १० ॥ ण तस्स जाई व कुलं व ताणं णण्णत्थ विज्जाचरणं सुचिण्णं । णिक्खम्म से सेवइऽगारिकम्मं ण से पारए होइ विमोयणाए ॥ ११ ॥ णिक्किंचणे भिक्खु सुलूहजीवी जे गारवं होइ सिलोगकामी । आजीवमेयं तु अबुज्झमाणो पुणो पुणो विप्परियासुवेंति ॥ १२ ॥ जे भासवं भिक्खु सुसाहुवाई पडिहाणवं होइ विसारए य । आगाढपण्णे सुविभावि-

पा अण्णं जणं पण्णया परिहवेज्जा ॥ १३ ॥ एवं ण से होइ समाहिपत्ते जे
णवं भिक्खू विउक्कसेज्जा । अहवा वि जे लाहमयावलित्ते अण्णं जणं खिसइ
लपण्णे ॥ १४ ॥ पण्णामयं चेव तवोमयं च णिण्णामए गोयमयं च भिक्खू ।
ाजीवगं चेव चउत्थमाहु से पंडिए उत्तमपोग्गले से ॥ १५ ॥ एयाइं मयाइं
गिंच धीरा ण ताणि सेवंति सुधीरधम्मा । ते सव्वगोत्तावगया महेसी उच्चं अगोत्तं
गइं वयंति ॥ १६ ॥ भिक्खू मुयच्चे तह दिट्ठधम्मे गामं च णगरं च अणुप्प-
विस्सा । से एसणं जाणमणेसणं च अण्णस्स पाणस्स अणाणुगिद्धे ॥ १७ ॥ अरइं
इं च अभिभूय भिक्खू बहूजणे वा तह एगचारी । एगंतमोणेण वियागरेज्जा
एगस्स जंतो गइरागई य ॥ १८ ॥ सयं समेच्चा अदुवा वि सोच्चा भासेज्ज धम्मं
हियं पयाणं । जे गरहिया सणियाणप्पओगा ण ताणि सेवंति सुधीरधम्मा ॥१९॥
केसिंचि तक्काइ अबुज्झ भावं खुद्दं पि गच्छेज्ज असद्दहाणे । आउस्स कालाइयारं
वघाए लद्धाणुमाणे य परेसु अट्ठे ॥ २० ॥ कम्मं च छंदं च विगिंच धीरे विण-
इज्ज ऊ सव्वउ आयभावं । रूवेहि लुप्पंति भयावहेहिं विज्जं गहाया तसथावरेहिं
॥ २१ ॥ ण पूयणं चेव सिलोयकामी पियमप्पियं कस्सइ णो करेज्जा । सव्वे अणट्ठे
परिवज्जयंते अणाउले या अकसाइ भिक्खू ॥ २२ ॥ आहत्तहीयं समुपेहमाणे सव्वेहिं
पाणेहिं णिहाय दंडं । णो जीवियं णो मरणाहिकंखी परिव्वएज्जा वलया विमुक्के
॥ २३ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ गंथो णाम चउद्दसमं अज्झयणं ॥

गंथं विहाय इह सिक्खमाणो उट्ठाय सुबम्भचेरं वसेज्जा । ओवायकारी विणयं
सुसिक्खे जे छेय से विप्पमायं ण कुज्जा ॥ १ ॥ जहा दियापोयमपत्तजायं सावासगा
पविउं मण्णमाणं । तमचाइयं तरुणमपत्तजायं ढंकाइ अव्वत्तगमं हरेज्जा ॥ २ ॥
एवं तु सेहं पि अपुट्ठधम्मं णिस्सारियं बुसिमं मण्णमाणा । दियस्स छायं व अपत्त-
जायं हरिंसु णं पावधम्मा अणेगे ॥ ३ ॥ ओसाणमिच्छे मणुए समाहिं अणोसिए
णंतकरिं ति णच्चा । ओभासमाणे दवियस्स वित्तं ण णिक्कसे बहिया आसुपण्णो ॥४॥
जे ठाणओ य सयणासणे य परक्कमे यावि सुसाहुजुत्ते । समिईसु गुत्तीसु य आय-
पण्णे वियागरिंते य पुढो वएज्जा ॥ ५ ॥ सद्दाणि सोच्चा अदु भेरवाणि अणासवे
तेसु परिव्वएज्जा । णिद्दं च भिक्खू ण पमाय कुज्जा कहंकहं वा वितिगिच्छतिण्णे

॥६॥ डहरेण वुड्ढेणऽणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं। सम्मं तयं थि
णाभिगच्छे णिज्जंतए वावि अपारए से ॥७॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डह
वुड्ढेण उ चोइए य। अच्चुट्ठियाए घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणु
॥८॥ ण तेसु कुज्झे ण य पव्वहेज्जा ण यावि किंची फरुसं वएज्जा। तहा करि
ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं ण पमाय कुज्जा ॥९॥ वणंसि मूढस्स जहा अमू
मग्गाणुसासंति हियं पयाणं। तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे बुहा समणुसासयंति
॥१०॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता। एओवमं तत्
उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥११॥ णेया जहा अंधकारंसि रा
मग्गं ण जाणाइ अपस्समाणे। से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि
॥१२॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं ण जाणाइ अबुज्झमाणे। से कोविए जि
वयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥१३॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तस
य जे थावर जे य पाणा। सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकंपमाणे
॥१४॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं। तं सोयकारी
य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥१५॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी
एएसु या संति णिरोहमाहु। ते एवमक्खंति तिलोगदंसी ण भुज्जमेयंति पमाय
संगं ॥१६॥ णिसम्म से भिक्खू समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य।
आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥१७॥ संखाइ धम्मं च
वियागरंति बुद्धा हु ते अंतकरा भवंति। ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए संसोधियं
पण्हमुदाहरंति ॥१८॥ णो छायए णो वि य लूसएज्जा माणं ण सेवेज्ज पगासणं
च। ण यावि पण्णे परिहास कुज्जा ण याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥१९॥ भूया
भिसंकाइ दुगुंछमाणे ण णिव्वहे मंतपएण गोयं। ण किंचिमिच्छे मणुए पयासु
असाहुधम्माणि ण संवएज्जा ॥२०॥ हासं पि णो संधइ पावधम्मे ओए तहियं
फरुसं वियाणे। णो पुच्छए णो य विकंथइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥२१॥
संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा। भासादुयं धम्मसमु
ट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपण्णे ॥२२॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तह
तहा साहु अकक्कसेणं। ण कत्थई भास विहिंसइज्जा णिरुद्धगं वावि ण दीहइज्जा
॥२३॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी णिसामिया समियाअट्ठदंसी। आणाइ सुद्धं

यणं मिउंजे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ अहाबुइयाइं सुसिक्खएज्जा इज्जया णाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि ण लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं २५ ॥ अलूसए णो पच्छण्णभासी णो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइवायं सुयं च सम्मं पडिवाययंति ॥ २६ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विंदइ तत्थ तत्थ । आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहइ भासिउं तं समाहिं २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ जमईए णाम पण्णरसमं अज्झयणं ॥

जमईअं पडुप्पण्णं आगमिस्सं च णायओ । सव्वं मण्णइ तं ताई दंसणावरणंतए ॥ १ ॥ अंतए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं । अणेलिसस्स अक्खाया ण से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए । सया सच्चेण संपण्णे मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ भूएहिं ण विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । वुसिमं जगं परिण्णाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले णावा व आहिया । णावा व तीरसंपण्णा सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ तिउट्टइ उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं । तुट्टंति पावकम्माणि णवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ अकुव्वओ णवं णत्थि कम्मं णाम विजाणइ । विण्णाय से महावीरे जेण जाई ण मिज्जई ॥ ७ ॥ ण मिज्जई महावीरे जस्स णत्थि पुरेकडं । वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ इत्थियो जे ण सेवंति आइमोक्खा हु ते जणा । ते जणा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ९ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अंतं पावंति कम्मुणं । कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते । अणासए जए दंते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ णीवारे व ण लीएज्जा छिण्णसोए अणाविले । अणाइले सया दंते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥ १२ ॥ अणेलिसस्स खेयण्णे ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अंतए । अंतेण खुरो वहई चक्कं अंतेण लोट्टई ॥ १४ ॥ अंताणि धीरा सेवंति तेण अंतकरा इह । इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं णरा ॥१५॥ णिट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं । सुयं य मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु णो तहा ॥१६॥ अंतं करंति दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं । आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए

[illegible]

॥ गाहा णाम सोलसमं अज्झयणं ॥

[illegible] ॥ १ ॥ एत्थ वि समणे अणिस्सिए अणियाणे आयाणं च [illegible] च [illegible] च बहिद्धं च कोहं च माणं च मायं च लोहं च पिज्जं च दोसं च इच्चेव जओ जओ आयाणं अप्पणो पदोसहेऊ तओ तओ आयाणाओ पुव्वं पडिविरए पाणाइवाया सिआ दंते दविए वोसट्ठकाए समणे त्ति वचे ॥ २ ॥ एत्थ वि भिक्खू अणुण्णए विणीए णामए दंते दविए वोसट्ठकाए संविधुणीय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अज्झप्पजोगसुद्धादाणे उवट्ठिए ठिअप्पा संखाए परदत्तभोई भिक्खू त्ति वचे ॥ ३ ॥ एत्थ वि णिग्गंथे एगे एगविऊ बुद्धे संछिण्णसोए सुसंजए सुसमिए सुसामाइए आयवायपत्ते विऊ दुहओ वि सोयपलिछिण्णे णो पूयणसक्कारलाभट्ठी धम्मट्ठी धम्मविऊ णियागपडिवण्णे समियं चरे दंते दविए वोसट्ठकाए णिग्गंथे त्ति वचे ॥ ४ ॥ से एवमेव जाणह जमहं भयंतारो ॥ त्ति बेमि ॥ **पढमे सुयक्खंधे समत्ते ॥**

णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए, महंते सेए, जाव विसण्णे चउत्थे पुरिसजाए ॥५॥ अह भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयण्णे जाव गइपरक्कमण्णू अन्नयराओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं जाव पडिरूवं। ते तत्थ चत्तारि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि विसण्णे। तए णं से भिक्खू एवं वयासी—अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा जाव णो मग्गस्स गइपरक्कमण्णू जं एए पुरिसा एवं मन्ने अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो, णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयण्णे जाव मग्गस्स गइपरक्कमण्णू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से भिक्खू णो अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा सद्दं कुज्जा—उप्पयाहि खलु भो पउमवरपोण्डरीया! उप्पयाहि। अह से उप्पइए पउमवरपोण्डरीए॥६॥ किट्टिए णाए समणाउसो! अट्ठे पुण से जाणियव्वे भवइ। भंते! त्ति समणं भगवं महावीरं णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—किट्टिए णाए समणाउसो! अट्ठं पुण से ण जाणामो समणाउसो त्ति। समणे भगवं महावीरे ते य बहवे णिग्गंथे य णिग्गंथीओ य आमंतेत्ता एवं वयासी—हंत समणाउसो! आइक्खामि विभावेमि किट्टेमि पवेएमि सअट्ठं सहेउं सनिमित्तं भुज्जो भुज्जो उवदंसेमि से बेमि॥ लोयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! पुक्खरिणी बुइया। कम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से उदए बुइए। कामभोगे य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से सेए बुइए। जणजाणवयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! ते बहवे पउमवरपोण्डरीए बुइए। रायाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से एगे महं पउमवरपोण्डरीए बुइए। अण्णउत्थिया य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! ते चत्तारि पुरिसजाया बुइया। धम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से भिक्खू बुइए। धम्मतित्थं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से तीरे बुइए। धम्मकहं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से सद्दे बुइए। निव्वाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से उप्पाए

[illegible] अवियत्ते अमेहावी बाले णो मग्गट्ठे णो मग्गविऊ णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एस पुरिसे। अहमंसि खेयण्णे कुसले जाव पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि। णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एस पुरिसे मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पंडिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे दोच्चे पुरिसजाए ॥ ३ ॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे पच्चत्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं एगं महं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ दोण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए जाव सेयंसि णिसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा अकुसला अपण्डिया अवियत्ता अमेहावी बाला णो मग्गट्ठा णो मग्गविऊ णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एए पुरिसा एवं मण्णे अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए जाव अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे तच्चे पुरिसजाए ॥ ४ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए। अह पुरिसे उत्तराओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ तिण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव सेयंसि णिसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा जाव णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एए पुरिसा एवं मण्णे-अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे जाव मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं एवं

[illegible]

पण्णत्तारो भवंति इमेणं धम्मेणं पण्णवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। तं जहा—उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए णो जीवइ, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य णो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं णिज्जइ, अगणिझामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति आसंदीपंचमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ—अण्णो भवइ जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते एवं णो विप्पडिवेदेंति-अयमाउसो! आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...ाए, अवि अंतसो रागमायमवि। से किं विणावेमाणे हणं घायमाणे पयं पया- ...अवि अंतसो पुरिसमवि कीणित्ता घायइत्ता एत्थं पि जाणाहि णत्थित्थ दोसो। ...एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा–किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा । एवं ते ...रूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए । एव- ...। अणारिया विप्पडिवण्णा तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा जाव इइ ते णो ...इ णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । दोच्चे पुरिसजाए पंचमहब्भूइए ...हिए ॥१०॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिज्जइ । इह ...पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोगं उववण्णा । तं जहा– ...या वेगे जाव तेसिं च णं महंते एगे राया भवइ जाव सेणावइपुत्ता । तेसिं ...एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए जाव ...मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ । इह खलु धम्मा पुरिसाइया ...त्तरिया पुरिसप्पणीया पुरिससंभूया पुरिसपज्जोइया पुरिसमभिसमण्णागया ...मेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहाणामए–गण्डे सिया सरीरे जाए सरीरे संवुड्ढे ...रे अभिसमण्णागए सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा पुरिसाइया जाव ...समेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहाणामए—अरई सिया सरीरे जाया सरीरे ...ढा सरीरे अभिसमण्णागया सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरि- ...या जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति से जहाणामए—वम्मिए सिया पुढविजाए ...विसंवुड्ढे पुढविअभिसमण्णागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि ...साइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति, से जहाणामए–रुक्खे सिया पुढवि- ...ए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमण्णागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा ...पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहाणामए—पुक्खरिणी ...या पुढविजाया जाव पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया ...व पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहाणामए–उदगपुक्खले सिया उदगजाए ...व उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभि ...य चिट्ठंति । से जहाणामए–उदगबुब्बुए सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभि- ...य चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । जं ...पि इमं समणाणं णिग्गंथाणं उद्दिट्ठं पणीयं वियंजियं दुवालसंगं गणिपिडगं, तं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
आहिए ॥ ११ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए णियइवाइए त्ति आहिज्ज-
[illegible] पाईणं वा ६ [illegible] जाव [illegible] वा। तेसिं च णं एगइए सड्ढी
कामं तं समणा य माहणा य संपहारिंसु गमणाए जाव मए एस धम्मे सुअक्खाए
सुपण्णत्ते भवइ। इह खलु दुवे पुरिसा भवंति—एगे पुरिसे किरियमाइक्खइ एगे
पुरिसे णोकिरियमाइक्खइ। जे य पुरिसे किरियमाइक्खइ जे य पुरिसे णोकिरियमाइक्खइ
दो वि ते पुरिसा तुल्ला एगट्ठा कारणमावण्णा। बाले पुण एवं विप्पडिवेदेति कार-
णमावण्णे—अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा
परितप्पामि वा अहमेयमकासि, परो वा जं दुक्खइ वा सोयइ वा जूरइ वा तिप्पइ
वा पीडइ वा परितप्पइ वा परो एवमकासि। एवं से बाले सकारणं वा परकारणं
वा एवं विप्पडिवेदेति कारणमावण्णे। मेहावी पुण एवं विप्पडिवेदेति कार-
णमावण्णे—अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा
परितप्पामि वा, णो अहं एवमकासि। परो वा जं दुक्खइ वा जाव परितप्पइ वा
णो परो एवमकासि, एवं से मेहावी सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेति
कारणमावण्णे। से बेमि पाईणं वा ६ जे तसथावरा पाणा ते एवं संघायमागच्छंति
ते एवं विप्परियासमावज्जंति ते एवं विवेगमागच्छंति ते एवं विहाणमागच्छंति ते
एवं संगइयंति उवेहाए। णो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा—किरिया इ वा जाव
णिरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं
कामभोगाइं समारभंति भोयणाए। एवमेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा तं सद्दह-
माणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। चउत्थे
पुरिसजाए णियइवाइए त्ति आहिए॥ इच्चेए चत्तारि पुरिसजाया णाणापण्णा णाण-

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... से भिक्खू। जे इमे तसथावरा पाणा भवंति ते णो सयं समारम्भइ णो अण्णेहिं समारम्भावेइ अण्णे समारम्भंते वि ण समणुजाणाइ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते णो सयं परिगिण्हंति णो अण्णेणं परिगिण्हावेंति अण्णं परिगिण्हंतंपि ण समणुजाणंति इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरओ से भिक्खू। जं पि य इमं संपराइयं कम्मं किज्जइ, णो तं सयं करेइ णो अण्णाणं कारवेइ अण्णं पि करेंतं ण समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए। से भिक्खू जाणेज्जा असणं वा ४ अस्सि पडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्दिस्स कीयं पामिचं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टुद्देसियं तं चेइयं सिया तं णो सयं भुंजइ णो अण्णेणं भुंजावेइ अण्णं पि भुंजंतं ण समणुजाणइ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए। से भिक्खू अह पुण एवं जाणेज्जा तं विज्जइ तेसिं परक्कमे। (जस्सट्ठा ते चेइयं सिया तंजहा अप्पणो पुत्ताईणट्ठाए जाव आएसाए पुढो पहेणाए सामासाए पायरासाए संणिहिसंणिचओ किज्जइ इह एएसिं माणवाणं भोयणाए) तत्थ भिक्खू परकडं परणिट्ठियमुग्गमुप्पायणेसणासुद्धं सत्थाईयं सत्थपरिणामियं अविहिंसियं एसियं वेसियं सामुदाणियं पत्तमसणं कारणट्ठा पमाणजुत्तं अक्खोवंजणवणलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहारेज्जा अण्णं अण्णकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले। से भिक्खू मायण्णे अण्णयरं दिसं

[illegible]

... से भिक्खू ... परिण्णायगेहवासे उवसंते समिए सहिए सया जए ... सेवं वयणिज्जे, तं जहा—
समणे ति वा माहणे ति वा खंते ति वा दंते ति वा गुत्ते ति वा मुत्ते ति वा
इसी ति वा मुणी ति वा कती ति वा विऊ ति वा भिक्खू ति वा लूहे ति वा तीरट्ठी
ति वा चरणकरणपारविऊ त्ति बेमि ॥ १५ ॥

॥ किरियाठाण णाम बीयं अज्झयणं ॥

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु किरियाठाणे णामज्झयणे पण्णत्ते, तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु संजूहेणं दुवे ठाणा एवमाहिज्जंति। तं जहा। धम्मे चेव अधम्मे चेव उवसंते चेव अणुवसंते चेव। तत्थ णं जे से पढमस्स ठाणस्स अहम्मपक्खस्स विभंगे तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते। इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा— आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे ह्रस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं इमं एतारूवं दंडसमादाणं संपेहाए। तं जहा— णेरइएसु वा तिरिक्खजोणिएसु वा मणुस्सेसु वा देवेसु वा जे यावण्णे तहप्पगारा पाणा विण्णू वेयणं वेदेंति। तेसिं पि य णं इमाइं तेरस किरियाठाणाइं भवंतीति मक्खायं।

क्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियभावं पडिसंधाय तमेव कुक्कुडं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियंतियभावं पडिसंधाय तमेव मणुस्सं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव आहारं आहारेइ इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ ॥ १६ ॥ से एगइओ परिसामज्झाओ उट्ठित्ता अहमेयं हणामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविंजलं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं सस्साइं झामेइ अण्णेण वि अगणिकाएणं सस्साइं झामावेइ अगणिकाएणं सस्साइं झामंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अण्णेण वि कप्पावेइ कप्पंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा गोणसालाओ वा घोडगसालाओ वा गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाए पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ अण्णेण वि झामावेइ झामंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा कुण्डलं वा मणिं वा मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ अण्णेण वि अवहरावेइ अवहरंतं पि अण्णं समणुजाणइ इइ से महया जाव भवइ ॥ से एगइओ केणइ वि आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा भण्डगं वा मत्तगं वा लट्ठिं वा भिसिगं वा चेलगं वा चिलिमिलिगं वा चम्मयं वा छेयणगं वा चम्मकोसियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ, इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ ॥ से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं ओसहीओ झामेइ जाव अण्णं पि झामंतं समणुजाणइ, इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अण्णेण वि कप्पावेइ अण्णं पि कप्पंतं समणुजाणइ। से एगइ

णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा जाव गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाहिं पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा जाव मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ णो विइगिंछइ तं जहा—समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा जाव चम्मछेयणगं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ समणं वा माहणं वा दिस्सा णाणाविहेहिं पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ, अदुवा णं अच्छराए आफालित्ता भवइ, अदुवा णं फरुसं वदित्ता भवइ, कालेण वि से अणुपविट्ठस्स असणं वा पाणं वा जाव णो दवावेत्ता भवइ, जे इमे भवंति वोणमंता भारक्कंता अलसगा वसलगा किवणगा समणगा णिउज्झमा वणगा पव्वयंति ते इणमेव जीवियं धिज्जीवियं संपडिबूहेंति, णाइ ते परलोगस्स अट्ठाए किंचि वि सिलीसंति, ते दुक्खंति ते सोयंति ते जूरंति ते तिप्पंति ते पिट्टंति ते परितप्पंति ते दुक्खणजूरणसोयणतिप्पणपिट्टणपरितिप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। ते महया आरम्भेण ते महया समारम्भेण ते महया आरम्भसमारम्भेण विरूवरूवेहिं पावकम्मकिचेहिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजित्तारो भवंति। तं जहा—अण्णं अण्णकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले सपुव्वावरं च णं ण्हाए कयबलिकम्मे, कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सिरसा ण्हाए कण्ठेमालाकडे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियमालामउली पडिबद्धसरीरे वग्घारियसोणिसुत्तगमल्लदामकलावे अहयवत्थपरिहिए चंदणोक्खित्तगायसरीरे महइमहालियाए कूडागारसालाए महइमहालयंसि सीहासणंसि इत्थीगुम्मसंपरिवुडे सव्वराइएणं जोइणा झियायमाणेणं महयाहयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तस्स णं एगमवि आणवेमाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति। भणह देवाणुप्पिया किं करेमो? किं आहरेमो? किं उवणेमो? किं आचिट्ठामो? किं भे हियं इच्छियं? किं भे आसगस्स सयइ? तमेव पासित्ता अणारिया एवं वयंति—देवे खलु अयं पुरिसे, देवसिणाए खलु अयं पुरिसे, देवजीवणिज्जे खलु अयं पुरिसे, अण्णे वि य णं उवजीवंति। तमेव पासित्ता आरिया वयंति—अभिक्कंत-

[illegible] दाहिणगामिए णेरइए कण्ह-
पक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहियाए यावि भवइ। इच्चेयस्स ठाणस्स
वेगे अभिनिवट्टंति अणुट्ठिया वेगे अभिनिवट्टंति अभिझंझाउरा वेगे अभि-
निवट्टंति। एस ठाणे अणारिए अकेवले अप्पडिपुण्णे अणेयाउए असंसुद्धे असल्ल-
गत्तणे असिद्धिमग्गे अमुत्तिमग्गे अनिव्वाणमग्गे अनिज्जाणमग्गे असव्वदुक्खपहीण-
मग्गे एगंतमिच्छे असाहू। एस खलु पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स
एवमाहिए॥ १७॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमा-
इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा संतेगइया मणुस्सा
तं जहा—आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे
वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे।
णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाइं भवंति, एसो आलावगो जहा पोंडरीए तहा
तेणेव अभिलावेण जाव सव्वोवसंता सव्वत्ताए परिनिव्वुडे त्ति बेमि॥ ए-
आरिए केवले जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू। दोच्चस्स
धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए॥१८॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स
एवमाहिज्जइ। जे इमे भवंति आरण्णिया आवसहिया गामणियंतिया क-
स्सिया जाव ते तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए पच्चायंति
ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू।
खलु तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभंगे एवमाहिए॥ १९॥ अहावरे प-
ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ सं-
मणुस्सा भवंति—गिहत्था महिच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अधम्मिया अधम्-
अधम्मिट्ठा अधम्मक्खाई अधम्मपायजीविणो अधम्मपलोई अधम्म-
अधम्मसीलसमुदाचारा अधम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति। हण छिं-
विगत्तगा लोहियपाणी चण्डा रुद्दा खुद्दा साहस्सिया उक्कुंचणवंचणमायानि-
कूडकवडसाइसंपओगबहुला दुस्सीला दुव्वया दुप्पडियाणंदा असाहू स-
पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अ-
विरया जावज्जीवाए सव्वाओ कोहाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडि-
सव्वाओ ण्हाणुम्मद्दणवण्णगंधविलेवणसद्दफरिसरसरूवगंधमल्लालंकाराओ अ-

[illegible]

... ॥ २१ ॥ से ... जाए मुंडे ... तओ ... पच्चागते तहप्पगारे ... णरगाओ णरगं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिए णेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्से दुल्लहबोहिए यावि भवइ । एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू । पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २२ ॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति । तं जहा—अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया धम्मिट्ठा जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा सुसाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जीवाए जाव जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता

वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ बहुयाइं आबाहंसि उप्पण्णंसि वा अणुप्प वा बहूइं भत्ताइं पच्चक्खंति पच्चक्खाइत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति, अण छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे मुण्डभावे अण्हाणभावे अदंतवणगे अछ अणोवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बम्भचेरवासे परघर लद्धावलद्धे माणावमाणणाओ हीलणाओ णिंदणाओ खिंसणाओ गरहणाओ त णाओ तालणाओ उच्चावया गामकण्टगा बावीसं परीसहोवसग्गा अहियासि तमट्ठं आराहेंति तमट्ठं आराहित्ता चरमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं अणंतं अणु णिव्वाघायं णिरावरणं कसिणं पडिपुण्णं केवलवरणाणदंसणं समुप्पाडेंति, समुप्पाडि तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणं अंतं करें एगच्चाए पुण एगे भयंतारो भवंति, अवरे पुण पुव्वकम्मावसेसेणं कालमासे का किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। तं जहा–महड्ढिए महज्जुइएसु महापरक्कमेसु महाजसेसु महाबलेसु महाणुभावेसु महासुक्खेसु। ते तत्थ देवा भवंति महड्ढिया महज्जुइया जाव महासुक्खा हारविराइयवच्छा कडगतु डियथम्भियभुया अंगयकुण्डलमट्ठगण्डयलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचि मालामउलिमउडा कल्लाणगंधपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणध भासुरबोंदी पलम्बवणमालाधरा दिव्वेणं रूवेणं दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वे फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चाए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दया यावि भवंति। एस ठाणे आयरिए जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतसम्मे सुसाहू। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २३ ॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मीस गस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा–अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा साहू एगच्चाओ पाणा वायाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अप्पडिविरया जाव जे यावण्णे तहप्प गारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता परपाणपरितावणकरा कज्जंति तओ वि एगच्चाओ अप्पडिविरया। से जहाणामए समणोवासगा भवंति अभिगयजीवाजीवा उवलद्ध

पुण्णपावा आसवसंवरवेयणनिज्जराकिरियाहिगरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवा-सुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिन्नरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गंथाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव निग्गंथे पावयणे निस्संकिया निक्कंखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता। अयमाउसो! निग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा अचियत्तंतेउरपरघरप्पवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठ-पुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे निग्गंथे फासुएसणि-ज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणेणं ओसहभेसज्जेणं पीढ-फलगसेज्जासंथारएणं पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोव-वासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति॥ ते णं एया-रूवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता आबाहंसि उप्पन्नंसि वा, अणुप्पन्नंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खायंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तं जहा– महड्ढिएसु महज्जुइएसु जाव महासुक्खेसु सेसं तहेव जाव एसट्ठाणे आयरिए जाव एगंतसम्मे साहू। तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २४ ॥ अविरइं पडुच्च बाले आहिज्जइ विरइं पडुच्च पंडिए आहिज्जइ विरयाविरइं पडुच्च बालपंडिए आहिज्जइ तत्थणं जा सा सव्वओ अविरई एसट्ठाणे आरंभट्ठाणे अणारिए जाव असव्वदुक्खप्पहीण-मग्गे एगंतमिच्छे असाहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरई एसट्ठाणे अणारंभट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरया-विरई एसट्ठाणे आरंभणोआरंभट्ठाणे एसट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू ॥२५॥ एवमेव समणुगम्ममाणा इमेहिं चेव दोहिं ठाणेहिं समो-अरंति, तं जहा–धम्मे चेव अधम्मे चेव, उवसंते चेव अणुवसंते चेव, तत्थणं जे से पढमट्ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए तत्थणं इमाइं तिण्णितेवट्ठाइं पावा-दुयसयाइं भवंतीति मक्खायाइं तं जहा–किरियावाईणं अकिरियावाईणं अण्णाणियवा-ईणं वेणइयवाईणं तेवि परिणिव्वाणमाहंसु तेवि परिमोक्खमाहंसु तेवि लवंति सावगा

[illegible]

अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो अणु[illegible]
ट्टिस्संति ते णो सिज्झिस्संति णो बुज्झिस्संति जाव णो सव्वदुक्खाणमंतं करि[illegible]
एस तुला एस पमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोस[illegible]
तत्थ णं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खंति जाव परूवेंति। सव्वे पाणा [illegible]
भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता ण हंतव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परिघेतव्वा ण [illegible]

न्ना ते णो आगंतुच्छेयाए ते णो आगंतुभेयाए जाव जाइजरामरणजोणिजम्मण-
गारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्संति, जाव अणादयं च णं
गवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो णो अणुपरियट्टिस्संति, ते
ज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ २८ ॥ इच्चेएहिं बारसहिं किरिया-
णेहिं वट्टमाणा जीवा णो सिज्झिसु णो बुज्झिसु णो मुच्चिसु णो परिणिव्वाइंसु जाव
णो सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा णो करेंति वा णो करिस्संति वा । एयंसि चेव
तेरसमे किरियाठाणे वट्टमाणा जीवा सिज्झिसु बुज्झिसु मुच्चिसु परिणिव्वाइंसु जाव
सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा । एवं से भिक्खू आयट्ठी
आयहिए आयगुत्ते आयजोगे आयपरक्कमे आयरक्खिए आयाणुकंपए आयणि-
प्फेडए आयाणमेव पडिसाहरेज्जासि त्ति बेमि ॥ २९ ॥

॥ आहारपरिण्णा णाम तइयं अज्झयणं ॥

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं । इह खलु आहारपरिण्णा णामज्झयणे
तस्स णं अयमट्ठे । इह खलु पाईणं वा ४ सव्वओ सव्वावंति य णं लोगंसि चत्तारि-
बीयकाया एवमाहिज्जंति । तं जहा—अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया । तेसिं
च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढवीसंभवा पुढवी-
वक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणा-
विहजोणियासु पुढवीसु रुक्खत्ताए विउट्टंति ॥ ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं
पुढवीणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउसरीरं तेउसरीरं
वाउसरीरं वणस्सइसरीरं । णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति
परिविद्धत्थं । तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणयं सारूवियकडं संतं । अवरे
वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा णाणारसा
णाणाफासा णाणासंठाणसंठिया णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोवव-
ण्णगा भवंतीति मक्खायं ॥ १ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया
रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं
तत्थवुक्कमा पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं पुढवी-
जोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउ-
वणस्सइसरीरं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परि-
विद्धत्थं । सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विप्परिणामियं सारूवियकडं संतं । अवरे

[illegible]

...वण्णगा भवंति त्ति मक्खायं ॥४॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणि-
रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोववण्णगा कम्मणिया-
णेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा ते-
रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारू-
वियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारुहाणं सरीरा णाणावण्णा जाव
मक्खायं ॥५॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसं-
भवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु अज्झारोहेसु अज्झारोहत्ताए
विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा
आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणि-
याणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं॥६॥अहावरं पुरक्खायं इहेगइ-

अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं त
णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा त
सक्करत्ताए वालुयत्ताए। इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ—" पुढवी य सक्क
य उवले सिला य लोणूसे। अय तउ य तंब सीसग रुप्प सुवण्णे य वइरे य
हरियाले हिंगुलए, मणोसिला सासगंजणपवाले, अब्भपडलब्भवालुय, बायरका
विहाणा(२) गोमेज्जए य रुयए, अंके फलिहे य लोहियक्खे य, मरगयमसा
भुयमोयइंदनीले य (३) चंदणगेरुयहंसगब्भ, पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे, चं
जलकंते सूरकंते य (४)" एयाओ एएसु भाणियव्वाओ गाहाओ ज
त्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिं
रेंति, ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं त
जोणियाणं पुढवीणं जाव सूरकंताणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं, से
आलावगा जहा उदगाणं ॥ १७ ॥ अहावरं पुरक्खायं सव्वे पाणा सव्वे
सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, णाणाविहजोणिया, णाणाविहसंभवा, णाणावि
सरीरजोणिया, सरीरसंभवा, सरीरवुक्कमा, सरीराहारा, कम्मोवगा, कम्म
कम्मगइया, कम्मठिइया, कम्मुणा चेव विप्परियासमुवेंति ॥१८॥ से एव
से एवमायाणित्ता आहारगुत्ते सहिए समिए सयाजए त्ति बेमि ॥ १९ ॥

पच्चक्खाणकिरिया णाम चउत्थं अज्झयणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु पच्चक्खाण
णामज्झयणे तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते, आया अपच्चक्खाणीयावि भवइ, आया
रिया कुसलेयावि भवइ, आया मिच्छासंठिएयावि भवइ, आया एगंतदंडेयावि
आया एगंतबालेयावि भवइ, आया एगंतसुत्तेयावि भवइ, आया अवि
वयणकायवक्केयावि भवइ, आया अप्पडिहयअपच्चक्खायपावकम्मेयावि भव
खलु भगवया अक्खाए, असंजए, अविरए, अप्पडिहयपच्चक्खाय
सकिरिए, असंवुडे, एगंतदंडे, एगंतबाले, एगंतसुत्ते से बाले, अवियारम
कायवक्के, सुविणमवि ण पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ १ ॥ तत्थ चोयए
एवं वयासी, असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, अ
काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स, अवियारमणवयणकायवक्कस्स सु

[illegible] कस्स णं तं हेउं? चोयए एवं बवीति—अन्नयरेणं मणेणं पावएणं मणवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अन्नयरीए वईए पावियाए वइवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अन्नयरेणं काएणं पावएणं कायवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, हणंतस्स समणक्खस्स सवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि पासओ, एवं गुणजाईयस्स पावे कम्मे कज्जइ, पुणरवि चोयए एवं बवीति—तत्थ णं जे ते एवमाहंसु असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु ॥ तत्थ पन्नवए चोयगं एवं वयासी—जं मया पुव्वुत्तं असंतएणं मणेणं पावएणं, असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं, अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तं सम्मं, कस्स णं तं हेउं? आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया छज्जीवनिकाया हेऊ पन्नत्ता, तं जहा—पुढविकाइया जाव तसकाइया, इच्चेएहिं छहिं जीवनिकाएहिं आया अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, निच्चं पसढविउवायचित्तदंडे, तं जहा—पाणाइवाए जाव परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ २ ॥ आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया वहए दिट्ठंते पन्नत्ते। से जहानामए—वहए सिया गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि संपहारेमाणे से किं नु हु नाम से वहए तस्स गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि, पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदंडे भवइ? एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरे? चोयए—हंता भवइ। आयरिय आह—जहा से वहए तस्स गाहावइस्स वा तस्स गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि त्ति पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदंडे, एवमेव बाले वि सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदंडे। तं जहा—पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले।

[illegible]

धम्ममुदाहरेज्जा ॥ ५५ ॥ त्ति बेमि ॥

णालंदइज्जं णाम सत्तमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे (वण्णओ) जाव पडिरूवे । तस्स णं रायगिहस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं णालंदा णामं बाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंणिविट्ठा जाव पडिरूवा । तत्थ णं णालंदाए बाहिरियाए लेवे णामं गाहावई होत्था अड्ढे दित्ते वित्ते वित्थिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरजए आ

[illegible]

गइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिया जाव दुप्पडियाणंदा जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दंडे णिक्खित्ते ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमादाए दुग्गइगामिणो भवंति, ते पाणा वि वुच्चंति ते तसा वि वुच्चंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते बहुयरगा आयाणसो इइ से महयाओ जण्णं तुब्भे वयह तं चेव अयंपि भेदे से णो णेयाउए भवइ—भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया जावज्जीवाए, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते, ते तओ आउगं विप्पजहंति, ते तओ भुज्जो सगमादाए सोग्गइगामिणो भवंति। ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति तं जहा—अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव एगच्चाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमादाए सोग्गइगामिणो भवंति। ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—आरण्णिया आवसहिया गामणियंतिया, कण्हुईरहस्सिया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते भवइ। णो बहुसंजया णो बहुपडिविरया पाणभूयजीवसत्तेहिं अप्पणा सच्चामोसाइं एवं विप्पडिवेदेंति—अहं ण हंतव्वो अन्ने हंतव्वा जाव कालमासे कालं किच्चा अन्नयराइं आसुरियाइं किब्बिसियाइं ठाणाइं उववत्तारो भवंति, तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा दीहाउया जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दंडे णिक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेंति करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति। ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते दीहाउया ते बहुयरगा, पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा समाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दंडे णिक्खित्ते भवइ। ते सयमेव कालं करेंति

रेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते हाकाया ते समाउया ते बहुयरगा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ व णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा अप्पाउया, जेहिं मणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव लं करेंति, करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि च्चंति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्च-खायं भवइ, जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा वंति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ—णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता व पव्वइत्तए। णो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं सहं अणुपालित्तए। णो खलु वयं संचाएमो अपच्छिमं जाव विहरित्तए वयं च सामाइयं देसावगासियं पुरत्था पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा एया-या जाव सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते सव्वपाणभूयजीवसत्तेहिं मंकरे अहमंसि। तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे जाव णेया-उए भवइ ॥ १२ ॥ तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे णिक्खित्ते, ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा ते चिरट्ठिइया जाव अयं पि भेदे से....। तत्थ जे आरेणं तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तेसु पच्चायंति, तेहिं समणो-वासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं

रगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरगे कम्मए, अट्ठिमंससोणियबद्धे बाहिरए उरालिए, मणुस्साणंपि एवं चेव विग्गहगइसमावण्णगाणं णेरइयाणं दो सरीरगा० तेयए चेव कम्मए चेव, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। णेरइयाणं दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया, तं० रागेणं चेव, दोसेणं चेव, जाव वेमाणियाणं। णेरइयाणं दुट्ठाणणिव्वत्तिए सरीरगे० रागणिव्वत्तिए चेव, दोसणिव्वत्तिए चेव, जाव वेमाणियाणं ॥ २९ ॥ दो काया० तसकाए चेव, थावरकाए चेव। तसकाए दुविहे पण्णत्ते० भवसिद्धिए चेव, अभवसिद्धिए चेव, एवं थावरकाएवि ॥ ३० ॥ दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा, णिग्गंथीणं वा, पव्वावित्तए, पाईणं चेव, उदीणं चेव, एवं मुंडावित्तए, सिक्खावित्तए, उवट्ठावित्तए, संभुंजित्तए, संवसित्तए, सज्झायं उद्दिसित्तए, सज्झायं समुद्दिसित्तए, सज्झायमणुजाणित्तए, आलोइत्तए, पडिक्कमित्तए, णिंदित्तए, गरिहित्तए, विउट्टित्तए, विसोहित्तए, अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए, अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जित्तए, दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा, अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणा झूसियाणं भत्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगयाणं कालं अणवकंखमाणाणं विहरित्तए, तं जहा–पाईणं चेव उदीणं चेव ॥ ३१ ॥

बीयं ठाणं बीयो उद्देसो

जे देवा उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा, विमाणोववण्णगा, चारोववण्णगा, चारट्ठिइया, गइरइया, गइसमावण्णगा, तेसिं देवाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति। णेरइयाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। मणुस्साणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ, इहगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा ॥ ३२ ॥ णेरइया दुगइया दुयागइया प० तं० णेरइए णेरइएसु उववज्जमाणे मणुस्सेहिंतो वा पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से णेरइए णेरइयत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं असुरकुमारावि णवरं से चेवणं से असुरकुमारत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा तिरिक्खजोणियत्ताए

[illegible]

[illegible]

[illegible] परिवसंति, ते जहा— [illegible] चेव, [illegible] चेव ॥ ५० ॥ जंबूमंदरस्स [illegible]
दाहिणेणं देवकुराए पुव्वावरे पासे, एत्थणं आसक्खंधगसरिसा, अद्धचंदसंठाण-
संठिया दो वक्खारपव्वया, बहुसम तुल्ला जाव, सोमणसे चेव विज्जुप्पभे चेव । जंबू-
मंदरस्स उत्तरेण उत्तरकुराए पुव्वावरे पासे एत्थणं आसक्खंधगसरिसा अद्धचंद-
संठाणसंठिया दो वक्खारपव्वया प० तं० बहु० जाव, गंधमायणे चेव, मालवंते
चेव ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दो दीहवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला जाव
भारहे चेव दीहवेयड्ढे एरावए चेव दीहवेयड्ढे । भारहेणं दीहवेयड्ढे दो गुहाओ बहु-
समतुल्लाओ अविसेसमणाणत्ताओ अण्णमण्णं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठाण-

प्पवायद्दहे चेव । जंबूमंदरदाहिणेणं हरिवासे वासे दोपवायद्दहा प० बहुसम० हरिप्पवायद्दहे चेव हरिकंतप्पवायद्दहे चेव । जंबूमंदरउत्तरदाहिणेणं महाविदेहे वासे दो पवायद्दहा प० तं० बहुसमतुल्ला जाव० सीयप्पवायद्दहे चेव, सीओयप्पवायद्दहे चेव । जंबूमंदरउत्तरेणं रम्मए वासे दो पवायद्दहा प० बहुसमतुल्ला जाव नरकंतप्पवायद्दहे चेव णारीकंतप्पवायद्दहे चेव । एवं हेरण्णवए वासे दोपवायद्दहा प० बहुसमतुल्ला जाव० सुवण्णकूलप्पवायद्दहे चेव, रुप्पकूलप्पवायद्दहे चेव । जंबू० उत्तरेणं एरवए वासे दोपवायद्दहा, प० बहुसमतुल्ला जाव० रत्तप्पवायद्दहे रत्तवइप्पवायद्दहे चेव । जंबूमंदरदाहिणेणं भरहे वासे दोमहाणईओ प० बहु० गंगा चेव, सिंधू चेव । एवं जहा पवायद्दहा एवं णईओ भाणियव्वाओ । एरवए वासे दोमहाणईओ प० बहुसमतुल्लाओ जाव रत्ता चेव रत्तवई चेव ॥५४॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमदुसमाए समाए दो सागरोवमकोडाकोडीओ काले होत्था । एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव प० आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ । जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था दोण्णियपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था । एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालइस्संति एवमागमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालइस्संति ॥५५॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगसमए एगजुगे दो अरहंतवंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा । एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा । जंबूभरहेरवएसु एगसमए दो अरहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टि एवं बलदेवा एवं वासुदेवा जाव उपज्जिस्संति वा ॥५६॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमं उत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव । जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसममुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा—हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव । जंबू० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुसममुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—हेमवए चेव एरण्णवए चेव । जंबुद्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव । जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं जहा—भरहे चेव, एरवए चेव ।

। जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिआ वा, तविंति वा, तविस्संति वा । दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिरो, दो अद्दाओ एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू अ पूसो य । तत्तोवि अस्सलेसा,महा य दो फग्गुणीओ य ।१। हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव ।२। अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया । रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा आणुपुव्वीए । ३ । एवं गाहाणुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ । दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअदिई दोवहस्सई दोसप्पी दोपिई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोणिरई दोआऊ दोविस्सा दोबम्हा दोविण्हू दोवसू दोवरुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा । दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिचरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकणकणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जोवगा दोकब्बडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवण्णा दोसंखवण्णाभासा दोकंसा दोकंसवण्णा दोकंसवण्णाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोणीला दोणीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवण्णा दोदगा दोदगपंचवण्णा दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गी दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोवुहा दोसुक्का दोवहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोणियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंबा दोणिच्चालोगा दोणिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा दोपभंकरा दोअपराजिया दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥ ५८ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥५९॥ धायईसंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, बहुसमतुल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव । एवं जहा जंबूद्दीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं,

[illegible]

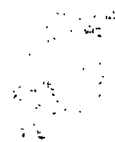
[illegible] ॥ ८१ ॥ तिविहे [illegible] पसाए [illegible] [illegible], [illegible] ॥ ८२ ॥ तिविहे ववसाए, प० तं० धम्मिए ववसाए अधम्मिए ववसाए, धम्माधम्मिए ववसाए । अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे पच्चइए, आणुगामिए । अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए । इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए, वेइए, सामइए । लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे । वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जउव्वेए, सामवेए । सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥ ८३ ॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ ८४ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ ८५ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया । णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ ८६ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे । अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अण्णाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प० तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया । समुदाणकिरिया तिविहा

[illegible] ॥ ८७ ॥ [illegible]

[illegible]

तइयं ठाणं चउत्थो उद्देसो

[illegible]



ोदाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा, सीहसोया,
वाहिणी। जंबूमंदरस्स पचत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरण-
प० तं० उम्मिमालिणी, फेणमालिणी, गंभीरमालिणी। एवं धायइसंडे दीवे
त्थिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणईओत्ति, णिरवसेसं भाणि-
जाव पुक्खरवरदीवड्ढपचत्थिमद्धे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ ९८ ॥
हिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा तंजहा–अहेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए
ला पोग्गला णिवतेज्जा, तए णं ते उराला पोग्गला णिवयमाणा देसं पुढवीए
ज्जा, महोरए वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे
म्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा, णागसुवण्णाण वा संगामंसि
माणंसि देसं पुढवीए चलेज्जा, इच्चेएहिं० । तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा
अहेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा, तए णं से घणवाए
ए समाणे घणोदहिमेएज्जा, तए णं से घणोदही एइए समाणे केवलकप्पं पुढविं
ज्जा, देवे वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स माहणस्स वा
ड्ढिं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा,
सुरसंगामंसि वा वट्टमाणंसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा, इच्चेएहिं तिहिं०
९९ ॥ तिविहा देवा किब्बिसिया प० तं० तिपलिओवमट्ठिईया, तिसागरोव-
ट्ठिईया, तेरससागरोवमट्ठिईया। कहि णं भंते ! तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बि-
सिया परिवसंति ? उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थणं तिपलि-
ओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते ! तिसागरोवमट्ठिईया देवा
किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं, हेट्ठिं सणंकुमारमाहिंदेसु
कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते !
तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं बंभलोयस्स कप्पस्स
हेट्ठिं लंतगे कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति
॥ १०० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवाणं तिण्णिपलिओव-
माइं ठिई प०—सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवीणं तिण्णि-
पलिओवमाइं ठिई प० । ईसाणस्सणं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवीणं
तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प० ॥ १०१ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपाय-

च्छित्ते, दंसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते। तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे, मेहुणं सेवेमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे। तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्णं करेमाणे पारंचिए। तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाणं तेणं करेमाणे, हत्थतालं दलयमाणे। तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए तं० पंडए, वाइए, कीवे, एवं मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए॥ १०२॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसियपाहुडे। तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगइपडिबद्धे विउसियपाहुडे॥१०३॥ तओ दुसण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए। तओ सुसण्णप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए॥१०४॥ तओ मंडलिया पव्वया प० तं० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे। तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु॥ १०५॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठावणियकप्पठिई णिव्विसमाणकप्पठिई। अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिव्विट्ठकप्पठिई, जिणकप्पठिई, थेरकप्पट्ठिई॥१०६॥णेरइयाणं तओ सरीरगा प० तं० वेउव्विए, तेयए, कम्मए। असुरकुमाराणं तओ सरीरगा प० एवं चेव एवं सव्वेसिं देवाणं। पुढवीकाइयाणं तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए। एवं वाउकाइयवज्जाणं जाव चउरिंदियाणं॥ १०७॥ गुरुं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए। गइं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० इहलोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए। समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए। अणुकंपं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए। भावं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए। सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए॥ १०८॥ तओ पितियंगा प० तं० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमणहे। तओ माउयंगा प० तं० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे॥ १०९॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कया णं अहं अप्पं वा बहुयं वा सुयं अहिज्जिस्सामि? कया णं अहं एकल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सामि? कया णं अहं अपच्छिम-

मारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंख-माणे विहरिस्सामि । एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ११० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कयाणं अहं अप्पं वा बहुयं वा परिग्गहं परिचइस्सामि ? कयाणं अहं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि ? कयाणं अहं अपच्छिम-मारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंख-माणे विहरिस्सामि ? एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ॥१११॥तिविहे पोग्गलपडिघाए प० तं० परमाणु-पोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहण्णिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहण्णिज्जा, लोगंते वा पडिहण्णिज्जा ॥ ११२ ॥ तिविहे चक्खू प० तं० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू। छउमत्थेणं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा माहणे वा उप्पण्णणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ ११३ ॥ तिविहे अभि-समागमे प० तं० उड्ढं अहं तिरियं । जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं तओ पच्छा अहे, अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ ११४ ॥ तिविहा इड्ढी प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी। देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी, विगुव्विणिड्ढी, परियारणिड्ढी। अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता मीसिया । राइड्ढी तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिड्ढी, रण्णो णिज्जाणिड्ढी, रण्णो बलवाहणकोस-कोट्ठागारिड्ढी। अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया । गणिड्ढी तिविहा प० तं० णाणिड्ढी, दंसणिड्ढी, चरित्तिड्ढी। अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ ११५ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे, सायागारवे । तिविहे करणे प० तं० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मिया-धम्मिए करणे ॥ ११६ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए। जया सुअहिज्जियं भवइ, तया सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ तया सुतवस्सियं भवइ। से सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए सुयक्खाएणं भग-वया धम्मे पण्णत्ते ॥ ११७ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, विति-गिच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ ११८ ॥ तिविहे अंते प० तं०

च्छित्ते, दंसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते। तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे, मेहुणं सेवेमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे। तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्णं करेमाणे पारंचिए। तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाणं तेणं करेमाणे, हत्थतालं दलयमाणे। तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए तं० पंडए, वाइए, कीवे, एवं मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए ॥ १०२ ॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसियपाहुडे। तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगइपडिबद्धे विउसियपाहुडे ॥१०३॥ तओ दुसण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए। तओ सुसण्णप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए॥१०४॥ तओ मंडलिया पव्वया प० तं० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे। तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु ॥ १०५ ॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठावणियकप्पठिई णिव्विसमाणकप्पठिई। अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिव्विट्ठकप्पठिई, जिणकप्पठिई, थेरकप्पट्ठिई॥१०६॥णेरइयाणं तओ सरीरगा प० तं० वेउव्विए, तेयए, कम्मए। असुरकुमाराणं तओ सरीरगा प० एवं चेव एवं सव्वेसिं देवाणं। पुढवीकाइयाणं तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए। एवं वाउकाइयवज्जं जाव चउरिंदियाणं ॥ १०७ ॥ गुरुं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए। गइं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० इहलोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए। समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए। अणुकंपं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए। भावं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए। सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ॥ १०८॥ तओ पितियंगा प० तं० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमणहे। तओ माउयंगा प० तं० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे ॥ १०९ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कया णं अहं अप्पं वा बहुयं वा सुयं अहिज्जिस्सामि? कया णं अहं एक्कल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सामि? कया णं अहं अपच्छिम-

संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि। एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणे निग्गंथे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ११० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कयाणं अहं अप्पं वा बहुयं वा परिग्गहं परिचइस्सामि? कयाणं अहं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि? कयाणं अहं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरिस्सामि? एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणोवासए महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ॥१११॥तिविहे पोग्गलपडिघाए प० तं० परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहम्मिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहम्मिज्जा, लोगंते वा पडिहम्मिज्जा॥ ११२ ॥ तिविहे चक्खू प० तं० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू। छउमत्थे णं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा माहणे वा उप्पन्नणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ ११३ ॥ तिविहे अभिसमागमे प० तं० उड्ढं अहे तिरियं। जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं तओ पच्छा अहे, अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ ११४ ॥ तिविहा इड्ढी प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी। देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी, विगुव्विणिड्ढी, परियारणिड्ढी। अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता मीसिया। राइड्ढी तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिड्ढी, रण्णो णिज्जाणिड्ढी, रण्णो बलवाहणकोसकोट्ठागारिड्ढी। अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया। गणिड्ढी तिविहा प० तं० णाणिड्ढी, दंसणिड्ढी, चरित्तिड्ढी। अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ ११५ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे, सायागारवे। तिविहे करणे प० तं० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मियाधम्मिए करणे ॥ ११६ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए। जया सुअहिज्जियं भवइ, तया सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ तया सुतवस्सियं भवइ। से सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए सुयक्खाएणं भगवया धम्मे पण्णत्ते ॥ ११७ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, वितिगिच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ ११८ ॥ तिविहे अंते प० तं०

[illegible]

[illegible] मुणिणो पाणिणा य पडिवुडि ४ एवं न [illegible]

[illegible] मुणिणो पाणिणा य पडिवुडि ५ एवं न य मई [illegible]

[illegible] मुणिणो पाणिणा य पडिवुडि ६ एवं न य [illegible]

[illegible] मुणिणो पाणिणा य पडिवुडि ७ एवं न य नो [illegible]

[illegible] मुणिणो पाणिणा य पडिवुडि ८ एवं न य मई [illegible]

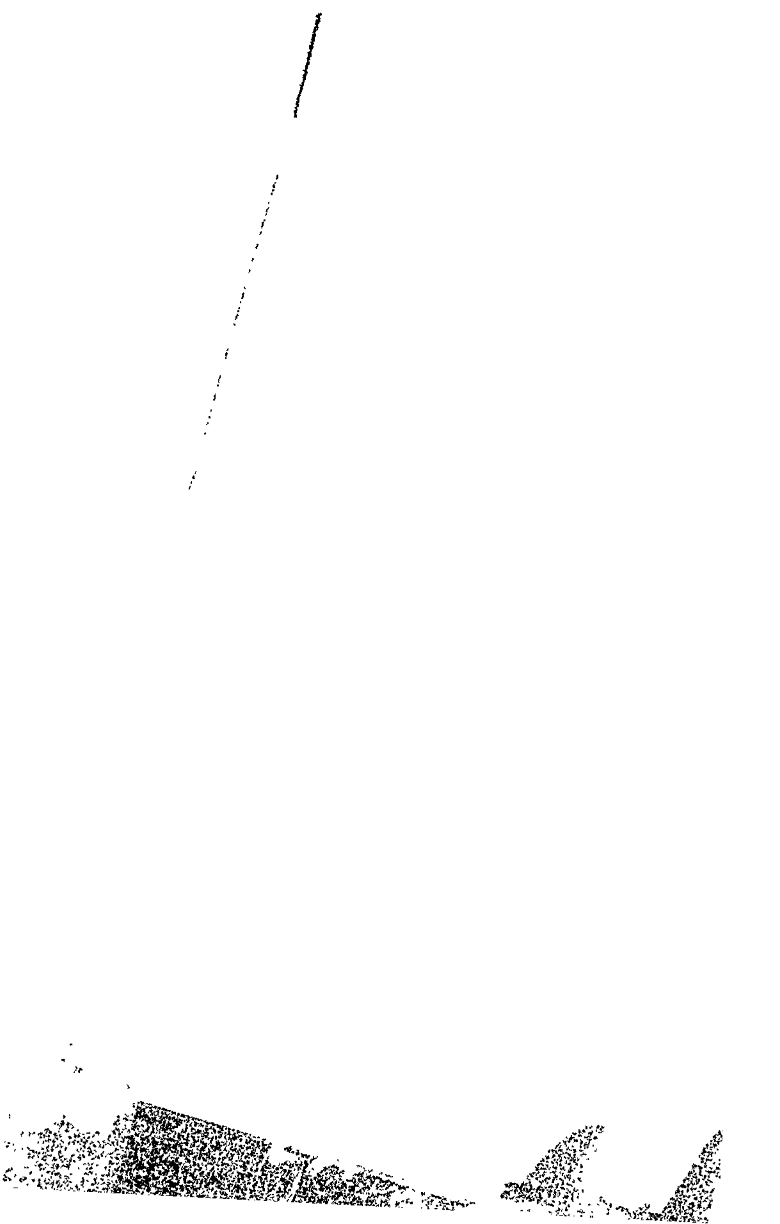
[illegible] माणुसाणं [illegible] पडि-

विं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ९, एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए
उवरिं सीहासणवरगयमत्ताणं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे १० । जण्णं समणे भगवं
महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडि-
बुद्धे तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १ जण्णं
समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किलपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं
महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्त-
विचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं चित्त-
विचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ
आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं
रयणामयं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेइ, तं—
अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं
गोवग्गं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवण्णाइण्णे
संघे तं०—समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण्णं समणे भगवं महावीरे
एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्ण-
वेइ, तं०—भवणवासी वाणमंतरा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जण्णं समणे भगवं
महावीरे एगं महं सागरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं
अणाइए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिण्णे ७ जण्णं समणे भगवं
महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स
अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ८ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवे-
रुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे
उराला कित्तिवण्णसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इइ खलु समणे भगवं महावीरे इइ० ९
जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं
णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलिपण्णत्तं धम्मं
आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥ ९२ ॥ दसविहे सरागसम्मदंसणे प० तं०—
निसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव, अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव
धम्मरुई ॥ ९३ ॥ दससण्णाओ प० तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा
परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं
महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्त-
विचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं दुवाल-
संगं गणिपिडगं आघवेइ पन्नवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ
तं०—आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं
सव्वरयणामयं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पन्नवेइ, तं०—
अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं
गोवग्गं सुविणे जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे
संघे, तं०—समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५, जं णं समणे भगवं महावीरे
एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्ण-
वेइ, तं०—भवणवासी वाणमंतरे जोइसिए वेमाणिए ६, जं णं समणे भगवं महावीरे
एगं महं सागरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं
अणादिए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिन्ने ७ जं णं समणे भगवं
महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स
अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ८ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवे-
रुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे
उराला कित्तिवन्नसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इति ९,
जं णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं
णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगते केवलिपन्नत्तं धम्मं
आघवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥९२॥ दसविहे सरागसम्मइंसणे प० तं०—
निसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव, अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव
धम्मरुई ॥९३॥ दस सण्णाओ प० तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा
परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा

[illegible] ...मी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मोदि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] य, [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥८४॥ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आणुगे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पुण [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥ दसविहा गई प० तं०—णिरयगई, णिरय[illegible]गई, [illegible], [illegible], एवं जाव सिद्धिगई, सिद्धिविग्ग- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] जाव [illegible], कोहमुंडे [illegible] [illegible] [illegible] ॥८८॥ दसविहे संखाणे प० तं०—परिकम्मं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] य, जावंतावइ वग्गो घणो य तह वग्गवग्गो वि, कप्पो य ॥८९॥ दसविहे पच्चक्खाणे प० तं०—अणागयमइक्कंतं कोडीसहियं णियंटियं चेव, सागारमणागारं, परिमाणकडं, णिरवसेसं, संकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं दसविहं तु ॥ ९० ॥ दसविहा सामायारी प० तं०—इच्छा मिच्छा तहक्कारो आवस्सिया णिसीहिया, आपुच्छणा य पडिपुच्छा छंदणा य णिमंतणा, उवसंपया य काले सामायारी भवे दसविहा उ ॥ ९१ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे तं०— एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ४ एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ६ एगं च णं महासागरं उम्मीवीचीसहस्सकलियं भुयाहिं तिण्णं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ७ एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलियवण्णाभेणं णियएणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परि-



[illegible] ॥ ८८ ॥ [illegible] पं० तं० [illegible] पुण [illegible] ॥ ८९ ॥ दसविहा गई पं० तं०—निरयगई, [illegible], सिद्धिगई, सिद्धिविग्ग- [illegible] कोहमुंडे [illegible] पं० तं०—परिकम्मं [illegible] वग्गो घणो य तह वग्गवग्गो [illegible] पं० तं० —अणागयमइक्कंतं कोडीसहियं णियंटियं [illegible], [illegible], परिमाणकडं, णिरवसेसं, संकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं दसविहं तु ॥ ९० ॥ दसविहा सामायारी पं० तं०—इच्छा मिच्छा तहक्कारो आवस्सिया णिसीहिया, आपुच्छणा य पडिपुच्छा छंदणा य णिमंतणा, उवसंपया य काले सामायारी भवे दसविहा उ ॥ ९१ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे तं०—एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किल्लपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ४ एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ६ एगं च णं महासागरं उम्मीवीचीसहस्सकलियं भुयाहिं तिण्णं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ७ एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलियवण्णाभेणं णियएणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परि-

[illegible] ठिई पण्णत्ता। [illegible] अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णिमणुयाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। वाणमंतराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। जोइसियाणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं जहण्णेणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साइरेगं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। जे देवा सागरं सुसागरं सागरकंतं भवं मणुं माणुसोत्तरं लोगहियं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा एगस्स अद्धमासस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं एगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जे जीवा जे एगेणं भवग्गहणेणं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥१॥ १॥ दो दंडा पण्णत्ता, तं जहा—अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव। दुवे रासी पण्णत्ता, तं जहा—जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव। दुविहे बंधणे पण्णत्ते, तं जहा—रागबंधणे चेव, दोसबंधणे चेव। पुव्वाफग्गुणी णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। उत्तराफग्गुणी णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। पुव्वाभद्दवया णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। उत्तराभद्दवया णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दुच्चाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दोप[illegible] वमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं उक्कोसेणं [illegible] दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचेंदियतिरिक्खजो[illegible] अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंति[illegible] पंचिंदियमाणुस्साणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे क[illegible] गइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे अत्थेगइयाणं [illegible] पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसे[illegible] रोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साहियाइं दो [illegible] ठिई पण्णत्ता। सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दो सागरोवमाइं ठिई

[illegible] देवा [illegible]
[illegible] दो सागरोवमाइं ठिई पण्ण-
[illegible]
[illegible] दो सागरोवमाइं ठिई पण्ण-
[illegible] आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीस-
[illegible] आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भ-
[illegible] सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनि-
[illegible] करिस्संति ॥ २ ॥ तओ दंडा पण्णत्ता, तं जहा—मणदंडे,
[illegible] तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ, तं जहा—मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगु-
[illegible] तं जहा—मायासल्ले णं, नियाणसल्ले णं, मिच्छादंसणसल्ले ण-
[illegible] पण्णत्ता, तं जहा—इड्ढीगारवेणं, रसगारवेणं, सायागारवेणं। तओ
[illegible] तं जहा—नाणविराहणा, दंसणविराहणा, चरित्तविराहणा। मि-
[illegible] तितारे पण्णत्ते। पुस्सनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। जेट्ठानक्खत्ते तितारे प-
[illegible] तितारे पण्णत्ते। सवणनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अस्सिणि-
[illegible] तितारे पण्णत्ते। भरणीनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए
[illegible] अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दोच्चाए णं
[illegible] नेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तच्चाए णं पु-
नेरइयाणं जहण्णेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अ-
गइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरि-
जोणियाणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। असंखिज्जवासाउयसण्णिगब्भ-
तियमणुस्साणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अ-
गइयाणं देवाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अ-
गइयाणं देवाणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा आभंकरं पभंकरं आभं-
पभंकरं चंदं चंदावत्तं चंदप्पभं चंदकंतं चंदवण्णं चंदलेसं चंदज्झयं चंदसिंगं चं-
सिट्ठं चंदकूडं चंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्को-
तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा तिण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पा-
मंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं तिहिं वाससहस्सेहिं आहार-
समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सं-
[illegible]ज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३ ॥ चत्ता-

[illegible]

भगवं महावीरे सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इहेव जंबुदीवे
वासहरपव्वया प० तं०— चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे णीलवंते रु
प्पिरे । इहेव जंबुदीवे दीवे सत्त वासा प०, तं०—भरहे हेम
महाविदेहे रम्मए एरण्णवए एरवए । खीणमोहेणं भगवया मो
त्त कम्मपगडीओ वेएई । महाणक्खत्ते सत्ततारे प० ।
क्खत्ता पुव्वदारिआ प० (अभियाइया सत्त णक्खत्ता
क्खत्ता दाहिणदारिआ प० । अणुराहाइया सत्त
णिट्ठाइया सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिआ प० ।
त्येगइयाणं णेरइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठि
याणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प०
हण्णेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । असुर
लिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु
लिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारे कप्पे अत्येगइ
माइं ठिई प० । माहिंदे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं स
। बंभलोए कप्पे अत्येगइयाणं देवाणं सत्त सा
। समं समप्पभं महापभं पभासं भासुरं विमलं

[illegible]

[illegible] अट्ठ [illegible] भवइ। [illegible]

[illegible] पं०—[illegible]

[illegible] (१) [illegible]

विसाहा, अणुराहा, जेट्ठा। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइ[illegible]

[illegible] अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प०। चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं [illegible]

अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अ[illegible]

ओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अ[illegible]

वमाइं ठिई प०। बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ [illegible]

प०। जे देवा अच्चिं अच्चिमालिं वइरोयणं पभंकरं चंदाभं सूराभं सु[illegible]

अंगदाभं ठिआभं अरुणाभं अरुणुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्[illegible]

णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा अट्ठण्हं [illegible]

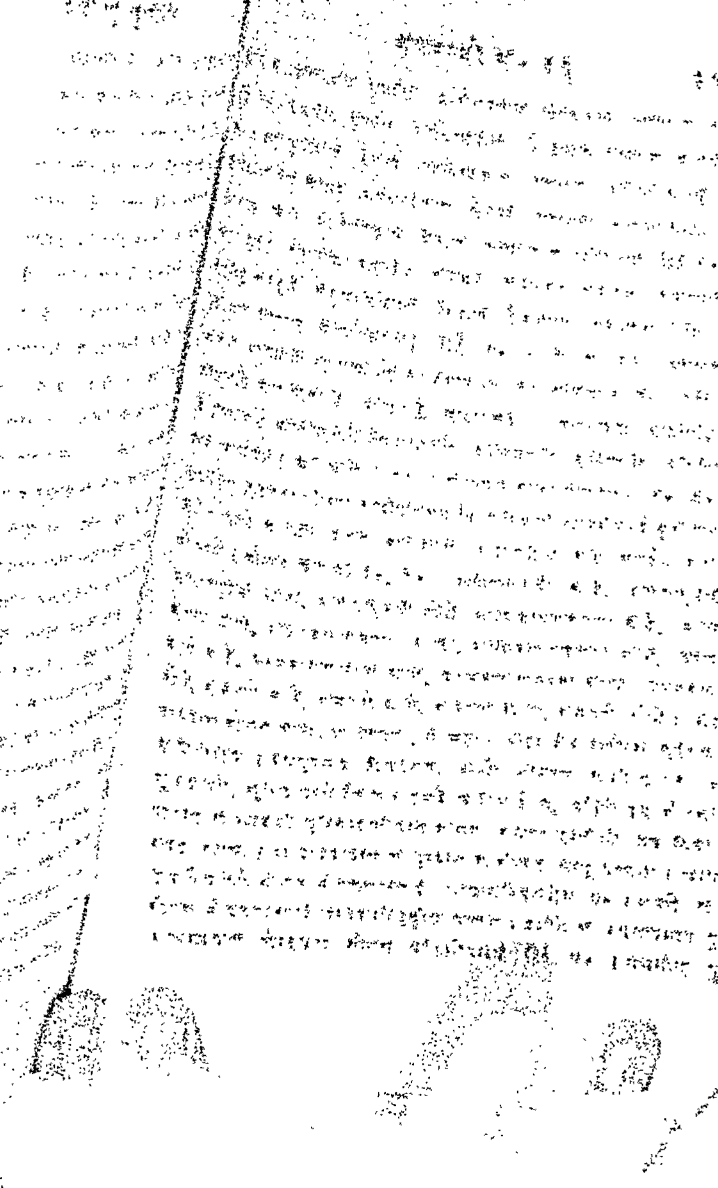
मासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं [illegible]

अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अ[illegible]

[illegible]

[illegible] सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥१४॥

पन्नरस परमाहम्मिया प०, तं० - अंबे अंबरिसी चेव, सामे सबले त्ति यावरे। रुद्दोवरुद्दकाले य, महाकाले त्ति यावरे ॥१॥ असिपत्ते धणू कुंभे, वालुए वेयरणी ति य। खरस्सरे महाघोसे, एए पन्नरसाहिआ ॥२॥ णमी णं अरहा पण्णरस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। धुवराहू णं बहुलपक्खस्स पाडिवाए पण्णरसभागं पण्णरसभागेण चंदस्स लेसं आवरेमाणे चिट्ठइ, तं०—पढमाए पढमं भागं बीआए दुभागं तइआए तिभागं चउत्थीए चउभागं पंचमीए पंचभागं छट्ठीए छभागं सत्तमीए सत्तभागं अट्ठमीए अट्ठभागं नवमीए नवभागं दसमीए दसभागं एक्कारसीए एक्कारसभागं बारसीए बारसभागं तेरसीए तेरसभागं चउद्दसीए चउद्दसभागं पण्णरसेसु पण्णरसभागं। तं चेव सुक्कपक्खस्स य उवदंसेमाणे २ चिट्ठइ, तं०—पढमाए पढमं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसभागं। छ णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजुत्ता प०, तं०—सतभिसय भरणि अद्दा असलेसा साई तहा जेट्ठा। एए छण्णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजुत्ता ॥१॥ चेत्तासोएसु णं मासेसु पण्णरसमुहुत्तो दिवसो भवइ, एवं चेत्तासोएसु णं मासेसु पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ। विज्जाअणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पण्णरस वत्थू पण्णत्ता। मणूसाणं पण्णरसविहे पओगे प० तं जहा–सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चमोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चमोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे आहारयसरीरकायपओगे आहारयमीससरीरकायपओगे कम्मयसरीरकायपओगे।



अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था। समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं सखुड्डयवियत्ताणं अट्ठारस ठाणा प०, तं०—वयछक्कं कायछक्कं, अकप्पो गिहिभायणं, पलियंक णिसिज्जा य, सिणाणं सोभवज्जणं ॥ १ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ताइं। बंभीए णं लिवीए अट्ठारसविहे लेखविहाणे प०, तं०—बंभी जवणी लियादोसा ऊरिया खरोट्ठिया खरसाविया पहाराइया उच्चत्तरिया अक्खरपुट्ठि(त्थि)या भोगवयया वेणइया णिण्हइया अंकलिवि गणियलिवि गंधव्वलिवी [भूयलिवी] आदंसलिवी माहेसरीलिवी दामिलिवी बोलिंदिलिवी। अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू प०। धूमप्पभाए णं पुढवीए अट्ठारसुत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं प०। पोसासाढेसु णं मासेसु सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ते दिवसे भवइ सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ता राई भवइ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। आणए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा कालं सुकालं महाकालं अंजणं रिट्ठं सालं समाणं दुमं महादुमं विसालं सुसालं पउमं पउमगुम्मं कुमुदं कुमुदगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पुंडरीअं पुंडरीयगुम्मं सहस्सारवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा णं अट्ठारसेहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठारसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया (जीवा) जे अट्ठारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १८ ॥ एगूणवीसं णायज्झयणा प० तं०—उक्खित्तणाए, संघाडे, अंडे, कुम्मे, य सेलए। तुंबे य रोहिणी, मल्ली, मायंदी, चंदिमाइ य ॥१॥ दावद्दवे, उदगणाए, मंडुक्के, तेतली इय। णंदिफले, अवरकंका, आइण्णे, सुंसमाइ य ॥ २ ॥ अवरे य पुंडरीए, णाए एगूणवीसमे। जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उक्कोसेणं एगूणवीसं

[illegible]

...णाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं ... सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा ... विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३० ॥ एकतीसं सिद्धाइगुणा पण्णत्ता, तं जहा—खीणे आभिणिबोहियणाणावरणे, खीणे सुयणाणावरणे, खीणे ओहिणाणावरणे, खीणे मणपज्जवणाणावरणे, खीणे केवलणाणावरणे, खीणे चक्खुदंसणावरणे, खीणे

[illegible], [illegible] ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

॥ २ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]

[illegible]

...चउ । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए कालमहाकालरोरुयमहारोरुएसु नेरइयाणं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अप्पइट्ठाणनरए नेरइयाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । विजयवेजयंतजयंतअपराजिएसु विमाणेसु उक्कोसेणं

तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उ-
ववण्णा तेसि णं देवाणं अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते
देवा तेत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा।
तेसि णं देवाणं तेत्तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया
जीवा जे तेत्तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति
सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३३ ॥ चोत्तीसं बुद्धाइसेसा प० तं०—अवट्ठिए केस-
मंसुरोमनहे, निरामया निरुवलेवा गायलट्ठी, गोक्खीरपंडुरे मंससोणिए, पउमुप्पल-
गंधिए उस्सासनिस्सासे, पच्छन्ने आहारनीहारे अद्दिस्से मंसचक्खुणा, आगासगयं
चक्कं, आगासगयं छत्तं, आगासियाओ सेयवरचामराओ, आगासफालियामयं
सपायपीढं सीहासणं, आगासगओ कुडभीसहस्सपरिमंडियाभिरामो इंदज्झओ
पुरओ गच्छइ, जत्थ जत्थ वि य णं अरहंता भगवंतो चिट्ठंति वा निसीयंति वा तत्थ
तत्थ वि य णं तक्खणादेव संछन्नपत्तपुप्फपल्लवसमाउलो सच्छत्तो सज्झओ सघंटो
सपडागो असोगवरपायवो अभिसंजायइ, ईसिं पिट्ठओ मउडठाणंमि तेयमंडलं
अभिसंजायइ, अंधकारे वि य णं दस दिसाओ पभासेइ, बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे,
अहोसिरा कंटया जायंति उऊ विवरीया सुहफासा भवंति, सीयलेणं सुहफासेणं सुर-
भिणा मारुएणं जोयणपरिमंडलं सव्वओ समंता संपमज्जिज्जइ, जुत्तफुसिएणं मेहेण
य निहयरयरेणूयं किज्जइ, जलथलयभासुरपभूएणं बिंटट्ठाइणा दसद्धवन्नेणं कुसुमेणं
जाणुस्सेहप्पमाणमित्ते (अमित्ते) पुप्फोवयारे किज्जइ, अमणुन्नाणं सद्दफरिसरस-
रूवगंधाणं अवकरिसो भवइ, मणुन्नाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं पाउब्भावो भवइ,
पच्चाहरओ वि य णं हिययगमणीओ जोयणनीहारी सरो, भगवं च णं अद्धमागहीए
भासाए धम्ममाइक्खइ, सा वि य णं अद्धमागही भासा भासिज्जमाणी तेसिं
सव्वेसिं आरियमणारियाणं दुप्पयचउप्पयमियपसुपक्खिसरीसिवाणं अप्पणो हिय-
सिवसुहदाभासत्ताए परिणमइ, पुव्वबद्धवेरा वि य णं देवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खस-
किंनरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगा अरहओ पायमूले पसंतचित्तमाणसा धम्मं
निसामंति, अन्नउत्थियपावयणिया वि य णं आगया वंदंति, आगया समाणा अरहओ
पायमूले निप्पडिवयणा हवंति, जओ जओ वि य णं अरहंतो भगवंतो विहरंति
तओ तओ वि य णं जोयणपणवीसाएणं ईई ण भवइ, मारी ण भवइ, सचक्कं ण

... मातयत्नरत प० ।
... ॥ ४६ ॥
... आयातीश ...

चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ। सव्वे वि णं बाहिरया मंदरा चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। सव्वे वि णं अंजणगपव्वया चउरासीइं-चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। हरिवासरम्मयवासियाणं जीवाणं धणुपिट्ठा चउरासीइं जोयणसहस्साइं सोलस जोयणाइं चत्तारि य भागा जोयणस्स परिक्खेवेणं प०। पंकबहुलस्स णं कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं चोरासीइं जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। विवाहपण्णत्तीए णं भगवईए चउरासीइं पयसहस्सा पदग्गेणं प०। चोरासीइं णागकुमारावाससयसहस्सा प०। चोरासीइं पइण्णगसहस्साइं पण्णत्ताइं। चोरासीइं जोणिप्पमुहसयसहस्सा प०। पुव्वाइयाणं सीसपहेलियापज्जवसाणाणं सट्ठाणट्ठाणंतराणं चोरासीए गुणकारे प०। उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स चउरासीइ गणा चउरासीइ गहणरा होत्था। उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स उसभसेणपामोक्खाओ चउरासीइ समणसाहस्सीओ होत्था। सव्वे वि चउरासीइ विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ॥ ८४ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स पंचासीइ उद्देसणकाला प०। धायइसंडस्स णं मंदरा पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प०। रुयए णं मंडलियपव्वए पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प०। णंदणवणस्स णं हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं पंचासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८५ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ छलसीइ गणा छलसीइ गणहरा होत्था। सुपासस्स णं अरहओ छलसीइ वाइसया होत्था। दोच्चाए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ दोच्चस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं छलसीइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८६ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। मंदरस्स णं पव्वयस्स दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तरिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं मंदरस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ संखस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चेव मंदरस्स उत्तरिल्लाओ चरमंताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहिणिल्ले

[illegible]

कंचणपव्वयसया प० ॥ १०२॥ पउमप्पभे णं अरहा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। असुरकुमाराणं देवाणं पासायवडिंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०३॥ सुमई णं अरहा तिण्णि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। अरिट्ठणेमी णं अरहा तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए। वेमाणियाणं देवाणं विमाणपागारा तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। समणस्स भगवओ महावीरस्स तिण्णि सयाणि चोद्दसपुव्वीणं होत्था। पंचधणुसइयस्स णं अंतिमसारीरियस्स सिद्धिगयस्स साइरेगाणि तिण्णि धणुसयाणि जीवप्पदेसोगाहणा प० ॥ १०४॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसयाइं चोद्दसपुव्वीणं संपया होत्था। अभिणंदणे णं अरहा अद्धुट्ठाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०५॥ संभवे णं अरहा चत्तारि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं णिसढणीलवंता वासहरपव्वया चत्तारि-चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं वक्खारपव्वया णिसढणीलवंतवासहरपव्वयए णं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं पण्णत्ते। आणयपाणएसु दोसु कप्पेसु चत्तारि विमाणसया प०। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥१०६॥ अजिए णं अरहा अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सगरे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०७॥ सव्वे वि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं वासहरकूडा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, मूले पंच-पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०। उसभे णं अरहा कोसलिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सोमणसगंधमादणविज्जुप्पभमालवंताणं वक्खारपव्वयाणं मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प०। सव्वे वि णं णंदणकूडा बलकूडवज्जा पंच-पंच जोयण-

इं सव्वेवि णं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०८ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चुल्लहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं छ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं सिहरीकूडस्स वि । पासस्स णं अरहओ छ सया वाईणं सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था । अभिचंदे णं कुलगरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १०९ ॥ बंभलंतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त-सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेउव्वियसया होत्था । अरिट्ठनेमी णं अरहा सत्त वाससयाइं देसूणाइं केवलपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव पहीणे । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ महाहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं सत्त जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ ११० ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कंडे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमंतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठ सयाइं वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ १११ ॥ आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा नव-नव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । निसढकूडस्स णं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ निसढस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस णं नव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं नीलवंतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे णं नव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे तारारूवे चारं चरइ । निसढस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कंडस्स बहुमज्झदे-

[illegible]

[illegible] ॥११४॥ [illegible] जोयणसहस्साइं आयामेणं प० ॥११५॥ [illegible] जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥११६॥ [illegible] जोयणसहस्साइं आयामेणं पण्णत्ता ॥११७॥ [illegible] मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए रुयगणाभीओ चउद्दिसिं पंच पंच जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे मंदरपव्वए पण्णत्ते ॥ ११८ ॥ सहस्सारे णं कप्पे छ विमाणावाससहस्सा प० ॥ ११९ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणस्स कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ पुलगस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १२० ॥ हरिवासरम्मयाणं वासा अट्ठ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं वित्थरेणं प० ॥ १२१ ॥ दाहिणड्ढभरहस्स णं जीवा पाईणपडीणायया दुहओ समुद्दं पुट्ठा णव जोयणसहस्साइं आयामेणं प० ॥१२२॥ अजियस्स अरहओ साइरेगाइं णव ओहिणाणसहस्साइं होत्था, मंदरे णं पव्वए धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पण्णत्ते ॥१२३॥ जंबूदीवे णं दीवे एगं जोयण-

हस्सं आयामविक्खंभेणं प० ॥१२४॥ लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ १२५ ॥ पासस्स णं अरहओ तिण्णि सयसाहस्सीओ सत्तावीसं च सहस्साइं उक्कोसिया सावियासंपया होत्था ॥ १२६ ॥ धायइसंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णत्ते ॥ १२७ ॥ लवणस्स समुद्दस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं पंच जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥१२८॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं रायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १२९ ॥ जंबूदीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ धायइसंडचक्कवालस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १३० ॥ माहिंदे णं कप्पे अट्ठ विमाणावाससयसहस्साइं पण्णत्ताइं ॥१३१॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं णव ओहिणाणिसहस्साइं होत्था ॥१३२॥ पुरिससीहे णं वासुदेवे दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता पंचमाए पुढवीए णेरइएसु णेरइयत्ताए उववण्णे ॥१३३॥ समणे भगवं महावीरे तित्थगरभवग्गहणाओ छट्ठे पोट्टिलभवग्गहणे एगं वासकोडिं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सहस्सारे कप्पे सव्वट्ठविमाणे देवत्ताए उववण्णे ॥ १३४ ॥ उसभसिरिस्स भगवओ चरिमस्स य महावीरवद्धमाणस्स एगा सागरोवमकोडाकोडी अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १३५ ॥

गणिपिडग

दुवालसंगे गणिपिडगे पण्णत्ते, तं जहा—आयारे, सूयगडे, ठाणे, समवाए, विवाहपण्णत्ती, णायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुए, दिट्ठिवाए। से किं तं आयारे? आयारे णं समणाणं णिग्गंथाणं आयारगोयरविणयवेणइयट्ठाणगमणचंकमणपमाणजोगजुंजणभासासमिइगुत्तीसेज्जोवहिभत्तपाणउग्गमउप्पायणएसणाविसोहिसुद्धासुद्धग्गहणवयणियमतवोवहाणसुप्पसत्थमाहिज्जइ। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा—णाणायारे, दंसणायारे चरित्तायारे, तवायारे, विरियायारे। आयारस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए पढमे अंगे दो सुयक्खंधा, पणवीसं अज्झयणा, पंचासीइं उद्देसणकाला, पंचासीइं समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा,

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

य लोगट्ठाई च णं पन्नवणया आघविज्जंति । ठाणस्स णं परित्ता वायणा, अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, ओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झ- क्कवीसं उद्देसणकाला, एक्कवीसं समुद्देसणकाला, बावत्तरिं पयसहस्साइं पण्णत्ताइं । संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता णंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघ- पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं ठाणे ॥ से किं तं समवाए ? समवाए णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, जाव लोगालोगा सूइज्जंति । समवाए णं एकाइयाणं णं एगुत्तरियपरिवुड्ढीय, दुवालसंगस्स य गणिपिडगस्स पल्लवग्गे समणुगाइ- णगसयस्स, बारसविहवित्थरस्स सुयणाणस्स जगजीवहियस्स भगवओ समा- मायारे आहिज्जइ । तत्थ य णाणाविहप्पगारा जीवाजीवा य वण्णिया ण, अवरे वि य बहुविहा विसेसा णरगतिरियमणुयसुरगणाणं आहारुस्सास- वाससंखआययप्पमाणउववायचवणओगाहणोवहिवेयणविहाणउवओगजोग- इमाय, विविहा य जीवजोणी, विक्खंभुस्सेहपरिरयप्पमाणं विहिविसेसा य मंद- महीधराणं, कुलगरतित्थगरगणहराणं सम्मत्तभरहाहिवाण चक्कीणं चेव चक्क- हराण य, वासाण य णिगमा य समाए । एए अण्णे य एवमाइ एत्थ वित्थ- रत्था समाहिज्जंति । समवायस्स णं परित्ता वायणा जाव से णं अंगट्ठयाए अंगे एगे अज्झयणे एगे सुयक्खंधे एगे उद्देसणकाले एगे समुद्देसणकाले चउयाले पयसयसहस्से पयग्गेणं पण्णत्ते । संखेज्जाणि अक्खराणि जाव चरण- परूवणया आघविज्जंति । से त्तं समवाए ॥१३९॥ से किं तं वियाहे ? विया- ससमया वियाहिज्जंति परसमया वियाहिज्जंति ससमयपरसमया वियाहिज्जंति, वियाहिज्जंति अजीवा वियाहिज्जंति जीवाजीवा वियाहिज्जंति, लोगे विया- इ अलोगे वियाहिज्जइ लोगालोगे वियाहिज्जइ । वियाहेणं णाणाविहसुरणरिंद- रिसिविविहसंसइयपुच्छियाणं जिणेणं वित्थरेणं भासियाणं दव्वगुणखेत्तकाल- पदेसपरिणामजहत्थियभावअणुगमणिक्खेवणयप्पमाणसुणिउणोवक्कमविविहप्प-

ारपगडपयासियाणं लोगालोगपयासियाणं संसारसमुद्दरुंदउत्तरणसमत्थाणं सुरवइ-
ंपूजियाणं भवियजणपयहिययाभिणंदियाणं तमरयविद्धंसणाणं सुदिट्ठदीवभूयईहा-
इबुद्धिवद्धणाणं छत्तीससहस्समणूणयाणं वागरणाणं दंसणाओ सुयत्थबहुविहप्पगारा
ीसहियत्था य गुणहत्था। विवाहस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा
ंखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ। से णं
ंगट्ठयाए पंचमे अंगे एगे सुयक्खंधे एगे साइरेगे अज्झयणसए दस उद्देसगसह-
स्साइं दस समुद्देसगसहस्साइं छत्तीसं वागरणसहस्साइं चउरासीइं पयसहस्साइं पय-
ग्गेणं प०। संखेज्जाइं अक्खराइं अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा
सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति
दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। से एवं आया से एवं णाया से एवं विण्णाया एवं
चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं वियाहे।१४०। से किं तं णायाधम्मकहाओ?
णायाधम्मकहासु णं णायाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो
समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढीविसेसा भोगपरिच्चाया
पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओ-
वगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायायाइं पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघ-
विज्जंति जाव णायाधम्मकहासु णं पव्वइयाणं विणयकरणजिणसामिसासणवरे संज-
मपइण्णपालणधिइमइववसायदुब्बलाणं तवणियमतवोवहाणरणदुद्धरभरभग्गयणिस्स-
हणिसिट्ठाणं घोरपरीसहपराजियाणं सहपारद्धरुद्धसिद्धालयमग्गणिग्गयाणं विसयसुह-
तुच्छआसावसदोसमुच्छियाणं विराहियचरित्तणाणदंसणजइगुणविविहप्पयारणिस्सार-
सुण्णयाणं संसारअपारदुक्खदुग्गइभवविविहपरंपरापवंचा। धीराण य जियपरिसह-
कसायसेण्णधिइधणियसंजमउच्छाहणिच्छियाणं आराहियणाणदंसणचरित्तजोगणिस्सल्ल-
सुद्धसिद्धालयमग्गमभिमुहाणं सुरभवणविमाणसुक्खाइं अणोवमाइं भुत्तूण चिरं च
भोगभोगाणि ताणि दिव्वाणि महरिहाणि तओ य कालक्कमचुयाणं जह य पुणो लद्ध-
सिद्धिमग्गाणं अंतकिरिया। चलियाण य सदेवमाणुसधीरकरणकारणाणि बोधण-
अणुसासणाणि गुणदोसदरिसणाणि दिट्ठंते पच्चए य सोऊण लोगमुणिणो जहट्ठिय-
सासणम्मि जरमरणणासणकरे आराहियसंजमा य सुरलोगपडिणियत्ता ओवेंति जह
सासयं सिवं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। णाया-

धम्मकहासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे दो सुयक्खंधा एगूणवीसं अज्झयणा, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—चरित्ता य कप्पिया य, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच-पंच अक्खाइयासयाइं एगमेगाए अक्खाइयाए पंच-पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच-पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवमेव सपुव्वावरेणं अद्धुट्ठाओ अक्खाइयकोडीओ भवंतीति मक्खायाओ, एगूणतीसं उद्देसणकाला एगूणतीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता, संखेज्जा अक्खरा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं णायाधम्मकहाओ ॥ १४१ ॥ से किं तं उवासगदसाओ ? उवासगदसासु णं उवासयाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा उवासयाणं सीलव्वयवेरमणगुणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणयाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणा पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुणो बोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। उवासगदसासु णं उवासयाणं रिद्धिविसेसा परिसा वित्थरधम्मसवणाणि बोहिलाभअभिगमसम्मत्तविसुद्धया थिरत्तं मूलगुणउत्तरगुणाइयारा ठिईविसेसा य बहुविसेसा पडिमाभिग्गहग्गहणपालणा उवसग्गाहियासणा णिरुवसग्गा य तवा य विचित्ता सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासा अपच्छिममारणंतिया य संलेहणाझोसणाहिं अप्पाणं जह य भावइत्ता बहूणि भत्ताणि अणसणाए य छेयइत्ता उववण्णा कप्पवरविमाणुत्तमेसु जह अणुभवंति सुरवरविमाणवरपोंडरीएसु सोक्खाइं अणोवमाइं कमेण भुत्तूण उत्तमाइं तओ आउक्खएणं चुया समाणा जह जिणमयंमि बोहिं लद्धूण य संजमुत्तमं तमरयोघविप्पमुक्का उवेंति जह अक्खयं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। उवासयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा दस उद्देसणकाला दससमुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता। संखेज्जाइं अक्खराइं जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं उवासगदसाओ ॥१४२॥ से किं तं अंतगडदसाओ ? अंतगडदसासु णं अंतगडाणं णगराइं

उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहा इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं पडिमाओ बहुविहाओ खमा अज्जवं मद्दवं च सोअं च सच्चसहियं सत्तरसविहो य संजमो उत्तमं च बंभं आकिंचणया तवो चियाओ समिइगुत्तीओ चेव तह अप्पमायजोगो सज्झायज्झाणाण य उत्तमाणं दोण्हं पि लक्खणाइं पत्ताण य संजमुत्तमं जियपरीसहाणं चउव्विहकम्मक्खयम्मि जह केवलस्स लंभो परियाओ जत्तिओ य जह पालिओ मुणिहिं पायोवगओ य जो जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेयइत्ता अंतगडो मुणिवरो तमरयोघविप्पमुक्को मोक्खसुहमणुत्तरं च पत्ता। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थारेणं परूवेइ। अंतगडदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ, से णं अंगट्ठयाए अट्ठमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा अट्ठ वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं प० संखेज्जा अक्खरा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं अंतगडदसाओ ॥१४३॥ से किं तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ? अणुत्तरोववाइयदसासु णं अणुत्तरोववाइयाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोगपरलोगइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपाणपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं अणुत्तरोववाओ सुकुलपच्चायाया पुणो बोहिलाभो अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। अणुत्तरोववाइयदसासु णं तित्थकरसमोसरणाइं परमंगल्लजगहियाणि जिणाइसेसा य बहुविसेसा जिणसीसाणं चेव समणगणपवरगंधहत्थीणं थिरजसाणं परिसहसेण्णरिउबलपमद्दणाणं तवदित्तचरित्तणाणसम्मत्तसारविविहप्पगारवित्थरपसत्थगुणसंजुयाणं अणगारमहरिसीणं अणगारगुणाण वण्णओ उत्तमवरतवविसिट्ठणाणजोगजुत्ताणं जह य जगहियं भगवओ जारिसा इड्ढिविसेसा देवासुरमाणुसाणं परिसाणं पाउब्भावा य जिणसमीवं जह य उवासंति जिणवरं जह य परिकहंति धम्मं लोगगुरू अमरणरसुरगणाणं सोऊण य तस्स भासियं अवसेसकम्मविसयविरत्ता णरा जहा अब्भुवेंति धम्ममुरालं संजमं तवं चावि बहुविहप्पगारं जह बहूणि वासाणि अणुचरित्ता आराहियणाणदंसणचरित्तजोगा जिणवयणमणुगयमहियभासिया जिणवराण हियएणमणुण्णेत्ता जे य जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेयइत्ता लद्धूण य समाहि-

उत्तमज्झाणजोगजुत्ता उववण्णा मुणिवरोत्तमा जह अणुत्तरेसु पावेंति जह अणुत्तरं तत्थ विसयसोक्खं तओ य चुया कमेण काहिंति संजया जहा य अंतकिरियं एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थरेण। अणुत्तरोववाइयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए णवमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा तिण्णि वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं प०। संखेज्जाणि अक्खराणि जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ॥१४४॥ से किं तं पण्हावागरणाणि? पण्हावागरणेसु णं अट्ठुत्तरं पसिणसयं अट्ठुत्तरं अपसिणसयं अट्ठुत्तरं पसिणापसिणसयं विज्जाइसया नागसुवण्णेहिं सद्धिं दिव्वा संवाया आघविज्जंति। पण्हावागरणदसासु णं ससमयपरसमयपण्णवयपत्तेयबुद्धविविहत्थभासाभासियाणं अइसयगुणउवसमणाणप्पगारआयरियभासियाणं वित्थरेणं वीरमहेसीहिं विविहवित्थरभासियाणं च जगहियाणं अद्दागंगुट्ठबाहुअसिमणिखोमआइच्चमाइयाणं विविहमहापसिणविज्जामणपसिणविज्जादेवयपओगपहाणगुणप्पगासियाणं सब्भूयदुगुणप्पभावनरगणमइविम्हयकराणं अइसयमईयकालसमयदमसमतित्थकरुत्तमस्स ठिइकरणकारणाणं दुरहिगमदुरवगाहस्स सव्वसव्वण्णुसम्मयस्स अबुहजणविबोहणकरस्स पच्चक्खयपच्चयकराणं पण्हाणं विविहगुणमहत्था जिणवरप्पणीया आघविज्जंति। पण्हावागरणेसु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए दसमे अंगे एगे सुयक्खंधे पणयालीसं उद्देसणकाला पणयालीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं प०। संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं पण्हावागरणाइं ॥ १४५ ॥ से किं तं विवागसुयं? विवागसुए णं सुकडदुक्कडाणं कम्माणं फलविवागे आघविज्जंति से समासओ दुविहे प०, तं०—दुहविवागे चेव सुहविवागे चेव। तत्थ णं दस दुहविवागाणि दस सुहविवागाणि। से किं तं दुहविवागाणि? दुहविवागेसु णं दुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ णगरगमणाइं संसारपबंधे दुहपरंपराओ य आघविज्जंति। से त्तं दुहविवागाणि। से किं तं सुहविवागाणि? सुहविवागेसु सुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइय-

[illegible]

वायणा संखेज्जा अणुओगदारा [illegible] संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए एक्कारसमे अंगे दो सुयक्खंधा वीसं अज्झयणा वीसं उद्देसणकाला वीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता । संखेज्जाणि अक्खराणि अणंता गमा

अणंता पज्जवा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं विवागसुए ॥ १४६ ॥ से किं तं दिट्ठिवाए ? दिट्ठिवाए णं सव्वभावपरूवणया आघविज्जंति। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा–परिकम्मं, सुत्ताइं, पुव्वगयं, अणुओगो, चूलिया। से किं तं परिकम्मे ? परिकम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा–सिद्धसेणियापरिकम्मे, मणुस्ससेणियापरिकम्मे, पुट्ठसेणियापरिकम्मे, ओगाहणसेणियापरिकम्मे, उवसंपज्जसेणियापरिकम्मे, विप्पजहसेणियापरिकम्मे, चुयाचुयसेणियापरिकम्मे। से किं तं सिद्धसेणियापरिकम्मे ? सिद्धसेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे प०, तं०–माउयापयाणि, एगट्ठियपयाणि, पाओट्ठपयाणि, आगासपयाणि, केउभूयं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूयं, पडिग्गहो, संसारपडिग्गहो, णंदावत्तं, सिद्धबद्धं, से त्तं सिद्धसेणियापरिकम्मे। से किं तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे ? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे प०, तं०—ताइं चेव माउयापयाणि जाव णंदावत्तं मणुस्सबद्धं, से त्तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे। अवसेसाइं परिकम्माइं पुट्ठाइयाइं एक्कारसविहाइं पण्णत्ताइं। इच्चेयाइं सत्त परिकम्माइं, छ ससमइयाइं सत्त आजीवियाइं, छ चउक्कणइयाइं सत्त तेरासियाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं सत्त परिकम्माइं तेसीति भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं परिकम्माइं। से किं तं सुत्ताइं ? सुत्ताइं अट्ठासीति भवंतीति मक्खायाइं, तं०—उज्जुगं परिणयापरिणयं बहुभंगियं विप्पच्चइयं [विण (ज) यचरियं] अणंतरं परंपरं समाणं संजूहं [मासाणं] संभिण्णं अहाच्चयं [अहव्वायं-णंदीए] सोवत्थियं (वत्तं यं) णंदावत्तं बहुलं पुट्ठापुट्ठं वियावत्तं एवंभूयं दुआवत्तं वत्तमाणप्पयं समभिरूढं सव्वओभद्दं पणामं [पस्सासं—णंदीए] दुपडिग्गहं। इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं छिण्णछेयणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं अछिण्णछेयणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीति सुत्ताइं भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं सुत्ताइं। से किं तं पुव्वगयं ? पुव्वगयं चउद्दसविहं पण्णत्तं, तं जहा–उप्पायपुव्वं, अग्गेणीयं, वीरियं, अत्थिणत्थिप्पवायं, णाणप्पवायं, सच्चप्पवायं, आयप्पवायं, कम्मप्पवायं, पच्चक्खाणप्पवायं, विज्जाणुप्पवायं अवंझं, पाणाऊ, किरियाविसालं, लोगबिंदुसारं। उप्पायपुव्वस्स णं दसवत्थू पण्णत्ता, चत्तारि चूलियावत्थू पण्णत्ता। अग्गेणियस्स

णं पुव्वस्स चोद्दस वत्थू प०, बारस चूलियावत्थू प०। विरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठ वत्थू प०, अट्ठ चूलियावत्थू प०। अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठारस वत्थू प०, दस चूलियावत्थू प०। णाणप्पवायस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प०। सच्चप्पवायस्स णं पुव्वस्स दो वत्थू प०। आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स सोलस वत्थू प०। कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू प०। पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प०। विज्जाणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पण्णरस वत्थू प०। अवंझस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प०। पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प०। किरियाविसालस्स णं पुव्वस्स तीसं वत्थू प०। लोगबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प०। "दस चोद्दस अट्ठट्ठारसे व बारस दुवे य वत्थूणि। सोलस तीसा वीसा पण्णरस अणुप्पवायम्मि॥ बारस एक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि। तीसा पुण तेरसमे चउदसमे पण्णवीसाओ। चत्तारि दुवालस अट्ठ चेव दस चेव चूलवत्थूणि। आइल्लाण चउण्हं, सेसाणं चूलिया णत्थि" से त्तं पुव्वगयं। से किं तं अणुओगे? अणुओगे दुविहे प०, तं० मूलपढमाणुओगे य गंडियाणुओगे य। से किं तं मूलपढमाणुओगे? एत्थ णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा देवलोगगमणाणि आउं चवणाणि जम्मणाणि य अभिसेया रायवरसिरीओ सीयाओ पव्वज्जाओ तवा य भत्ता केवलणाणुप्पाया य तित्थपवत्तणाणि य संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउं वण्णविभागो सीसा गणा गणहरा य अज्जा पवत्तणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं वावि परिमाणं जिणमणपज्जवओहिणाणसम्मत्तसुयणाणिणो य वाई अणुत्तरगई य जत्तिया सिद्धा पाओवगया य जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं छेयइत्ता अंतगडा मुणिवरुत्तमा तमरओघविप्पमुक्का सिद्धिपहमणुत्तरं च पत्ता, एए अण्णे य एवमाइया भावा मूलपढमाणुओगे कहिया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं मूलपढमाणुओगे। से किं तं गंडियाणुओगे? गंडियाणुओगे अणेगविहे प०, तं०—कुलगरगंडियाओ तित्थगरगंडियाओ गणहरगंडियाओ चक्कहरगंडियाओ दसारगंडियाओ बलदेवगंडियाओ वासुदेवगंडियाओ हरिवंसगंडियाओ भद्दबाहुगंडियाओ तवोकम्मगंडियाओ चित्तंतरगंडियाओ उस्सप्पिणीगंडियाओ ओसप्पिणीगंडियाओ अमरणरतिरियणिरयगइगमणविविहपरियट्टणाणुओगे, एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं गंडियाणुओगे। से किं तं चूलियाओ? जण्णं आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलियाओ सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, से त्तं चूलियाओ। दिट्ठिवायस्स

परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जाओ ज्जुत्तीओ संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए बारसमे ो एगे सुयक्खंधे चउद्दस पुव्वाइं संखेज्जा वत्थू संखेज्जा चूलवत्थू संखेज्जा हुडा संखेज्जा पाहुडपाहुडा संखेज्जाओ पाहुडियाओ संखेज्जाओ पाहुडपाहुडि-ओ संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पण्णत्ता, संखेज्जा अक्खरा अणंता मा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया णपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति वदंसिज्जंति, एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति, त्तं दिट्ठिवाए, से त्तं दुवालसंगे गणिपिडगे।१४७। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं तीतकाले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिंसु, चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णे काले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता ाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले णंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्संति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतसंसार-कंतारं वीईवइंसु, एवं पडुप्पण्णेऽवि, एवं अणागएऽवि। दुवालसंगे णं गणिपिडगे ग कयाइ णासी, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य (अयले) धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे। से जहा णामए पंच अत्थिकाया ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य, (अयला) धुवा णिइया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा, एवामेव दुवालसंगे गणिपिडगे ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य (अयले) धुवे जाव अवट्ठिए णिच्चे। एत्थ णं दुवालसंगे गणिपिडगे अणंता भावा अणंता अभावा अणंता हेऊ अणंता अहेऊ अणंता कारणा अणंता अकारणा अणंता जीवा अणंता अजीवा अणंता भवसिद्धिया अणंता अभवसिद्धिया अणंता सिद्धा अणंता असिद्धा आघ-विज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। एवं दुवालसंगं गणिपिडगं इति ॥१४८॥

जीवरासी अजीवरासी

दुवे रासी पण्णत्ता, तं जहा—जीवरासी अजीवरासी य। अजीवरासी दुविहा

[illegible]

[illegible] ... [illegible] सवति । [illegible] ...

[illegible] अत्र [illegible] ... [illegible]

[illegible] ... [illegible] बहुवचनं [illegible] ... [illegible] देवतौ ।

[illegible] ... [illegible] करता अनु-

भाओ णरएसु वेयणाओ ॥ १४९ ॥ केवइया णं भंते ! असुरकुमारावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए चउसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा प० । ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा अहे पोक्खरकण्णियासंठाणसंठिया उक्किण्णंतरविउलगंभीरखायफलिहा अट्टालयचरियदारगोउरकवाडतोरणपडिदुवार-देसभागा जंतमुसलमुसंढिसयग्घिपरिवारिया अउज्झा अडयालकोट्ठयरइया अडयाल-कयवणमाला लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिण्णपंचंगुलितला काला-गुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघेंतगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टि-भूया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सप्पभा समि-रीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । एवं जं जस्स कमई तं तस्स जं जं गाहाहिं भणियं तह चेव वण्णओ ॥ १५० ॥ केवइया णं भंते ! पुढविकाइयावासा प० गोयमा ! असंखेज्जा पुढवीकाइयावासा प० एवं जाव मणुस्स त्ति । केवइया णं भंते ! वाणमंतरावासा प० गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढ-वीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगा-हेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जा णगरावाससयसहस्सा प०, ते णं भोमेज्जा णगरा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा, एवं जहा भवणवासीणं तहेव णेयव्वा, णवरं पडागमाला-उला सुरम्मा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥१५१॥ केवइया णं भंते ! जोइसियाणं विमाणावासा पण्णत्ता ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहु-समरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्तणउयाइं जोयणसयाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दसुत्तरजोयणसयबाहल्ले तिरियं जोइसविसए जोइसियाणं देवाणं असंखेज्जा जोइ-सियविमाणावासा प०, ते णं जोइसियविमाणावासा अब्भुग्गयमूसियपहसिया विविह-रमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागछत्ताइछत्तकलिया तुंगा गगण-तलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियागा वियसिय-सयपत्तपुंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ता अंतो बाहिं च सण्हा तवणिज्जवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिज्जा अभि०॥ १५२ ॥ केवइया णं भंते !

वेमाणियावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं वीइवइत्ता बहूणि जोयणाणि बहूणि जोयणसयाणि बहूणि जोयणसहस्साणि बहूणि जोयणसयसहस्साणि बहुइओ जोयणकोडीओ बहुइओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं वीइवइत्ता एत्थ णं विमाणियाणं देवाणं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंद-बंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुएसु गेवेज्जमणुत्तरेसु य चउरासीइं विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खाया, ते णं विमाणा अच्चिमालिप्पभा भासरासिवण्णाभा अरया णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा घट्टा मट्टा णिप्पंका णिक्कंकडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावासा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं ईसाणाइसु अट्ठावीसं बारस अट्ठ चत्तारि एयाइं सयसहस्साइं पण्णासं चत्तालीसं छ एयाइं सहस्साइं आणए पाणए चत्तारि आरणच्चुए तिण्णि एयाणि सयाणि, एवं गाहाहिं भाणियव्वं ॥ १५३ ॥ णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अपज्जत्तगाणं णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए एवं जाव विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कत्तीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । सव्वट्ठे अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १५४ ॥ कइ णं भंते सरीरा प० ? गोयमा ! पंच सरीरा प०, तं०—ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए । ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ! गोयमा पंचविहे प०, तं०— एगिंदियओरालियसरीरे जाव गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरे य । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलअसंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, एवं जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियपमाणं तहा णिरवसेसं, एवं जाव मणुस्से त्ति उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं ।

कइविहे णं भंते ! वेउव्वियसरीरे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते—एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरे य, एवं जाव सणंकुमारे आढत्तं जाव अणुत्तराणं भवधारणिज्जा जाव तेसिं रयणी-रयणी परिहायइ। आहारयसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! एगाकारे प०। जइ एगाकारे प० किं मणुस्सआहारयसरीरे अमणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! मणुस्सआहारयसरीरे णो अमणुस्सआहारयसरीरे, एवं जइ मणुस्सआहारयसरीरे किं गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे संमुच्छिममणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे णो संमुच्छिममणुस्सआहारयसरीरे। जइ गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे किं कम्मभूमिगा० अकम्मभूमिगा० ? गोयमा ! कम्मभूमिगा० णो अकम्मभूमिगा०। जइ कम्मभूमिगा० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय०। जइ संखेज्जवासाउय० किं पज्जत्तय० अपज्जत्तय० ? गोयमा ! पज्जत्तय० णो अपज्जत्तय०। जइ पज्जत्तय० किं सम्मदिट्ठी० मिच्छदिट्ठी० सम्मामिच्छदिट्ठी० ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी० णो मिच्छदिट्ठी० णो सम्मामिच्छदिट्ठी०। जइ सम्मदिट्ठी० किं संजय० असंजय० संजयासंजय० ? गोयमा ! संजय० णो असंजय० णो संजयासंजय०। जइ संजय० किं पमत्तसंजय० अपमत्तसंजय० ? गोयमा ! पमत्तसंजय० णो अपमत्तसंजय०। जइ पमत्तसंजय० किं इड्ढिपत्त० अणिड्ढिपत्त० ? गोयमा ! इड्ढिपत्त० णो अणिड्ढिपत्त० वयणा वि भाणियव्वा आहारयसरीरे समचउरंससंठाणसंठिए। आहारयसरीरस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं देसूणा रयणी उक्कोसेणं पडिपुण्णा रयणी। तेयासरीरे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०—एगिंदियतेयासरीरे बितिचउपंच० एवं जाव गेवेज्जस्स णं भंते ! देवस्स णं मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स समाणस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जहण्णेणं अहे जाव विज्जाहरसेढीओ उक्कोसेणं जाव अहोलोइयग्गामाओ, उड्ढं जाव सयाइं विमाणाइं, तिरियं जाव मणुस्सखेत्तं, एवं जाव अणुत्तरोववाइया। एवं कम्मयसरीरं भाणियव्वं ॥१५५॥

भेय विसयसंठाणे, अब्भिंतर बाहिरे य देसोही। ओहिस्स वुड्ढिहाणी, पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ १ ॥ १५६ ॥ कइविहे णं भंते ! ओही प० ? गोयमा ! दुविहा

ते य—सचित्ताहारए य अचित्ताहारए य, एवं सव्वेसिं ओहियं भाणियव्वं ॥ १५७ ॥ सीया य दव्व सारीर साया तह वेयणा भवे दुक्खा । अब्भुवगमुवक्कमिया णिदाए चेव अणिदाए ॥ १ ॥ नेरइया णं भंते! किं सीयं वेयणं वेयंति उसिणं वेयणं वेयंति सीओसिणं वेयणं वेयंति? गोयमा! नेरइया० एवं चेव वेयणापयं भाणियव्वं ॥ १५८ ॥ कइ णं भंते! लेसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! छ लेसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा—किण्हा नीला काऊ तेऊ पम्हा सुक्का, एवं लेसापयं भाणियव्वं ॥ १५९ ॥ अणंतरा य आहारे, आहाराभोयणा इ य । पोग्गला नेव जाणंति, अज्झवसाणे य सम्मत्ते ॥ १ ॥ नेरइया णं भंते! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया तओ परियाइयणया तओ परिणामणया तओ परियारणया तओ पच्छा विकुव्वणया? हंता गोयमा! एवं आहारपयं भाणियव्वं ॥ १६० ॥ कइविहे णं भंते! आउगबंधे प०? गोयमा! छव्विहे आउगबंधे प०, तं जहा—जाइनामनिहत्ताउए गइनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए । नेरइयाणं भंते! कइविहे आउगबंधे प०? गोयमा! छव्विहे प०, तं जहा—जाइनामनिहत्ताउए गइनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए । एवं जाव वेमाणियाणं ॥ १६१ ॥ निरयगई णं भंते! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं प०? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ते, एवं तिरियगई मणुस्सगई देवगई । सिद्धिगई णं भंते! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणयाए प०? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासे, एवं सिद्धिवज्जा उव्वट्टणा । इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया केवइयं कालं विरहिया उववाएणं? एवं उववायदंडओ भाणियव्वो उव्वट्टणादंडओ य । नेरइया णं भंते! जाइनामनिहत्ताउगं कइ आगरिसेहिं पगरंति? गोयमा! सिय १ सिय २ सिय ३ सिय ४ सिय ५ सिय ६ सिय ७ सिय ८ अट्ठहिं, नो चेव णं नवहिं । एवं सेसाण वि आउगाणि जाव वेमाणिय त्ति ॥ १६२ ॥ कइविहे णं भंते! संघयणे पण्णत्ते? गोयमा! छव्विहे संघयणे पण्णत्ते, तं जहा—वइरोसभनारायसंघयणे रिसभनारायसंघयणे नारायसंघयणे अद्धनारायसंघयणे कीलियासंघयणे छेवट्ठसंघयणे । नेरइया णं भंते! किंसंघयणी? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी नेव अट्ठी नेव छिरा नेव ण्हारू जे पोग्गला

अणिट्ठा अकंता अप्पिया अणाएज्जा असुभा अमणुण्णा अमणामा अमणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति। असुरकुमाराणं भंते! किंसंघयणी प० ? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारू जे पोग्गला इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणामा मणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढवीकाइया णं भंते! किंसंघयणी प० ? गोयमा! छेवट्टसंघयणी प०, एवं जाव संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिय त्ति। गब्भवक्कंतिया छव्विहसंघयणी, संमुच्छिममणुस्सा छेवट्टसंघयणी, गब्भवक्कंतियमणुस्सा छव्विहे संघयणे प०। जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य ॥ १६३ ॥ कइविहे णं भंते! संठाणे पण्णत्ते ? गोयमा छव्विहे संठाणे पण्णत्ते, तं जहा—समचउरंसे १ णिग्गोहपरिमंडले २ साइए ३ वामणे ४ खुज्जे ५ हुंडे ६। णेरइया णं भंते! किंसंठाणी प० ? गोयमा! हुंडसंठाणी प०। असुरकुमारा णं भंते! किंसंठाणी प० ? गोयमा! समचउरंससंठाणसंठिया प०, एवं जाव थणियकुमारा। पुढवी मसूरसंठाणा प०, आऊ थिबुयसंठाणा प०, तेऊ सूइकलावसंठाणा प०, वाऊ पडागासंठाणा प०, वणस्सई णाणासंठाणसंठिया प०, वेइंदियतेइंदियचउरिंदिय-संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खा हुंडसंठाणा प०, गब्भवक्कंतिया छव्विहसंठाणा प०, संमुच्छिममणुस्सा हुंडसंठाणसंठिया प०, गब्भवक्कंतियाणं मणुस्साणं छव्विहा संठाणा प०। जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया वि ॥ १६४ ॥ कइविहे णं भंते! वेए पण्णत्ते ? गोयमा! तिविहे वेए प०, तं जहा—इत्थीवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए। णेरइया णं भंते! किं इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया प० ? गोयमा! णो इत्थीवेया णो पुरिसवेया णपुंसगवेया प०। असुरकुमारा णं भंते! किं इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया ? गोयमा! इत्थीवेया पुरिसवेया णो णपुंसगवेया, जाव थणियकुमारा, पुढवी-आऊ-तेऊ-वाऊ-वणस्सई वितिचउरिंदियसंमुच्छिमपंचिंदिय-तिरिक्खसंमुच्छिममणुस्सा णपुंसगवेया, गब्भवक्कंतियमणुस्सा पंचिंदियतिरिया य तिवेया, जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरा जोइसियवेमाणिया वि ॥ १६५ ॥

कुलगर-तित्थयराइ

ते णं काले णं ते णं समए णं कप्पस्स समोसरणं णेयव्वं, जाव गणहरा सावच्चा णिरवच्चा वोच्छिण्णा ॥१६६॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तं०—मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे। विमलघोसे सुघोसे

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible] ओसप्पिणीए [illegible] होत्था, [illegible] ॥ २ ॥ [illegible] ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए समाए सत्त कुलगरा होत्था, तं०— पढमेत्थ विमलवाहण [चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे। तत्तो य पसेणइए मरुदेवे चेव णाभी य ॥ ३ ॥] एएसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारिया होत्था, तं०— चंदजसा चंदकंता सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य। सिरिकंता मरुदेवी कुलगरपत्तीण णामाइं ॥ ४ ॥] १६७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगराणं पियरो होत्था, तं०—णाभी य जियसत्तू य जियारी संवरे इय। मेहे धरे पइट्ठे य महसेणे य खत्तिए ॥५॥ सुग्गीवे दढरहे विण्हू वसुपुज्जे य खत्तिए। कयवम्मा सीहसेणे भाणू विस्ससेणे इय ॥६॥ सूरे सुदंसणे कुंभे, सुमित्तविजए समुद्दविजए य। राया य अस्ससेणे य सिद्धत्थेत्तिय खत्तिए ॥ ७ ॥] उदिओदियकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं एए पियरो जिणवराणं ॥ ८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगराणं मायरो होत्था, तं० --मरुदेवी विजया सेणा [सिद्धत्था मंगला सुसीमा य। पुहवी लक्खणा रामा णंदा विण्हू जया सामा ॥ ९ ॥ सुजसा सुव्वय अइरा सिरिया देवी पभावई पउमा। वप्पा सिवा य वामा तिसला देवी य जिणमाया ॥ १० ॥] १६८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थयरा होत्था, तं०—उसभ अजिय संभव अभिणंदण सुमइ पउमप्पह सुपास चंदप्पह सुविहि=पुप्फदंत सीयल सिज्जंस वासुपुज्ज विमल अणंत धम्म संति कुंथु अर मल्लि मुणिसुव्वय णमि णेमि पास वद्धमाणो य ॥ १६९ ॥ एएसिं चउवीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पुव्वभवया णामधेया होत्था, तं०—पढमेत्थ वइरणाभे विमले तह विमलवाहणे चेव। तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह धम्ममित्ते य ॥ ११ ॥ सुंदरबाहु तह दीहबाहु जुगबाहू य लट्ठबाहू य। दिण्णे य इंददत्ते सुंदर माहिंदरे चेव ॥ १२ ॥ सीहरहे मेहरहे रुप्पी य सुदंसणे य बोद्धव्वे। तत्तो य णंदणे खलु सीहगिरी चेव वीसइमे ॥ १३ ॥ अदीणसत्तु संखे सुदंसणे णंदणे य बोद्धव्वे। ओसप्पिणीए एए तित्थयराणं तु पुव्वभवा ॥ १४ ॥ १७० ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं सीयाओ होत्था, तं जहा—सीया सुदंसणा सुप्पभा य सिद्धत्थ सुप्पसिद्धा य। विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया चेव ॥ १५ ॥

अरुणप्पभ चंदप्पभ सूरप्पह अग्गि सुप्पभा चेव । विमला य पंचवण्णा सागरदत्ता
य णागदत्ता य ॥ १६ ॥ अभयकर णिव्वुइकरा मणोरमा तह मणोहरा चेव । देव-
कुरुत्तरकुरा विसाल चंदप्पभा सीया ॥ १७ ॥ एयाओ सीयाओ सव्वेसिं चेव
जिणवरिंदाणं । सव्वजगवच्छलाणं सव्वोउयसुभाए छायाए ॥१८॥ पुव्विं उक्खित्ता
माणुसेहिं साहट्टु (ह) रोमकूवेहिं । पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंदणागिंदा
॥ १९ ॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी । सुरअसुरवंदियाणं
वहंति सीयं जिणंदाणं ॥२०॥ पुरओ वहंति देवा णागा पुण दाहिणंमि पासंमि ।
पच्चत्थिमेण असुरा गरुला पुण उत्तरे पासे ॥ २१ ॥ उसभो य विणीयाए बार-
वईए अरिट्ठवरणेमी । अवसेसा तित्थयरा णिक्खंता जम्मभूमीसु ॥ २२ ॥ सव्वे
वि एगदूसेण [णिग्गया जिणवरा चउव्वीसं । ण य णाम अण्णलिंगे ण य गिहि-
लिंगे कुलिंगे य ॥ २३ ॥] एक्को भगवं वीरो [पासो मल्ली य तिहिं तिहिं सएहिं ।
भगवं पि वासुपुज्जो छहिं पुरिससएहिं णिक्खंतो ॥ २४ ॥] उग्गाणं भोगाणं
राइण्णाणं [च खत्तियाणं च । चउहिं सहस्सेहिं उसभो सेसा उ सहस्सपरिवारा
॥ २५ ॥] सुमइत्थ णिच्चभत्तेण [णिग्गओ वासुपुज्ज चोत्थेणं । पासो मल्ली य अट्ठ-
मेण सेसा उ छट्ठेणं ॥ २६ ॥] एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं
पढमभिक्खादायारो होत्था, तं०—सिज्जंस बंभदत्ते सुरिंददत्ते य इंददत्ते य । पउमे
य सोमदेवे माहिंदे तह सोमदत्ते य । पुस्से पुणव्वसू पुण्णणंद सुणंदे जये य विजये
य । तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह वग्गसीहे य ॥ २७ ॥ अपराजिय विस्ससेणे
वीसइमे होइ उसभसेणे य । दिण्णे वरदत्ते धण्णे बहुले य आणुपुव्वीए ॥ २८ ॥
एए विसुद्धलेसा जिणवरभत्तीइ पंजलिउडा उ । तं कालं तं समयं पडि-
लाभेई जिणवरिंदे ॥ २९ ॥ संवच्छरेण भिक्खा लद्धा उसभेण लोयणाहेण । सेसेहिं
बीयदिवसे लद्धाओ पढमभिक्खाओ ॥३०॥ उसभस्स पढमभिक्खा खोयरसो आसि
लोगणाहस्स । सेसाणं परमण्णं अमियरसरसोवमं आसि ॥ ३१ ॥ सव्वेसिं पि
जिणाणं जहियं लद्धाउ पढमभिक्खाउ । तहियं वसुधाराओ सरीरमेत्तीओ वुट्ठाओ
॥ ३२ ॥ १७१ ॥ एएसि चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं चेइयरुक्खा होत्था,
तं०—णग्गोह सत्तिवण्णे साले पियए पियंगु छत्ताहे । सिरिसे य णागरुक्खे माली
य पिलंखुरुक्खे य ॥३३॥ तिंदुग पाडल जंबू आसत्थे खलु तहेव दहिवण्णे ।
णंदीरुक्खे तिलए अंबयरुक्खे असोगे य ॥३४॥ चंपय बउले य तहा वेडसरुक्खे

[illegible] ॥ ४० ॥ १७२ ॥ [illegible] ॥ ३९ ॥ [illegible] ॥ ४० ॥ [illegible] जिणवराणं ॥ ४१ ॥ १७३ ॥ [illegible] जिणवराणं [illegible] पढमसिस्सिणी होत्था, तं जहा—बंभी [illegible] फग्गू सामा अजिया कासवी रई सोमा। सुमणा वारुणि सुलसा धारणि धरणि य धरणिधरा ॥ ४२ ॥ पउमा सिवा सुई अंजू भावियप्पा य रक्खी य। बंधु-वई पुप्फवई अज्जा अमिला य अहिया य ॥ ४३ ॥ जक्खिणी पुप्फचूला य चंदणऽज्जा य आहियाउ। उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सी जिणवराणं ॥ ४४ ॥ १७४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारस चक्कवट्टिपियरो होत्था, तं जहा—उसभे सुमित्ते विजए समुद्दविजए य आससेणे य। विस्ससेणे य सूरे सुदंसणे कत्तवीरिए चेव ॥ ४५ ॥ पउमुत्तरे महाहरी विजए राया तहेव य। बंभे बारसमे उत्ते पिउ-णामा चक्कवट्टीणं ॥ ४६ ॥ १७५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओस-प्पिणीए बारस चक्कवट्टिमायरो होत्था, तं जहा—सुमंगला जसवई भद्दा सहदेवी अइरा सिरिदेवी। तारा जाला (जाला तारा) मेरा वप्पा चुलणि अपच्छिमा ॥ १७६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारस चक्कवट्टी होत्था, तं जहा—भरहो सगरो मघवं [सणंकुमारो य रायसद्दूलो। संती कुंथू य अरो हवइ सुभूमो य कोरव्वो ॥ ४७ ॥ णवमो य महापउमो हरिसेणो चेव राय-सद्दूलो। जयणामो य णरवई, बारसमो बंभदत्तो य ॥ ४८ ॥] एएसिं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस इत्थिरयणा होत्था, तं जहा—पढमा होइ सुभद्दा भद्द सुणंदा जया य विजया य। किण्हसिरी सूरसिरी पउमसिरी वसुंधरा देवी ॥ ४९ ॥ लच्छि-मई कुरुमई इत्थिरयणाण णामाइं ॥ १७७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे

ओसप्पिणीए नव बलदेववासुदेवपियरो होत्था, तं जहा—पयावई य बंभे [सोमे रुद्दो सिवो महसिवो य । अग्गिसिहो य दसरहो नवमो भणिओ य वसुदेवो ॥५०॥] जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए नव वासुदेवमायरो होत्था, तं जहा—मियावई उमा चेव पुहवी सीया य अम्मया । लच्छिमई सेसमई केकई देवई तहा ॥५१॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए नव बलदेव-मायरो होत्था, तं जहा—भद्दा तह सुभद्दा य सुप्पभा य सुदंसणा । विजया वेज-यंती य जयंती अपराजिया ॥५२॥ नवमीया रोहिणी य बलदेवाण मायरो ॥१५८॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए नव दसारमंडला होत्था, तं जहा—उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी छायंसी कंता सोमा सुभगा पियदंसणा सुरूवा सुहसीलसुहाभिगमसव्वजणनयण-कंता ओहबला अइबला महाबला अनिहया अपराइया सत्तुमद्दणा रिउ-सहस्समाणमहणा साणुक्कोसा अमच्छरा अचवला अचंडा मियमंजुलपलावहसिय-गंभीरमहुरपडिपुण्णसच्चवयणा अब्भुवगयवच्छला सरण्णा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणपमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगा ससिसोमागारकंतपियदंसणा अमरि-सणा पयंडदंडप्पयार(र)गंभीरदरिस(णि)णिज्जा तालद्धओव्विद्धगरुलकेऊ महाधणु-विकड्ढया महासत्तसागरा दुद्धरा धणुद्धरा धीरपुरिसा जुद्धकित्तिपुरिसा विउलकुल-समुब्भवा महारयणविहाडगा अद्धभरहसामी सोमा रायकुलवंसतिलया अजिया अजियरहा हलमुसलकणगपाणी संखचक्कगयसत्तिनंदगधरा पवरुज्जलसुकंतविमल-गोत्थुभतिरीडधारी कुंडलउज्जोवियाणणा पुंडरीयनयणा एकावलिकंठलइयवच्छा सिरि-वच्छसुलंछणा वरजसा सव्वोउयसुरभिकुसुमरचियपलंबसोभंतकंतविकसंतचित्तवर-मालरइयवच्छा अट्ठसयविभत्तलक्खणपसत्थसुंदरविराइयंगमंगा मत्तगयवरिंदललिय-विक्कमविलसियगई सारयनवथणियमहुरगंभीरकोंचनिग्घोसदुंदुहिसरा कडिसुत्तग-नीलपीयकोसेज्जवाससा पवरदित्ततेया नरसीहा नरवई नरिंदा नरवसहा मरुयवसभ-कप्पा अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणा नीलगपीयगवसणा दुवे-दुवे रामकेसवा भायरो होत्था, तं जहा—तिविट्ठू जाव कण्हे अयले जाव रामे यावि अपच्छिमे ॥५३॥१५९॥ एएसि णं नवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया नव नामधेज्जा होत्था, तं० विस्सभूई पव्वयए धणदत्त समुद्ददत्त इसिवाले । पियमित्त ललियमित्ते पुणव्वसू गंगदत्ते य ॥५४॥ एयाइं नामाइं पुव्वभवे आसि वासुदेवाणं । एत्तो बलदेवाणं

[illegible]

[illegible] ॥ ९० ॥ १८३ ॥ [illegible] ॥ ९१ ॥ [illegible] ॥ ९२ ॥ [illegible] ॥ ९३ ॥ [illegible] ॥ ९४ ॥] [illegible] ॥ ९५ ॥ १८४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउव्वीसं तित्थयरा होत्था, तं०—चंदाणणं सुचंदं अग्गिसेणं च णंदिसेणं च । इसिदिण्णं वय हारिं वंदिमो सोमचंदं च ॥६६॥ वंदामि जुत्तिसेणं अजियसेणं तहेव सिवसेणं । बुद्धं च देवसम्मं सययं णिक्खित्तसत्थं च ॥ ६७ ॥ असंजलं जिणवसहं वंदे य अणंतयं अमियणाणिं । उवसंतं च धुयरयं वंदे खलु गुत्तिसेणं च ॥ ६८ ॥ अइपासं च सुपासं देवेसरवंदियं च मरुदेवं । णिव्वाणगयं च भ(ध)रं खीणदुहं सामकोट्ठं च॥६९॥जियरागमग्गिसेणं वंदे खीणरायमग्गिउत्तं च । वोक्कसियपिज्जदोसं वारिसेणं गयं सिद्धिं ॥ ७० ॥ १८५ ॥ जंबुदीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए भारहे वासे सत्त कुलगरा भविस्संति, तं०--मियवाहणे सुभूमे य सुप्पभे य सयंपभे । दत्ते सुहुमे सुबंधू य आगमिस्साण होक्खइ ॥७१॥ ॥ १८६ ॥ जंबुदीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए एरवए वासे दस कुलगरा भविस्संति, तं०—विमलवाहणे सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे दढधणू दसधणू सयधणू पडिसूई सुमइ त्ति ॥ १८७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउवीसं तित्थयरा भविस्संति, तं०—महापउमे सूरदेवे, सुपासे य सयंपभे । सव्वाणुभूई अरहा, देवस्सुए य होक्खइ ॥ ७२ ॥ उदए

पेढालपुत्ते य, पोट्टिले सत (ए) त्ति य। मुणिसुव्वए य अरहा, सव्वभावविऊ जिणे ॥ ७३ ॥ अममे निक्कसाए य, निप्पुलाए य निम्ममे। चित्तउत्ते समाही य, आगमिस्सेण होक्खइ ॥ ७४ ॥ संवरे (अणिट्टी) अनियट्टी य, विजए विमले इय। देवोववाए अरहा, अणंतविजए इय ॥ ७५ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, भरहे वासम्मि केवली। आगमिस्सेण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ७६ ॥ १८८ ॥ एएसि णं चउवीसाए तित्थयराणं पुव्वभविया चउवीसं नामधेज्जा भविस्संति, तं०— सेणिय सुपास उदए पोट्टिल अणगार तह दढाऊ य। कत्तिय संखे य तहा नंद सुनंदे य सतए य ॥ ७७ ॥ बोद्धव्वा देवई य सच्चइ तह वासुदेव बलदेवे। रोहिणि सुलसा चेव तत्तो खलु रेवई चेव ॥ ७८ ॥ तत्तो हवइ सयाली बोद्धव्वे खलु तहा भयाली य। दीवायणे य कण्हे तत्तो खलु नारए चेव ॥ ७९ ॥ अंबडे दारुमडे य साई बुद्धे य होइ बोद्धव्वे। भावीतित्थगराणं णामाइं पुव्वभवियाइं ॥ ८० ॥ १८९ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं पियरो भविस्संति, चउव्वीसं मायरो भविस्संति, चउव्वीसं पढमसीसा भविस्संति, चउव्वीसं पढमसिस्सणीओ भविस्संति, चउव्वीसं पढमभिक्खादायगा भविस्संति, चउव्वीसं चेइयरुक्खा भविस्संति ॥ १९० ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, तं०—भरहे य दीहदंते गूढदंते य सुद्धदंते य। सिरिउत्ते सिरिभूई सिरिसोमे य सत्तमे ॥ ८१ ॥ पउमे य महापउमे विमलवाहणे विपुलवाहणे चेव। रिट्ठे बारसमे वुत्ते आगमिस्सा भरहाहिवा ॥ ८२ ॥ एएसि णं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस पियरो भविस्संति, बारस मायरो भविस्संति बारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ १९१ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए नव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, नव वासुदेवमायरो भविस्संति, नव बलदेवमायरो भविस्संति, नव दसारमंडला भविस्संति, तं०—उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी एवं सो चेव वण्णओ भाणियव्वो जाव नीलगपीतगवसणा दुवे-दुवे राम-केसवा भायरो भविस्संति, तं जहा—नंदे य नंदमित्ते दीहबाहू तहा महाबाहू। अइबले महाबले बलभद्दे य सत्तमे ॥ ८३ ॥ दुविट्ठू य तिविट्ठू य आगमिस्साण विण्हुणो। जयंते विजए भद्दे सुप्पभे य सुदंसणे। आणंदे नंदणे पउमे संकरिसणे य अपच्छिमे ॥ ८४ ॥ १९२ ॥ एएसि णं नवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया नव नामधेज्जा भविस्संति, नव धम्माय-

[illegible]

[illegible] णिव्वाणे य महाजसे । धम्मज्झए य अरहा, आग-
मिस्साण होक्खइ ॥ ८७ ॥ सिरिचंदे पुप्फकेऊ, महाचंदे य केवली । सुय-
सागरे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८८ ॥ सिद्धत्थे पुण्णघोसे य, महाघोसे
य केवली । सच्चसेणे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८९ ॥ सूरसेणे य अरहा,
महासेणे य केवली । सव्वाणंदे य अरहा, देवउत्ते य होक्खइ ॥ ९० ॥ सुपासे
सुव्वए अरहा, अरहे य सुकोसले । अरहा अणंतविजए, आगमिस्साण होक्खइ
॥ ९१ ॥ विमले उत्तरे अरहा, अरहा य महाबले । देवाणंदे य अरहा, आगमि-
स्साण होक्खइ ॥ ९२ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, एरवयम्मि केवली । आगमिस्साण
होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ९३ ॥ १९४ ॥ बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति,
बारस चक्कवट्टिपियरो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिमायरो भविस्संति, बारस इत्थी-
रयणा भविस्संति । णव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो
भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं जहा-
उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा जाव दुवे दुवे रामकेसवा भायरो भवि-
स्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, णव पुव्वभवणामधेज्जा, णव धम्मायरिया, णव
णियाणभूमीओ, णव णियाणकारणा, आयाए एरवए आगमिस्साए भाणियव्वा ।
एवं दोसु वि आगमिस्साए भाणियव्वा ॥ १९५ ॥ इच्चेयं एवमाहिज्जंति, तं जहा-
कुलगरवंसेइ य एवं तित्थयरवंसेइ य चक्कवट्टिवंसेइ य दसारवंसेइ य गणधरवंसेइ
य इसिवंसेइ य जइवंसेइ य मुणिवंसेइ य । सुएइ वा सुअंगेइ वा सुयसमासेइ वा सुय-
खंधेइ वा समवाएइ वा संखेइ वा सम्मत्तमंगमक्खायं अज्झयणं त्ति बेमि ॥ १९६॥

॥ समवायं चउत्थमंगं समत्तं ॥